THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 114 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.10 2082 रविवार, 20 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

जयराम बोले-हमें संसद में पीएम से जवाब चाहिए, कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चलेगा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से 3 सवाल किए हैं। पहला- क्या ट्रम्प ने वाकई सीजफायर रुकवाई, वे इसका 24 बार जिक्र कर चुके हैं। दूसरा- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई, तीसरा- जंग में 5 लड़ाकू विमान किसके गिरे। दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में 5 जेट गिरे थे।

भारत रेलवे निर्यातक बनेगा : वैष्णव

> केंद्रीय रेल मंत्री और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने काजीपेट रेलवे विनिर्माण इकाई का दौरा किया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को अन्य गणमान्य व्यक्तियों और जनप्रतिनिधियों के साथ काजीपेट स्थित रेलवे विनिर्माण इकाई का दौरा किया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन, दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मौके पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, अश्विनी वैष्णव ने कहा कि काजीपेट में मेगा रेलवे विनिर्माण इकाई को 521 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक, अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विनिर्माण इकाई में सिविल निर्माण कार्य दिसंबर, 2025 तक पूरा हो जाएगा, जबकि पूरी परियोजना वर्ष 2026 के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विनिर्माण इकाई में अपार संभावनाएं हैं और इसे कोच, इंजन और मेट्रो ट्रेनों के निर्माण के लिए लचीले ढंग से डिजाइन किया गया है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वे विनिर्माण इकाई में कार्यों की प्रगति से प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही एक विशाल रेलवे विनिर्माण और रेलवे निर्यातक देश बन जाएगा। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना राज्य के लोगों के लंबे समय से पोषित सपने को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया।

'घर से नोट मिलना साबित नहीं करता कि ये मेरे हैं'

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने का अनुरोध किया। जस्टिस वर्मा का तर्क है कि उनके आवास के बाहरी हिस्से में नकदी बरामद होने मात्र से यह साबित नहीं होता कि वे इसमें शामिल हैं। क्योंकि आंतरिक जांच समिति ने यह तय नहीं किया कि नकदी किसकी है या परिसर में कैसे मिली। समिति के निष्कर्षों पर सवाल उठाते हुए उनका तर्क दिया है- ये अनुमान पर आधारित है। याचिका में जस्टिस वर्मा का नाम नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट डायरी में इसे 'XXX बनाम भारत सरकार व अन्य' के टाइटल से दर्ज किया गया है। उन्होंने अपनी याचिका में 5 सवाल के जवाब मांगे हैं, साथ ही 10 तर्क दिए हैं, जिनके आधार पर जांच समिति की रिपोर्ट रद्द करने की मांग और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने का अनुरोध किया गया है।

भारत में अल्पसंख्यक पूरी तरह सुरक्षित, मिल रही विशेष सुविधाएं : केंद्रीय मंत्री रिजिजू

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति और उनकी सुरक्षा की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यहां अल्पसंख्यक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों को जो स्वतंत्रता और सुरक्षा मिल रही है, वह यहां की बहुसंख्यक आबादी के कारण है। रिजिजू ने कहा कि मैंने अब तक एक भी ऐसा मामला नहीं देखा जिसमें किसी अल्पसंख्यक ने यह कहा हो कि उसे भारत छोड़ना है क्योंकि उसे यहां कुछ नहीं मिल रहा।

कांग्रेस पर भी साधा निशाना :

रिजिजू ने अपने बयान में कांग्रेस पर गलत प्रचार करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित वामपंथी सोच वाले लोग यह लगातार प्रचार कर रहे हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है। रिजिजू ने कहा कि ऐसा नैरेटिव देश के लिए नुकसानदायक है। इसके साथ ही रिजिजू ने पूर्व मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी के भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है वाले बयान पर कहा कि भारत एक कानून का पालन करने वाला, धर्मनिरपेक्ष और संविधान आधारित देश है, जहां बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों कानून की नजर में बराबर हैं।

कुछ सुविधाएं सिर्फ अल्पसंख्यकों को मिलती हैं :

रिजिजू ने कहा कि जो सुविधाएं बहुसंख्यक समुदाय को मिलती हैं, वे अल्पसंख्यकों को भी मिलती हैं, लेकिन कुछ योजनाएं ऐसी भी हैं जो केवल अल्पसंख्यकों के लिए होती हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रालय की सभी योजनाएं पूरे देश में लागू होती हैं और छह मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक समुदायों के लिए विशेष सहायता भी दी जाती है। रिजिजू ने कहा कि चीन, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान से लोग भारत में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्हें भारत के संविधान और यहां के लोगों पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक अल्पसंख्यक हूं। अगर हम पाकिस्तान या बांग्लादेश में होते, तो शायद आज शरणार्थी होते। लेकिन भारत में हर अल्पसंख्यक और आदिवासी अपने ही देश में सुरक्षित है, क्योंकि यहां की बहुसंख्यक हिंदू आबादी स्वभाव से सहिष्णु और धर्मनिरपेक्ष है।

'सरकार कभी भी देश के हित से नहीं करेगी समझौता'

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, हमारी वार्ता रणनीति राष्ट्रीय हित पर आधारित है। नरेंद्र मोदी सरकार किसी भी समय राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं होने देगी। मंत्री ने आगे कहा कि दुनिया आज भारत की ताकत को पहचान रही है, और उन्होंने आगे कहा कि 'दुनिया यह मान रही है कि प्रतिभा और कौशल भारत में हैं'। और यही हमें बातचीत में बढ़त देता है। यह कहते हुए कि भारत उन्नत या विकसित देशों के साथ बातचीत कर रहा है, उन्होंने कहा, हम व्यापारिक सौदे करने या केवल प्रतिस्पर्धियों के बिना व्यापारिक सौदों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हम पूरक अर्थव्यवस्थाओं पर विचार कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आगे कहा, जो देश अपनी सप्लाई चेन की सुरक्षा नहीं करते, उन्हें भविष्य में संकट झेलना पड़ेगा। भारत के पास बड़ी घरेलू मांग है और हम कई वस्तुओं का आयात बंद कर, उन्हें देश में ही बना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड महामारी और कुछ हालिया निर्यात प्रतिबंध (जैसे खाद और मैगनेट्स) से यह सीख मिली है कि आत्मनिर्भरता जरूरी है।

तिरुपति देवस्थानम से गैर-हिंदू धर्म का पालन करने के आरोप में 4 कर्मचारी सस्पेंड

> आचार संहिता के उल्लंघन का हवाला

तिरुमला, 19 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिवेंद्रम तिरुपति देवस्थानम ने शनिवार को संस्थागत आचार संहिता के उल्लंघन का हवाला देते हुए गैर-हिंदू धर्म का पालन करने के आरोप में चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। टीटीडी ने एक्स पर एक बयान में कहा कि ये कर्मचारी कथित तौर पर ईसाई धर्म का पालन कर रहे थे, जो एक हिंदू धार्मिक संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों से अपेक्षित आचार संहिता का उल्लंघन है। निलंबित कर्मचारियों में बी एलिजर, उप-कार्यकारी अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण), एस रोजी, स्टाफ नर्स बर्ड अस्पताल, एम प्रेमवती, ग्रेड 1 फार्मासिस्ट बर्ड अस्पताल और डॉ.जी असुंता, एसवी आयुर्वेदिक फार्मेसी शामिल हैं।

पीएम मोदी अगले हफ्ते यूके और मालदीव की यात्रा करेंगे

> व्यापार समझौते पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर चार दिवसीय विदेश यात्रा पर जाएंगे। वे अगले सप्ताह ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा करेंगे। इस दौरान व्यापार समझौते और रिश्तों को बढ़ावा देने पर फोकस किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का पहला चरण 23-24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम होगा, जहां वे ऐतिहासिक भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता टैरिफ में कमी करके ब्रिटेन को होने वाले 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। इससे भारत को भी फायदा होगा और व्हिस्की और कारों जैसे ब्रिटिश निर्यात सुगम होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव की यात्रा करेंगे, जहां वे 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। मोहम्मद मुइज्जू सरकार के कार्यकाल में यह यात्रा इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह मालदीव में कुछ नेताओं की ओर से भारत विरोधी बयानबाजी और अभियानों के कारण हाल ही में दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बाद पहली बार हो रही है।

शासन की विफलता, जवाब चाहती है जनता : पूर्व सीएम नवीन पटनायक

भुवनेश्वर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पुरी जिले में एक युवती को कथित तौर पर आग लगाने की घटना को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे शासन की विफलता करार दिया। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रमुख ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पुरी जिले के बलंगा इलाके में एक युवती को आगे लगाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। दिनदहाड़े उनकी हत्या का प्रयास हुआ। मैं इस जघन्य कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं।

पटनायक ने आगे कहा, यह घटना एक हफ्ते के भीतर यह घटना हुई है। इससे पहले गोपालपुर की खौफनाक घटना के एक महीने के बाद एफएम कॉलेज की एक युवती को भी जब हर दरवाजा खटखटाने के बाद भी न्याय नहीं मिला, तो उसने खुद को आग लगा दी थी। महिलाओं के खिलाफ ऐसी अकल्पनीय घटनाएं अब पूरे ओडिशा से रोजाना सामने आ रही हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे का पीएम मोदी पर हमला

वे 42 देशों में गए पर मणिपुर नहीं पहुंचे

मैसूर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 42 देशों का दौरा किया, लेकिन मणिपुर नहीं पहुंचे। खड़गे ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश की जनता भाजपा और आरएसएस को संविधान बदलने की इजाजत नहीं देगी। कांग्रेस पार्टी में लोग काम करते हैं, जबकि मोदी की भाजपा में लोग केवल बोलते हैं।

उन्होंने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की ओर से आरोपपत्र दाखिल करना केवल उनका और गांधी परिवार का नाम खराब करने की कोशिश है। केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी को निशाना बना रही है। खड़गे ने कहा कि वाड्रा के साथ जो कुछ किया गया है, वह एक व्यक्ति से बदला लेने और एक पार्टी को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। यह सब वाड्रा और गांधी परिवार को बदनाम करने की कोशिश के तहत किया जा रहा है। वे इसमें कभी सफल नहीं होंगे। वाड्रा को जो परेशानी दी जा रही है, वह ठीक नहीं है। हम सभी उनके अच्छे काम का समर्थन करते हैं। कांग्रेस पर भूमि जिहाद का समर्थन करने के आरोप पर खड़गे ने कहा कि मुझे नहीं पता कि भूमि जिहाद क्या है? अगर वे मेरे खिलाफ कोई कार्रवाई करना चाहते हैं, तो स्वागत है, उन्हें करने दीजिए। जब भी वे कार्रवाई करेंगे, मैं उसका जवाब दूंगा।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ क्यों हुई कार्रवाई :

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ जमीन के लेनदेन में कथित धनशोधन से जुड़े एक मामले में चार्जशीट दायर की है। केंद्रीय एजेंसी इस मामले में वाड्रा की कंपनी स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी की 37.64 करोड़ रुपये की 43 अचल संपत्तियां कुर्क कर लीं हैं। आरोप है कि मानेसर-शिकोहपुर में मौजूद जमीन के ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से वाड्रा की कंपनी को बेचे जाने के एक दिन बाद ही इसका म्यूटेशन कर दिया गया। इतना ही नहीं, इसके अगले दिन जमीन को वाड्रा की कंपनी को स्थानांतरित भी कर दिया गया। जबकि आमतौर पर इस प्रक्रिया में तीन महीने का समय लगता है।

माकपा नेता की राहुल गांधी को नसीहत

वे फूट डालने की बजाय धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करें

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की तुलना आरएसएस करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को फूट डालने की बजाय धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयान का संसद के आगामी मानसून सत्र में विपक्ष की एकता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को केरल में कहा था कि वह आरएसएस और सीपीआई (एम) से वैचारिक रूप से लड़ते हैं। उनमें लोगों के प्रति संवेदना की कमी है। राहुल गांधी के बयान पर राज्यसभा में माकपा सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि यह हास्यास्पद और निरर्थक है। राहुल गांधी जब भी केरल जाते हैं, तो ऐसी बकवास बातें बोलने की उनकी प्रवृत्ति हो जाती है। मुझे लगता है कि इसके लिए केरल कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है।

इटेला राजेंद्र ने बंडी संजय पर किया पलटवार

> 'साजिशों' से लड़ने की खाई कसम

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र और बंडी संजय के बीच अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। मलकाजगिरी से सांसद राजेंद्र ने कहा है कि वह सड़क पर झगड़े की बजाय सीधी राजनीतिक लड़ाई लड़ना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके और उनके समर्थकों के खिलाफ रची जा रही सभी साजिशों को नाकाम कर दिया जाएगा। राजेंद्र ने शनिवार को शमीरपेट में एक बैठक में अपने समर्थकों से कहा कि मैं हुज़ूराबाद आऊँगा और यह सुनिश्चित करूँगा कि हमारे सभी नेताओं को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए टिकट मिले। हमें कोई नहीं रोक सकता। दोनों सांसदों (जो कि पिछड़ी जाति समुदाय से हैं) के बीच मतभेद कई सप्ताह से चल रहा है, तथा राजेंद्र के समर्थकों का आरोप है कि पार्टी में उन्हें दरकिनार किया जा रहा है।

करीमनगर के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय द्वारा शुक्रवार को हुजुराबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान यह घोषणा करने के बाद तनाव बढ़ गया कि भाजपा में समूह की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संजय ने कहा था कि किसी व्यक्ति के लिए काम करने वाले किसी भी नेता या कार्यकर्ता को पार्टी में प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। राजेंद्र ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संजय पर परोक्ष हमला बोला और उन्हें अपने तौर-तरीके सुधारने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल मुझे बदनाम करने और हुज़ूराबाद के कार्यकर्ताओं को भड़काने के लिए किया जा रहा है। इन सभी घटिया हथकंडों का पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के सामने पर्दाफाश किया जाएगा।

राजेंद्र ने ज़ोर देकर कहा कि पूर्ववर्ती करीमनगर के लोग उनकी राजनीतिक ताकत और प्रतिबद्धता से अच्छी तरह वाकिफ़ हैं। उन्होंने कहा कि हुज़ूराबाद अपने त्याग, साहस और दृढ़ संकल्प के लिए जाना जाता है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि मज़बूत व्यक्तिगत नेताओं के उभरने के बिना कोई भी पार्टी फल-फूल नहीं सकती। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि मैं हुज़ूराबाद में हमारे नेताओं की मुश्किलों से वाकिफ़ हूँ। क्या हुज़ूराबाद में पहले भाजपा का कोई कार्यकर्ता था? मेरे पार्टी में शामिल होने के बाद ही भाजपा को करीमनगर में 50,000 वोटों का बहुमत मिला था। अपने समर्थकों से हिम्मत न हारने की अपील करते हुए राजेंद्र ने कहा कि उन्हें किसी की दया पर जीने की ज़रूरत नहीं है।

महुआ का मोदी पर तंज-मां काली ढोकला नहीं खातीं

> कहा-बंगाली वोटों के लिए आह्वान में देर हो गई

> दुर्गापुर रैली में पीएम ने जयकारा लगाया था

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए लिखा है कि बंगाली वोटों के लिए मां काली का आह्वान करने में थोड़ी देर हो गई। वे ढोकला नहीं खातीं, न कभी खाएंगी। यह बयान शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में हुई पीएम मोदी की रैली के एक दिन बाद आया है।

दरअसल पीएम ने रैली के दौरान मां काली और दुर्गा के नाम का जयकारा लगाया था। महुआ ने एक्स पर इसी जयकारे को निशाना बनाया है। ऐसा इसलिए क्योंकि पीएम मोदी गुजरात से हैं, और ढोकला वहां की मशहूर डिश है। जबकि मां काली और दुर्गा, बांग्ला संस्कृति की प्रतीक हैं।

मोदी बंगाल में बोले-घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा था- बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है। पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलीपुरद्वार और कूच बिहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।

गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की आय 223 प्रतिशत बढ़ी

> *गुजरात की 5 पार्टियों को 2316 करोड़ मिले*

> *2022-23 के आंकड़ों पर एडीआर की रिपोर्ट*

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश में नाममात्र के वोट पाने वाली रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों (आरयूपीपी) की आय 2022-23 में 223 प्रतिशत बढ़ गई। यह जानकारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2764 गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। इनमें से 73 प्रतिशत से ज्यादा (2025) ने अपना फाइनेंशियल रिकॉर्ड सार्वजनिक ही नहीं किया है। बाकी 739 रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों ने अपना रिकॉर्ड साझा किया है। रिपोर्ट में इन्हीं पार्टियों का एनालिसिस किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि गुजरात की ऐसी 5 पार्टियों की कुल आय 2316 करोड़ रही। इनमें एक साल की आमदनी 1158 करोड़ थी। जबकि बीते 5 सालों में हुए 3 चुनावों में इन्हें सिर्फ 22 हजार वोट मिले। इन पांचों दलों ने 2019 से 2024 के बीच दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में कुल 17 उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन कोई जीत नहीं सका। इनमें से चार दल 2018 के बाद रजिस्टर्ड हुए हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) है, जो भारत में चुनावी और राजनीतिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसकी स्थापना वर्ष 1999 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के कुछ प्रोफेसरों और पूर्व छात्रों द्वारा की गई थी। एडीआर का उद्देश्य भारतीय लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जिम्मेदार बनाना है। यह खास तौर पर राजनीतिक दलों और नेताओं की पृष्ठभूमि, आय-व्यय और आपराधिक रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने का कार्य करता है।

हिमंत बिस्व सरमा ने कहा-हमारी लड़ाई घुसपैठ के खिलाफ है

गुवाहाटी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। यह विवाद असम में कथित घुसपैठ, भाषायी पहचान और एनआरसी जैसे मुद्दों को लेकर है। शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए हिमंत बिस्व सरमा ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हम अपने ही लोगों से नहीं लड़ रहे हैं।

हमारी लड़ाई सीमा पार से हो रही घुसपैठ के खिलाफ है, जो असम की जनसंख्या संतुलन को बिगाड़ रही है। कई जिलों में हिंदू अब अपने ही घर में अल्पसंख्यक बनते जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि, यह कोई राजनीतिक बयान नहीं, हकीकत है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे बाहरी आक्रमण माना है। लेकिन जब हम अपनी संस्कृति और पहचान की रक्षा करने की कोशिश करते हैं, तो कुछ लोग इसे राजनीति बना देते हैं।

पंजाब में आप को झटका : खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। मान ने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से स्पीकर को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

2020 में हुई थी पार्टी में शामिल :

अनमोल गगन मान पंजाब सरकार में पर्यटन मंत्री रह चुकी हैं। अनमोल गगन मान का पंजाबी गायिका से मंत्री तक का सफर काफी दिलचस्प है। उन्होंने साल 2020 में आम आदमी पार्टी ज्वाइन की थी। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के प्रत्यशी रणजीत सिंह गिल को करीब 37718 मतों से हराया था। 2022 विधानसभा चुनाव में जीतने वालीं वह सबसे युवा नेताओं में से एक हैं। अनमोल गगन मान ने पार्टी का कैंपेन गीत भी तैयार किया था।

मॉडलिंग और गायकी में कमाया था नाम :

अनमोल गगन मान का जन्म 1990 में मानसा में हुआ था। उनकी पढ़ाई-लिखाई चंडीगढ़ से हुई। इसके बाद उन्होंने पहले मॉडलिंग फिर गायकी में अपना करियर बनाया। पिछले साल जून में एडवोकेट शाहबाज सोही के साथ उनकी शादी हुई थीं।

उत्तराखंड में भूकंप अफगानिस्तान, म्यांमार और तिब्बत में भी हिली धरती

चमोली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.3 मापी गई है। इसकी गहराई 10 किलोमीटर तक थी। इसके अलावा अफगानिस्तान, म्यांमार और तिब्बत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। अफगानिस्तान में 4.2 और 4.0 की तीव्रता का भूकंप आया है। इसकी गहराई क्रमशः 190 किलोमीटर और 125 किलोमीटर रही है। वहीं तिब्बत में 3.6 की तीव्रता का भूकंप आया है, इसकी गहराई 10 किलोमीटर रही है। म्यांमार में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई है और इसकी गहराई 105 किलोमीटर रही है।

मकोका मामलों पर शीर्ष अदालत सख्त

एससी ने पूछा- क्यों नहीं बने विशेष कोर्ट? पार्षद हत्या केस में तय की डेडलाइन

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि जब आप विशेष कानून बना रहे हैं तो उनके लिए विशेष अदालतें और ढांचा क्यों नहीं बना रहे? कोर्ट ने 2017 में भिवंडी के कांग्रेस पार्षद मनोज मातरे की हत्या से जुड़े केस में सुनवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने साफ कहा कि अगर सुनवाई समय पर पूरी नहीं होती, तो आरोपी को जमानत मिल सकती है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वकील से पूछा कि राज्य में अब तक महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) जैसे कानूनों के तहत मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें क्यों नहीं बनाई गईं।

कोर्ट ने कहा कि अगर आप स्पेशल स्टेच्यूट बना रहे हैं, तो स्पेशल ट्रायल का ढांचा भी बनाना होगा। कोर्ट ने यह भी पूछा कि जेल में बंद गैंगस्टर्स को कार्रवाई से क्यों बचाया जा रहा है।

भिवंडी हत्या मामले में आठ साल से जेल में आरोपी

यह मामला 2017 में भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के तीन बार पार्षद रहे कांग्रेस नेता मनोज मातरे की हत्या से जुड़ा है। हत्या के मामले में मुख्य साजिशकर्ता माने जा रहे प्रशांत भास्कर मातरे पिछले आठ वर्षों से जेल में हैं और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस और ट्रायल कोर्ट से सवाल किए।

सुप्रीम कोर्ट ने तय की सुनवाई की डेडलाइन

कोर्ट ने आदेश दिया कि इस केस की सुनवाई जनवरी 2026 तक पूरी की जाए। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिए गए हैं कि वह हर महीने दो बार इस केस की सुनवाई करे। कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकीलों को भी निर्देश दिया कि वे सहयोग करें और बिना कारण के स्थगन की मांग न करें।

गवाहों की संख्या पर भी जताई चिंता

कोर्ट ने मामले में 200 गवाहों की लंबी सूची पर भी चिंता जताई और महाराष्ट्र पुलिस से कहा कि वह केवल अहम गवाहों की पहचान कर उन्हें ही कोर्ट में पेश करे।

कोर्ट ने यह टिप्पणी भी की कि आजकल लोग सच के लिए खड़े नहीं होते, इसलिए, बहुत से गवाह मुकर जाते हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया प्रभावित होती है।

अब तक क्या हुआ है इस केस में

एफआईआर के मुताबिक, 14 फरवरी 2017 को कांग्रेस पार्षद मनोज मातरे पर दिनदहाड़े चॉपर और हथियारों से हमला किया गया था। पुलिस ने इस मामले में प्रशांत भास्कर मातरे सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य आरोपी को मुख्य साजिशकर्ता साबित करते हैं।

केजरीवाल ने जिस कांग्रेस प्रत्याशी के लिए घर-घर मांगा था वोट

अब उसने ही आप को घेरा; लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आप सांसद संजय सिंह के बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने पलटवार करते हुए कहा कि आप का जन्म भाजपा और आरएसएस की वजह से हुआ। अन्ना हजारे एक व्यक्ति थे और अरविंद केजरीवाल का एक एनजीओ था। लेकिन पर्दे के पीछे से ताकत देने वालों में भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी शामिल थे। भाजपा ने उन्हें एक सजाया-संवारा आंदोलन और मंच दिया और इस तरह उनका (आप) जन्म हुआ। उनकी (आप) विचारधारा भाजपा और आरएसएस की है। अरविंद केजरीवाल दलित विरोधी हैं और सामाजिक न्याय के भी खिलाफ हैं। हमारी विचारधाराएं मेल नहीं खातीं, लेकिन संविधान बचाने के लिए हम साथ आए। अब यह उन पर निर्भर है कि वे गठबंधन छोड़ना चाहते हैं या नहीं। वे फिर से बाहर से भाजपा की मदद कर सकते हैं। वे भविष्य में फिर से भारत गठबंधन में शामिल हो सकते हैं, लेकिन उनके हटने का मतलब यह नहीं है कि भारत गठबंधन कमजोर हो गया है। बता दें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट से कांग्रेस उम्मीदवार उदित राज के लिए, जनता से वोट देने की अपील की थी।

ईडी, सीबीआई और एनआईए एक दूसरे से कैसे अलग

क्या है तीनों की जांच का तरीका और अधिकार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) तीन प्रमुख केंद्रीय जांच एजेंसियां हैं, जो विभिन्न प्रकार के अपराधों की जांच करती हैं। हालांकि, इनका कार्यक्षेत्र, अधिकार और केस आवंटन की प्रक्रिया एक-दूसरे से काफी अलग होती है।

इन सभी एजेंसियों को एक्शन लेने के लिए भी अपने अधिकार में आने वाले डिपार्टमेंट से इजाजत लेनी पड़ती है।

ईडी कैसे काम करती है?

ईडी की स्थापना 1 मई, 1956 को हुई और इसके एक साल बाद 1957 में इसका नाम 'प्रवर्तन निदेशालय' रखा गया। यह आर्थिक अपराधों और विदेशी मुद्रा उल्लंघन से संबंधित मामलों की जांच करने के लिए बनाया गया है। इसके अधिकारों की बात करें तो ईडी स्वतः संज्ञान नहीं ले सकती है। इसके लिए इसको सीबीआई या राज्य पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर केस दर्ज करना होता है। यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है। इसका मुख्य ऑफिस दिल्ली में है। वहीं, कई राज्यों में भी क्षेत्रीय ऑफिस मौजूद हैं।

सीबीआई किन मामलों की करती है जांच?

सीबीआई की स्थापना 1941 में विशेष पुलिस स्थापना के रूप में हुई थी। उस समय यह एजेंसी भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराध और गंभीर अपराधों की जांच किया करती थी। इसके अलावा ये इंटरपोल के लिए भारत की नोडल एजेंसी भी है। सीबीआई को किसी राज्य में जांच करने के लिए उस राज्य की इजाजत लेनी पड़ती है। सीबीआई को अक्सर किसी भी हाई प्रोफाइल या पेचीदा मामले की जांच में शामिल किया जाता है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अधीन काम करता है।

एनआईए इन दोनों एजेंसियों से कैसे अलग?

इसी तरह एनआईए की स्थापना 2009 में हुई। मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद देश की सुरक्षा को देखते हुए इस एजेंसी को लाने की जरूरत महसूस हुई। यह एजेंसी देश में होने वाली आतंकी गतिविधियों की जांच करती है। प्रमुख काम आतंकवादी हमले से निपटना या नेशनल सिक्योरिटी से जुड़े मसले हैं। एनआईए, फिलहाल पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच कर रही है।

नीलकंठ जा रहे 28 कांवड़ियों से भरा ट्रक पलटा तीन की हालत गंभीर

ऋषिकेश, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देहरादून-ऋषिकेश मोटर मार्ग पर हादसा हो गया। नीलकंठ मंदिर जलाभिषेक के लिए जा रहे कांवड़ियों से भरा एक ट्रक सात मोड़ के समीप दुर्गा माता मंदिर के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक में चालक समेत कुल 28 कांवड़िए सवार थे।

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को 108 सेवा और सरकारी अस्पताल की एंबुलेंस से एसपीएस राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। घटना में तीन कांवड़ियों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर एम्स रेफर कर दिया गया है, जबकि बाकी को हल्की चोटें आई हैं। उनका इलाज सरकारी अस्पताल में चल रहा है।

पटना के अस्पताल में हत्या मामले में कार्रवाई

बंगाल के न्यू टाउन से पांच गिरफ्तार

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के एक अस्पताल में गैंगस्टर की हत्या के सिलसिले में कोलकाता के पास न्यू टाउन से कम से कम पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पटना पुलिस और पश्चिम बंगाल एसटीएफ की ओर से शनिवार तड़के संयुक्त रूप से की गई छापेमारी के बाद आरोपियों को महानगर के सैटेलाइट टाउनशिप स्थित एक आवासीय परिसर से गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले बिहार की राजधानी पटना स्थित पारस अस्पताल में उपचाराधीन कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस के हाथ कुछ तस्वीरें लगी थीं। अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज से कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। तस्वीरों में अपराधी बाइक पर सवार होकर हाथ में बंदूक लहराते नजर आ रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह तस्वीर शायद वारदात को अंजाम देने के बाद की है। घटना में संलिप्त मुख्य अपराधी की पहचान तौसीफ बादशाह के रूप में हुई, जो फुलवारी शरीफ का रहने वाला है। वह पेशे से कॉन्ट्रैक्ट किलर है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तौसीफ ने अपनी पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया या किसी ने उसे ऐसा करने के लिए सुपारी दी थी। इसके अलावा तौसीफ पर आर्म्स एक्ट के तहत भी मामले दर्ज हैं।

साकेत कोर्ट में बवाल : दो अधिवक्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने पर हड़ताल, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। साकेत कोर्ट में बृहस्पतिवार को पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हुई झड़प के मामले में पुलिस ने अधिवक्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसके विरोध में शनिवार को साकेत कोर्ट में हड़ताल है। इस दौरान कोर्ट परिसर के बाहर पुलिस बल को तैनात किया गया है। वहीं, अदालती काम बंद होने से वहां जा रहे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस हड़ताल का आह्वान साकेत बार एसोसिएशन द्वारा जारी एक सर्कुलर के माध्यम से किया गया। वकीलों के इस संगठन ने दिल्ली पुलिस पर भेदभावपूर्ण आचरण करने का आरोप लगाया है।

ओडिशा में फिर इंसानियत शर्मसार

पुरी में बदमाशों ने 15 साल की लड़की को आग के हवाले किया

भुवनेश्वर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी जिले में शनिवार को बदमाशों ने एक 15 साल की मासूम लड़की को आग के हवाले कर दिया। बच्ची को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने एक पोस्ट में घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं यह खबर सुनकर दुखी और स्तब्ध हूं कि पुरी जिले के बलंगा में कुछ बदमाशों ने सड़क पर एक 15 साल की लड़की पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'लड़की को तुरंत एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया है। उसके इलाज की सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इलाज का सारा खर्च सरकार वहन करेगी। पुलिस प्रशासन को दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।' प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बयाबार गांव में तीन बदमाशों ने लड़की को उस समय आग लगा दी, जब वह अपने दोस्त के घर जा रही थी। घटना के बाद वे मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस गांव पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुरी की डीएम चंचल राणा ने कहा, 'हमें नीमापाड़ा ब्लॉक के बलंदा पुलिस थाने में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिली। यहां एक 16 वर्षीय लड़की को आग लगा दी गई। वह बुरी तरह जल गई है। हमने एम्स से संपर्क किया और उसके लिए आपातकालीन देखभाल की व्यवस्था की गई है। पुलिस और जिला प्रशासन ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।

पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- भावनात्मक रूप से गलत

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केंद्र सरकार और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर हमला बोलते हुए सवाल उठाया है कि जब तक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर कोई कार्रवाई नहीं होती, तब तक उससे किसी भी तरह के रिश्ते खासकर क्रिकेट जैसे भावनात्मक खेल को फिर से शुरू करना नैतिक रूप से गलत है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी बात रखते हुए लिखा, बिलकुल शर्मनाक! हैलो भारत सरकार, पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी, ये कहां गया? उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब तक पहलगाम हमले के पीछे जिम्मेदार आतंकियों को पकड़ा नहीं गया है, तब तक किसी भी तरह की खेल कूटनीति न केवल शहीदों के परिवारों के साथ विश्वासघात है बल्कि इससे देश की भावनाओं को भी ठेस पहुंचेगी।

जो पैसा आप लेंगे, वो खून से सना होगा- प्रियंका

उन्होंने साफ कहा कि "अगर और कुछ नहीं तो कम से कम उन परिवारों के बारे में सोचिए जिन्होंने आतंकवादी हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया।" चतुर्वेदी ने बीसीसीआई और आईसीसी को टैग करते हुए लिखा, "जो पैसा आप लेंगे, वो खून से सना होगा और आपकी नैतिक दिवालियापन को दिखाता है।"

गौरतलब है कि पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में कई निर्दोष नागरिकों की जान गई थी, जिसने देशभर में आक्रोश फैलाया। इस हमले के बाद से पाकिस्तान को लेकर जनता और राजनीतिक दलों की भावनाएं बेहद संवेदनशील हो गई हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी का बयान इस बात को रेखांकित करता है कि सिर्फ कूटनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने क्रिकेट जैसे खेल को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र की गरिमा और संवेदनाओं से जुड़ा हुआ बताया। इस बीच बीसीसीआई और आईसीसी की ओर से अभी तक प्रियंका चतुर्वेदी के बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिक्रम मजीठिया फिर जांच एजेंसियों के निशाने पर

चंडीगढ़-मोहाली में विजिलेंस और एसआईटी ने दी दबिश

चंडीगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया एक बार फिर जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) और विजिलेंस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में मजीठिया के चंडीगढ़ स्थित कई ठिकानों पर शनिवार सुबह से छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार दिल्ली स्थित एक हाई-प्रोफाइल संपत्ति सैनिक फार्म में भी विजिलेंस की टीम रेड कर रही है। बताया जा रहा है कि यह संपत्ति बिक्रम मजीठिया की बेनामी संपत्तियों की सूची में शामिल है, जिसकी कीमत करीब 150 से 200 करोड़ रुपये आंकी गई है। छापेमारी के दौरान टेक्निकल टीम भी मौके पर मौजूद है ताकि डिजिटल सबूत और दस्तावेजों को जब्त किया जा सके। इसके अलावा, मजीठिया और उनके परिवार से जुड़ी कंपनियों की भी गहन जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इन शेल कंपनियों के जरिए नशा तस्करी से जुड़ा पैसा (ड्रग मनी) घुमाया गया था।

विजिलेंस की यह कार्रवाई गवाहों के बयानों के आधार पर की जा रही है और इसका मकसद ड्रग्स से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क को उजागर करना है। फिलहाल, अधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। जांच एजेंसियों की यह रेड पंजाब की सियासत में एक बार फिर हलचल मचा सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में एक सप्ताह तक छाए रहेंगे बादल, हल्की बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में मॉनसून के कारण देश के अलग-अलग राज्यों में जोरदार बारिश देखने को मिल रही है। इसके अलावा कई राज्यों में भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही बारिश के कारण कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर बह रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि आज दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, यूपी, बिहार, हरियाणा-पंजाब समेत हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में अगले एक सप्ताह आकाश में बादल छाए रहेंगे और रुक-रुककर हल्की बारिश होने की आशंका है।

मॉनसून सीजन में लगातार हो ही बारिश के कारण देश के कई राज्यों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इन राज्यों में असम, मेघालय, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, कर्नाटक, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और गुजरात शामिल हैं। बता दें कि मॉनसून की लगातार हो रही बारिश और बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हिमाचल प्रदेश है। राज्य में अब तक बाढ़ और भारी बारिश के कारण 105 लोगों की जान जा चुकी है।

कई राज्यों में मॉनसून के इस सीजन में आकाशीय बिजली गिरने और पहाड़ों पर बादल फटने तथा भूस्खलन का खतरा बना रहेगा। मौसम विभाग की मानें तो उत्तर प्रदेश और बिहार में आकाशीय बिजली गिरने का खतरा बना हुआ है। वहीं गोवा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और झारखंड में नदियां भारी बारिश के कारण उफान पर रहेंगी। इसके अलावा अगले 24 घंटे के भीतर असम, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भयंकर बारिश की संभावना बनी हुई है।

झारखंड, राजस्थान, लद्दाख जैसे कई राज्यों में जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है। वहीं कई अन्य राज्यों खासकर पूर्वोत्तर और दक्षिणी भागों में बारिश की भारी कमी का लोग सामना कर रहे हैं। झारखंड की अगर बात करें तो झारखंड में कुल 595.8 मिमी बारिश हुई है, जो कि सामान्य से 71 फीसदी अधिक है। वहीं राजस्थान में 271.9 मिमी बारिश के साथ राजस्थान में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। गुजरात में 388 मिमी वर्षा प्राप्त की, जो सामान्य से 64 प्रतिशत अधिक है। बता दें कि कई राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में सामान्य वर्षा देखने को मिली है। इसका मतलब है कि यह वर्षा सामान्य सीमा के 19 फीसदी के भीतर या उससे नीचे थी। इसमें उत्तर

'राज ठाकरे और मनसे के कार्यकर्ताओं पर हो एफआईआर'

सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिका; भाषा-आधारित नफरत फैलाने का आरोप

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे अपने भड़काऊ बयानों को लेकर घिरे हुए हैं। इस बीच हिंदी भाषी लोगों के खिलाफ हिंसा भड़काने और भाषा-आधारित घृणा फैलाने के आरोप में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में राज ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। यह याचिका वकील घनश्याम उपाध्याय ने दायर की है। दरअसल, महाराष्ट्र में 'मराठी बनाम हिंदी' विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसे लेकर सबसे ज्यादा चर्चा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे की हो रही है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि अगर किसी ने यहां मराठी का अपमान किया तो उसके गाल और हमारे हाथ की 'युति' जरूर होकर रहेगी।

'अगर मस्ती करोगे तो महाराष्ट्र स्टाइल में समझ देंगे'

राज ठाकरे ने आगे कहा था, 'मुंबई के मीरा रोड में जो कुछ हुआ, जिसे पीटा गया, वो सही हुआ। उसे महाराष्ट्र स्टाइल में जवाब दिया गया। महाराष्ट्र में रह रहे हो, शांति से रहो, मराठी सीखो। हमारा तुमसे कोई झगड़ा नहीं है, लेकिन अगर मस्ती करोगे तो महाराष्ट्र स्टाइल में समझ देंगे।'

'हिंदी मुझ पर थोपी नहीं जा सकती'

राज ठाकरे ने कहा था कि महाराष्ट्र में जितने भी नेता हैं, उन सबसे अच्छी हिंदी मेरी है। मैं यहां कोई भाषा विवाद करने नहीं आया हूं। सतर्क रहिए, आपके साथ कुछ भी हो सकता है। मैं हिंदू हूं, लेकिन हिंदी मुझ पर थोपी नहीं जा सकती। इस प्रांत पर किसी का अधिकार है तो वह हमारा है।

'जल्द से जल्द मराठी बोलना सीख लो'

महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा था कि तुम्हारी सरकार लोकसभा और विधानसभा में रहेगी, हमारी सरकार रास्ते पर रहेगी। अगर किसी ने मराठी भाषा की इज्जत नहीं की तो उसके हम गाल और हाथ दोनों लाल करेंगे। यहां जो गैर मराठी लोग रहते हैं, उनको यही बोलूंगा कि जल्द से जल्द मराठी बोलना सीख लो। आप कहीं भी जाएं, चाहे रिक्शा, ऑफिस या दुकान हमेशा मराठी में ही बात करिए।

दिन-प्रतिदिन पुष्पा बनते जा रहे गांजा तस्कर

अनोखे तरीके से कर रहे स्मगलिंग पुलिस ने आखिर पकड़ ही लिया

नागपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गांजा तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए अब नए-नए हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए हैं। बावजूद इसके पुलिस की नजरों से वह बच नहीं पा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नागपुर में उजागर हुआ है। यहां हैदराबाद भंडारा रोड से गांजे की खेप लेकर निकले एक ट्रक को नागपुर की अपराध शाखा की यूनिट ने पकड़ लिया।

अंतराज्यीय स्तर पर गांजा की तस्करी का पर्दाफाश नागपुर की क्राइम ब्रांच ने किया है। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए ट्रक के नीचे गई गई रैक ट्रे में गांजा छुपाया था और इसके ऊपर ट्रक में फल और सब्जी की खाली कैरेट रखे गए थे। आरोपी किस तरह ट्रक में गांजा की तस्करी करते हैं, कैसे वह गांजे को रखते हैं और कैसे गांजे को ट्रक की रैक में सेट करते हैं। इसका डेमो जब पुलिस ने देखा तो वो भी दंग रह गए

गांजा तस्करों ने ट्रक के पीछे ट्रंक के वेस में बने रेक में गांजे को रखा था और फिर उसके ऊपर फलों के कैरेट को रख दिया था। इसे देखकर ऐसा लग रहा था मानों ट्रक में फल लोड किए गए हों। क्राइम ब्रांच की टीम पार्टी धामना क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को यह सूचना मिली की ओडिशा से ट्रक में मादक पदार्थ की तस्करी होने वाली है। सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी की और ट्रक को भंडारा हैदराबाद हाईवे सर्विस रोड पर रोक लिया। ट्रंक की जब जांच की गई तो ट्रक के पीछे वाले से बेस के नीचे 5-6 लंबे-लंबे ट्रे निकले, जिसमें से पुलिस ने 110 किलो गांजा बरामद किया और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इसकी जांच शुरू कर दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: कमाई कम या ज्यादा हो सकती है, लेकिन हर घर में रोटी का साइज एक ही है..!!

हैदराबाद में रहने वाले राजस्थानी समुदाय का सपना हुआ पूरा : रेल मंत्री

केंद्रीय मंत्रियों ने हैराबाद (काचीगुडा)- जोधपुर (भगत की कोठी) एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को काचीगुडा रेलवे स्टेशन से विधान परिषद सदस्यों, विधान सभा सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में हैदराबाद (काचीगुडा) से जोधपुर (भगत की कोठी) के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर दमरे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हैदराबाद से जोधपुर के लिए एक दैनिक ट्रेन हैदराबाद में रहने वाले राजस्थानी समुदाय का लंबे समय से एक सपना रहा है। उन्होंने कहा कि पहले, बाधाओं के कारण यह ट्रेन शुरू नहीं हो सकी थी, हालांकि, प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, देश भर में रेल बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, चाहे वह नई पटरियां बिछाना हो, नए रेलवे स्टेशनों का निर्माण हो, जिससे क्षमता में वृद्धि हुई है और हैदराबाद से जोधपुर के लिए इस सीधी दैनिक सेवा को चलाना संभव हुआ है। जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के निर्देशन और मार्गदर्शन में, हैदराबाद से जोधपुर के लिए दैनिक ट्रेन का राजस्थानी समुदाय का लंबे समय से लंबित सपना पूरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, तेलंगाना राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना के 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से बेगमपेट, वारंगल और करीमनगर अमृत स्टेशनों का हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि तेलंगाना का 100 प्रतिशत रेल नेटवर्क विद्युतीकृत है। उन्होंने बताया कि नए चेरलापल्ली स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है और हाल ही में इसका उद्घाटन भी किया गया है। उन्होंने बताया कि सिकंदराबाद पुनर्विकास कार्य 720 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया है और यह परियोजना अगले वर्ष पूरी हो जाएगी। इससे पहले, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया।

यह नई दैनिक ट्रेन आरक्षित और अनारक्षित दोनों वर्गों के लोगों की ज़रूरतों को पूरा करती है और हैदराबाद तथा आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मध्य और उत्तर-पश्चिमी राज्यों के लोगों को अपने गृह नगरों की यात्रा करने में काफ़ी लाभ पहुंचाएगी। यह व्यापारियों, छात्रों, नियमित यात्रा और छुट्टियों में विशेष यात्राओं पर जाने वाले कर्मचारियों के लिए भी लाभदायक होगी और व्यापार एवं वाणिज्य के अवसरों को बढ़ाने के अलावा पर्यटन और तीर्थयात्रा को भी बढ़ावा देगी। ट्रेन संख्या 17605 काचीगुडा- भगत की कोठी की नियमित दैनिक सेवा 20 जुलाई 2025 से और ट्रेन संख्या 17606 भगत की कोठी-काचीगुडा की नियमित दैनिक सेवा 22 जुलाई 2025 से शुरू होगी।

तलसानी ने मलकाजगिरि में हमलों पर सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सनत नगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज राज्य सरकार से सवाल किया कि क्या लोकतंत्र का मतलब विपक्षी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले करना है। मलकाजगिरि के बीसी नेता (जिन पर हाल ही में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने हमला किया था) ने शनिवार को मल्काजगिरि में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बात की। इससे पहले, तलसानी श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में, विधान परिषद में विपक्षी नेता मधुसूदनचारी, एमएलसी दासोजू श्रवण, विधायक पद्मराव गौड़, मुता गोपाल, कालेरू वेंकटेश, राज्यसभा सदस्य वद्दीराजू रविचंद्र और अन्य बीसी नेताओं ने पीड़ितों चिन्ना यादव, जगदीश गौड़, राधाकृष्ण यादव, वेंकैया, रामुलु यादव के आवासों का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए, तलसानी श्रीनिवास यादव ने पूछा कि क्या राज्य में कानून-व्यवस्था है। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोगों को आतंकित रहते हुए त्योहार मनाने चाहिए या नहीं? उन्होंने कहा कि अलवाल में आयोजित बोनालू चेक वितरण के आधिकारिक कार्यक्रम में प्रोटोकॉल का पालन न करना सही तरीका नहीं था। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से पूछा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा किए गए हमलों से वह लोगों को क्या संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी पार्टी के लोगों पर हमला करना और फिर पीड़ितों के खिलाफ मामला दर्ज करना कितना उचित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को याद रखना चाहिए कि सत्ता स्थायी नहीं होती।

विशेषज्ञ समिति ने जाति जनगणना को वैज्ञानिक और विश्वसनीय बताया

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को सौंपी अपनी रिपोर्ट

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा राज्य में हुई जाति जनगणना का अध्ययन करने के लिए नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। एमसीएचआरडी में आयोजित एक बैठक में, स्वतंत्र विशेषज्ञ कार्य समूह, न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता में विशेषज्ञों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर, उत्तम कुमार रेड्डी, अदलुरी लक्ष्मण, सीतक्का, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सांसद मल्लू रवि, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, सीएमओ के प्रमुख सचिव वी. शेषाद्रि, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव ई. श्रीधर, आदिवासी कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव ए. सारथ और अन्य ने बैठक में भाग लिया।

इस अवसर पर कार्य समूह के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी, उपाध्यक्ष प्रोफेसर कांचे अयिलैया, सदस्य प्रोफेसर शांता सिन्हा, प्रोफेसर हिमांशु, डॉ. सुखदेव थोरात, निखिल डे, प्रोफेसर भंग्या भुक्या, प्रोफेसर पुरुषोत्तम रेड्डी, प्रोफेसर ज्यां द्रेज़, प्रोफेसर थॉमस पिकेटी, प्रवीण चक्रवर्ती, सचिव अनुदीप दुरीसेट्टी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

विशेषज्ञ समिति का मानना है कि राज्य सरकार का सर्वेक्षण वैज्ञानिक, प्रामाणिक और विश्वसनीय है। विशेषज्ञ समिति का मानना है कि तेलंगाना द्वारा किया गया सर्वेक्षण ऐतिहासिक है और देश के लिए एक आदर्श बनेगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बिंदुओं और सुझावों पर कैबिनेट में चर्चा करेगी और आगे की कार्रवाई करेगी।

राज्य सरकार ने सामाजिक न्याय और सभी समुदायों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से देश में पहली बार सामाजिक, आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण कराया था। पहले चरण में, 6 नवंबर से 25 दिसंबर, 2024 तक 50 दिनों तक पूरे राज्य में सर्वेक्षण किया गया। राज्य की संपूर्ण जनसंख्या की जानकारी एकत्र करने के लिए, प्रत्येक ज़िले में 150 परिवारों को एक ब्लॉक के रूप में चुना गया। प्रत्येक ब्लॉक के लिए एक प्रगणक और प्रत्येक 10 प्रगणकों के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। राज्य भर में 1,03,889 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के साथ एक वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया गया। पहले चरण में, राज्य के 96.9 प्रतिशत परिवारों का सर्वेक्षण किया गया और 36 दिनों में उन परिवारों का विवरण दर्ज किया गया।

चूंकि पहले चरण में जिन परिवारों ने अपने मकान सूचीबद्ध किए थे, उन्होंने किन्हीं अन्य कारणों से सर्वेक्षण में अपना विवरण दर्ज नहीं किया था, इसलिए उन्हें 16 से 28 फरवरी तक दूसरे चरण में अपना विवरण दर्ज करने का अवसर दिया गया।

उन्होंने मी सेवा केंद्रों, जीएचएमसी, एमपीडीओ कार्यालयों और वेबसाइट के माध्यम से अपना विवरण दर्ज कराया। इस सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, राज्य में 1,15,71,457 परिवार हैं। 1,12,36,849 (97.10 प्रतिशत) परिवारों के 3,55,50,759 लोगों ने इस सर्वेक्षण में अपना विवरण दर्ज कराया है। इस व्यापक जाति जनगणना सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, राज्य में 61,91,294 अनुसूचित जाति (17.42 प्रतिशत), 37,08,408 अनुसूचित जनजाति (10.43 प्रतिशत), 2,00,37,668 पिछड़ी जाति (56.36 प्रतिशत), और 56,13,389 (15.89 प्रतिशत) अन्य जातियों से संबंधित हैं। सरकार ने इस सर्वेक्षण विवरण की रिपोर्ट राज्य विधानसभा को सौंप दी है।

फर्जी कॉल सेंटर चलाने के आरोप में नौ आरोपी गिरफ्तार

भारतीय और अमेरिकी नागरिकों को बनाते थे निशाना

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी मेडचल ने साइबर अपराध, साइबराबाद के साथ मिलकर साइबराबाद के बाचुपल्ली में एक किराए के विला से चलाए जा रहे एक परिष्कृत साइबर अपराध अभियान में शामिल 9 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपी भारतीय और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर एक अवैध कॉल सेंटर चला रहे थे, और मुख्य रूप से पेपाल, गीक स्क्वाड और क्रेडिट कार्ड कंपनियों जैसे प्रतिष्ठित भुगतान प्लेटफार्मों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि बनकर अपना परिचय दे रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिम बंगाल के रहने वाले दानिश आलम, मोहम्मद साहेब अली उर्फ सोनू, मोहम्मद फहद परवेज़, मोहम्मद अमन आलम, मोहम्मद इश्तियाक अहमद, मोहम्मद मोहसिन, फरीद हुसैन, मोहम्मद शादाब आलम, मोहम्मद सोनू शामिल हैं। डीसीपी एसओटी एवं डीसीपी साइबर अपराध डी श्रीनिवास ने बताया कि कुछ आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पकड़े गए सभी आरोपी कोलकाता, पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और साइबराबाद में बस गए थे। गिरफ्तार किए गए लोगों ने कबूल किया है कि उन्हें ऊंची तनख्वाह, कमीशन और मुफ़्त आवास का लालच देकर इस धंधे में फंसाया गया था। डीसीपी ने बताया कि आरोपी बचुपल्ली के एक विला से एक फर्जी कॉल सेंटर चलाते थे। उन्हें भारत और अमेरिका में पीड़ितों से ज़ोइपर, एक्स-लाइट और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स जैसे ऐप्स का इस्तेमाल करके इनबाउंड वीओआईपी कॉल आते थे, जो दूसरी टीमों द्वारा भेजे गए फ़िशिंग ईमेल के ज़रिए ट्रिगर होते थे। पीड़ितों को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनसे धोखाधड़ी वाले लेनदेन के लिए गलत तरीके से पैसे वसूले गए हैं। उन्हें सहायता के लिए कॉल करने हेतु डाक द्वारा एक नंबर दिया जाता था। कॉल आने पर, आरोपी पहले से लिखी स्क्रिप्ट का इस्तेमाल करके अंग्रेज़ी में बात करते थे और पीड़ितों का विश्वास जीत लेते थे। पीड़ितों को नशीली दवाओं की तस्करी, नग्न तस्वीरों के लीक होने और मानव तस्करी जैसे आपराधिक मामलों के झूठे दावों की धमकी दी जाती थी, खासकर अगर वे व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से इनकार करते थे। वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को विशेष रूप से निशाना बनाया जाता था, अक्सर धमकी देकर पैसे ऐंठने के लिए कानून प्रवर्तन या न्यायिक अधिकारियों का रूप धारण करते थे। गिरोह ने अपनी धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए नकली बैंकिंग ऐप, नकली ईमेल और सोशल इंजीनियरिंग तकनीकों का भी इस्तेमाल किया। आरोपियों के पास से 22 मोबाइल फ़ोन, 10 लैपटॉप, हेडसेट जैसे कुछ और सामान, वीओआईपी कॉल सेटअप बरामद हुआ है।

पश्चिम बंगाल निवासी को 7.6 लाख रुपये के ड्रग्स के साथ पकड़ा गया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (पूर्व) की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर चिलकलगुडा में एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उसके पास से 7.6 लाख रुपये मूल्य की 50 ग्राम एम्फेटामाइन ड्रग जब्त की। पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी संदिग्ध राजिकुल हक (21) पहले हैदराबाद में राजमिस्त्री का काम करता था और अपने पैतृक स्थान लौटकर वहां काम करने लगा।

पुलिस ने बताया कि राजिकुल ने ड्रग तस्करी इसलिए शुरू की क्योंकि उसकी आमदनी उसके परिवार के खर्चों के लिए पर्याप्त नहीं थी। वह उसी ज़िले के एक ड्रग डीलर मोजीबुर मिस्त्री के संपर्क में आया, जिसने राजिकुल को यकीन दिलाया कि ड्रग तस्करी बहुत फायदेमंद है। अपनी वित्तीय संकट से उबरने के प्रयास में, राजिकुल ने 50 ग्राम एम्फेटामाइन खरीदा और उसे उपभोक्ताओं को बेचने की योजना के साथ हैदराबाद की यात्रा की।

चंदू राठौड़ की हत्या में शामिल आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकपेट पुलिस स्टेशन और दक्षिण पूर्व ज़ोन टास्क फोर्स के अधिकारियों ने 15 जुलाई को शालिवाहन नगर जीएचएमसी पार्क, मूसारामबाग में, सीपीआई राज्य परिषद सदस्य केतवत चंदू राठौड़ की हत्या में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी डोंती राजेश, श्रीनु, अर्जुन ज्ञान प्रकाश, लिंगीबेदी रामबाबू, कंदुकुरी प्रशांत को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक अन्य आरोपी फरार है। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद,एस. चैतन्य कुमार ने बताया कि राजेश उर्फ राजन्ना सीपीआई-एमएल रेड फ्लैग पार्टी से संबंधित है और तेलंगाना राज्य सचिव है, जिसने सहयोगियों येदुकोंडालू, श्रीनू उर्फ नागराजू, अर्जुन ज्ञान प्रकाश, राम बाबू, कंदुकुरु प्रशांत और अन्य के साथ आपराधिक साजिश में केतवत चंदू राठौड़ की हत्या की साजिश रची, जो सीपीआई पार्टी से राज्य परिषद सदस्य थे और चार साल से करीबी दोस्त थे। जनवरी 2022 में, राजन्ना ने केतावत चंदू राठौड़ के सहयोग से, अन्य 8000 सदस्यों के साथ, हयातनगर मंडल के कुंतलूर गांव में 100 एकड़ भूमि पर अपने अनुयायियों की 1300 झोपड़ियां बनवाईं। केतावत चंदू राठौड़ राजन्ना के अनुयायियों से 13 लाख रुपये एकत्र किए। मृतक ने पार्टी के सामने राजन्ना पर आरोप लगाया कि झोपड़ियां बनाने के लिए उसे एकत्रित धन नहीं दिया। केतवत चंदू राठौड़ द्वारा 50 लाख रुपये की वित्तीय हानि और राजनीतिक पतन के कारण धोखा महसूस कर रहा था और उससे जान को खतरा होने की आशंका थी और इसलिए राजेश उसे खत्म करने का फैसला किया। अपराध के दिन, राजेश ने अपने साथियों के साथ शालिवाहन नगर में जीएचएमसी पार्क गए, जब चंदू राठौड़ टहलने के बाद पार्क से बाहर आए, तब कंधुला प्रशांत ने चंदू राठौड़ के चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंक दिया, जबकि अर्जुन ज्ञान प्रकाश और श्रीनु उर्फ नागराजू ने पिस्तौल और रिवॉल्वर से गोलीबारी की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले के दौरान रामबाबू मृतक पर हमला करने के इरादे से चाकू पकड़े हुए था, अगर वह गोलीबारी के हमले में बच जाता, लेकिन उसने हमला नहीं किया क्योंकि उसने चंदू राठौड़ को मृत देखा था। हमलावर स्विफ्ट कार में भाग गए। जिसे आरोपी ने लॉन्ग ड्राइव कार्स, दिलसुखनगर से किराए पर लिया था। आरोपियों को नेल्लोर की ओर भागते समय कावली के पास गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, उन्होंने अपराध कबूल कर लिया और आंध्र प्रदेश में कई चोरियों और डकैतियों में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया, जिसमें वैजाग में एक बड़ी घर में चोरी भी शामिल है, जिसमें सोना और नकदी लूटी गई थी और उनके पास थी।

कुंतला मंडल में कर्ज में डूबे किसान ने कर ली आत्महत्या

निर्मल, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते कर्ज को चुकाने में असमर्थता से परेशान 49 वर्षीय किसान ने शनिवार को कुंतला मंडल केंद्र में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि कुंतला निवासी राजाराम गजेंद्र ने सुबह करीब 5 बजे अपने खेत में लगे एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। पिछले दो सालों से बार-बार फसल खराब होने के कारण वह कथित तौर पर काफी तनाव में था।

गजेंद्र ने अपनी ज़मीन और दो अन्य लोगों से लीज़ पर ली गई 11 एकड़ ज़मीन पर फ़सल उगाने के लिए लगभग 4 लाख रुपये उधार लिए थे। हालांकि, लगातार कृषि घाटे, खासकर पिछले कुछ सीज़न में, के कारण वह अपना कर्ज़ चुकाने में असमर्थ हो गया, जिससे वह आर्थिक तंगी में आ गया। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं। उनके परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार्वजनिक सूचना

मेरे ग्राहकों के निर्देशों के तहत

1। स्वर्गीय अप्पलासुरी के पुत्र धर्मान लक्ष्मीनारायण, 1-4-5/6, भारथिनगर, श्रीकाकुलम शहर, श्रीकाकुलम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य में रहते हैं

2. उनकी बेटी धर्मान लक्ष्मी सिरीशा,

1. धर्मान लक्ष्मीनारायण

प्लॉट संख्या 101 विस्तार 200 वर्ग गज, कोहेदा गांव, अब्दुल्लापुरमेट मंडल, रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना राज्य, और पेड्डा अंबरपेटा उप-रजिस्ट्रार कार्यालय 27-08-2001 को पंजीकृत पंजीकृत दस्तावेज। संख्या 7619/2001.

2.इसी प्रकार, धर्मान लक्ष्मी सिरीषा, प्लॉट संख्या 116 विस्तार 200 वर्ग गज का विस्तार, कोहेड़ा गांव, अब्दुल्लापुरमेट मंडल, रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना राज्य और पेद्दा अंबरपेटा उप-रजिस्ट्रार कार्यालय, 30-07-2004 को पंजीकृत, पंजीकृत दस्तावेज़ संख्या 8585/2004। उपरोक्त दो रजिस्टर आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम शहर और श्रीकाकुलम जिले में खो गए हैं। इस प्रयोजन के लिए, श्रीकाकुलम की दो नगर पुलिस ने एक अज्ञात प्रमाण पत्र जारी किया है। उपरोक्त दो पंजीकृत शुद्ध प्रलेखित दस्तावेज़, जैसे कि हमारे ग्राहकों की कानूनी, आपराधिक और नागरिक कार्यवाही जो सार्वजनिक और निजी संस्थानों में से कोई भी रणनीति, आलोचना करते हैं। यह भी ज्ञात है कि यदि किसी के पास कोई नखरे, परीक्षण, सार्वजनिक और निजी संस्थान हैं, तो हमें अपराधी नहीं ठहराया जाएगा

अरीकथोटा कृष्णा राजू, बी.कॉम, बीएल एडवोकेट, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश राज्य, सेलः 09030977252

पुराने शहर के इलाकों में जलभराव से सड़कें जलमग्न

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में जलभराव मुक्त इलाकों के बड़े-बड़े सरकारी दावों के बावजूद, शुक्रवार को हुई भारी बारिश ने विपरीत तस्वीर पेश की। पुराने शहर में, बारिश के दौरान और बाद में कई मुख्य सड़कें कई घंटों तक जलमग्न रहीं। चंद्रायनगुट्टा से आरामघर रोड पर स्थित बंडलागुड़ा पुलिस स्टेशन के पास भारी जलभराव हो गया। चंद्रायनगुट्टा के स्थानीय निवासी हबीब अली ने बताया, पुलिस स्टेशन के पास लोग दो घंटे तक फंसे रहे क्योंकि सड़क पर कई घंटों तक तीन फुट तक पानी जमा रहा। सड़क के बीच में बने गड्ढे के निर्माण ने भी समस्या को और बढ़ा दिया। हशमाबाद निवासी मुजाहिद आलम ने बताया, सड़क के एक तरफ से दूसरी तरफ पानी के निकास के लिए कोई रास्ता नहीं है। निकास न होने से पानी जमा हो गया और सड़क एक स्विमिंग पूल में तब्दील हो गई।

बशीर फंक्शन हॉल के पास फलकनुमा रोड पर भी हालात कुछ अलग नहीं थे। भारी जलभराव के कारण वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्ते अपनाने पड़े। ऑटो रिक्शा चालक मोहम्मद जाफ़र ने शिकायत की, सिर्फ बसें ही जलभराव वाले रास्ते से गुज़र पा रही थीं। दोपहिया वाहनों और ऑटो रिक्शा को लगभग 2 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ा।

छत्रिनाका पुलिस चौकी पर सड़क पर पानी भर गया था, जिससे चंद्रायनगुट्टा और उप्पुगुडा रेलवे स्टेशन जाने वाली मुख्य सड़क कट गई थी। उप्पुगुडा की एक छात्रा और स्थानीय निवासी के. अनीता ने शिकायत की, घर पहुंचने का कोई वैकल्पिक रास्ता न होने के कारण मैं लगभग एक घंटे तक फंसी रही। चदरघाट में एक बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में पानी घुस गया, जिससे सामान खराब हो गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद सरवर ने बताया, जब भी बारिश होती है, सड़क एक छोटी झील में बदल जाती है और पानी दुकानों में घुस जाता है।

सोमवार को स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर में बोनालु उत्सव रविवार को होने के कारण, राज्य सरकार ने सोमवार को सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए आधिकारिक अवकाश घोषित कर दिया है।

इसके परिणामस्वरूप, स्कूल और कॉलेज के छात्रों को रविवार और सोमवार को दो दिन की छुट्टी मिलेगी। शैक्षणिक संस्थानों के अलावा, सरकारी कार्यालय भी सोमवार को बंद रहेंगे।

इस बीच, बोनालु उत्सव पुराने शहर में, विशेष रूप से लाल दरवाजा श्री सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

घायल महिला डॉक्टर की मदद करने पर मिला सम्मान

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बारिश के दौरान, एचपीएस आउट गेट से रसूलपुरा की ओर दोपहिया वाहन पर सवार एक महिला डॉक्टर का पैर फिसला और वह सड़क पर गिर गईं। उसी समय, एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने उनके दाहिने पैर को हल्की टक्कर मार दी और मौके से भाग गया। परिणामस्वरूप, उनके दाहिने पैर में खून बहने लगा। यह घटना देखकर, ए. अशोक रेड्डी, आरएसआई, क्रेन-IV प्रभारी, यातायात बेगमपेट ने क्रेन में उपलब्ध प्राथमिक उपचार किट का उपयोग करके तुरंत प्राथमिक उपचार किया। बाद में, घायल महिला डॉक्टर को आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आरएसआई ए. अशोक रेड्डी और उनकी टीम द्वारा प्रदान की गई सराहनीय सेवा के सम्मान में, जी. शंकर राजू, एसीपी उत्तरी क्षेत्र, औ जानकी रामुलु, अतिरिक्त निरीक्षक, यातायात पी.एस. बेगमपेट ने उन्हें सम्मानित किया और उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से पुरस्कार के लिए उनकी सिफारिश की।

COURT NOTICE

IN THE COURT OF PRINCIPAL JUDGE FAMILY COURT-II, AT JAMSHEDPUR
Org. Suit - 653/2024

To,
MR. BHARATH K. PARMAR
Son of Kalyan Ji Parmar
Present and Permament Residence - N. Penta Reddy House, H.No. 29-104/A1, 1st Floor, New Vidya Nagar Colony, Neredmet- Old Police Station, P.S.-Naredmet, Hyderabad, 500025.

Whereas the above named applicant namely SONI ZALA @ SONAL B. PARMAR, Wife of Bharath K. Parmar, D/o- Late Jayanti Lal Zala, R/o- Bariyar House- 43/A, Gurudwara Basti, Sakchi, P.O. + P.S.- Sakchi, Town - Jamshedpur, Dist.- East Singhbhum, Jharkhand has instituted the present suit against you under section 13(1) (i-b) of Hindu Marriage Act.

And whereas in spite of issuance of notice you are avoiding to put your appearance in the suit.

You are hereby noticed to appear in the court in above noted suit on 12th day of August 2025 at 10.30 AM to 4.00 PM. either in person or through a lawyer duly authorized by you who will be able to answer all the claim of the applicant failing which the suit will be heard and determinated in your absence.

Given under my hand and seal of this court the 14th day of July 2025.

Additional Family Court-II,
Jamshedpur District East Singhbhum
(Jharkhand)

अखिलेश हिंदू विरोधी, कांवड़ में बवाल षड्यंत्र : भूपेंद्र

> सपा की समाज में सनातन विरोधी छवि है, हमेशा गलत बयानबाजी की

बरेली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। 'कांवड़ जैसे धार्मिक आयोजन को सपा द्वारा विवादित करने का प्रयास किया जा रहा है। कांवड़ यात्रा को लेकर जो घटनाएं हो रही हैं। हो सकता है वो एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा हो। अखिलेश यादव ने हमेशा हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को लज्जित करने का काम किया है।

उनके नेता हिंदू धर्म, धर्मगुरुओं, साधु-संत और धार्मिक किताबों के बारे में करते रहे हैं। उनका चरित्र समाज में सनातन विरोधी है, यह जग जाहिर है।' यह बात शनिवार को बरेली पहुंचे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कही। उन्होंने कहा- समाजवादी पार्टी का चरित्र हमेशा हिंदू समाज से जुड़े मुद्दों पर विवादित टिप्पणी करने वाला रहा है। चाहे हमारे धर्मगुरुओं की बात हो या हमारी आस्था व परंपराओं की।

भूपेंद्र चौधरी ने शिक्षक रजनीश गंगवार द्वारा लिखी गई विवादित कविता कांवड़ लेकर मत जाना तुम, ज्ञान का दीप जलाना को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। कहा कि किसी की धार्मिक आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहिए। एक ट्रेंड चल गया है। एक धर्म को लांछित करने का प्रयत्न सदियों से लोग करते हैं। हमारी सरकार ऐसे लोगों पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा-इंडिया गठबंधन स्वार्थी और अवसरवादी लोगों का गठबंधन है। प्रदेश की जनता इनके चरित्र के बारे में सब जानती है। नेगेटिव एंजेडा बार-बार नहीं चलता। लोकसभा चुनाव के बाद दिल्ली, हरियाणा जैसे राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में ये लोग कहीं नजर नहीं आए।

यह गठबंधन बेमेल है। इसमें कोई वैचारिक समानता नहीं है। जनता इनकी नकारात्मक राजनीति और झूठे एजेंडे को पहचान चुकी है। लोकसभा चुनाव में जनता ने इन्हें सबक सिखाया है और आने वाले समय में भी इनकी राजनीति का कोई भविष्य नहीं है। बरेली के भाजपा पार्षद आरेंद्र अरोड़ा की कुछ दिन पहले डेथ हो गई थी। भूपेंद्र चौधरी उनके घर सांत्वना देने पहुंचे थे। इससे पहले सर्किट हाउस में उन्होंने पत्रकारों से बात की। भूपेंद्र चौधरी ने कहा- उनकी सरकार (सपा) के दौरान कांवड़ यात्रा पर कई बार रोक लगाने की कोशिश की गई।

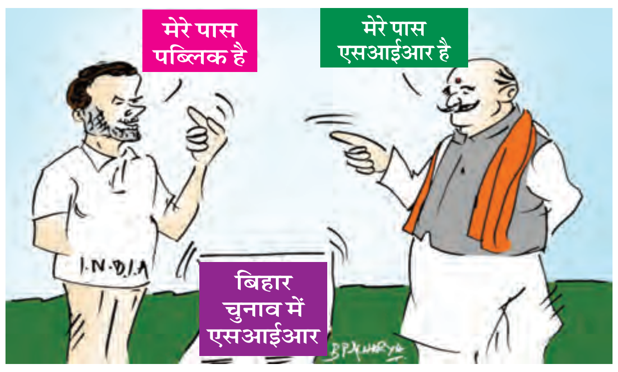

इटावा कांड-यादव कथावाचकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

इटावा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इटावा में जिन यादव कथावाचकों को ब्राह्मणों ने पीटा था, उनके खिलाफ एसीजेएम कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। मुकट सिंह यादव और संत सिंह पर जाति छिपाकर धार्मिक आयोजन में भाग लेने और दो फर्जी आधार कार्ड रखने का आरोप है।

इनकी अग्रिम जमानत की अर्जी पहले ही खारिज हो चुकी है। शुक्रवार को कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद दोनों कथावाचकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। 22 जून को ब्राह्मणों ने दोनों कथावाचकों को पीटकर उनका सिर मुंडवा दिया था। महिला के पैर पर नाक रगड़वाई थी। बाद में अखिलेश यादव ने कथावाचकों को लखनऊ बुलाकर सम्मानित किया था। कथावाचकों के गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद अखिलेश यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- न्याय व्यवस्था न्याय के लिए होती है, अन्याय के लिए नहीं।

जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर को जान से मारने की धमकी

> पाकिस्तानी नंबर से आई वॉट्सऐप कॉल
> कहा-तेरी उल्टी गिनती शुरू, 2 दिन में मरवा देंगे

अलीगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर डॉ. अन्नपूर्णा भारती को जान से मारने की धमकी मिली है। आरोपियों ने उन्हें पाकिस्तानी नंबर से वॉट्सऐप कॉल की और कहा कि तेरी उल्टी गिनती शुरू, तुझे दो दिन में मरवा देंगे। जिसके बाद उन्होंने गांधीपार्क थाने में शिकायत की है। वहीं तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और उस नंबर की भी जांच कराई जा रही है, जिससे महामंडलेश्वर को कॉल की गई थी। सर्विलांस टीमों को इस काम में लगाया गया है और महामंडलेश्वर को आश्वासन दिया गया है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। महामंडलेश्वर डॉ. अन्नपूर्णा भारती ने बताया कि शुक्रवार शाम लगभग 6:05 बजे उनके मोबाइल नंबर पर वॉट्सऐप कॉल आई थी। यह नंबर +92 से शुरू हो रहा था, जो कि पाकिस्तान का नंबर है। जब उन्होंने कॉल उठाई तो आरोपी ने कहा कि तेरी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इससे पहले वह कुछ बोल पाती, तो आरोपी ने दो दिन में जान से मारने की धमकी दे दी। जिसके बाद उन्होंने नंबर को ब्लॉक कर दिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि उन्हें पहले भी कई बार धमकी मिली है, जिस पर उन्होंने मुकदमें दर्ज कराए हैं। लेकिन अभी तक पुलिस ने से किसी मामले में आरोपी को नहीं पकड़ा है।

महात्मां गांधी के चित्र पर चलाई थी गोली

डॉ अन्नपूर्णा भारती विवादित मामलों को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने महात्मा गांधी के चित्र पर गोली चलाई थी, जिसके बाद वह चर्चाओं में आ गई थी। इस मामले में उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था। वह अखिल भारती हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव भी हैं। अक्सर हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र बनाने जैसे मामलों पर बयान देती रहती हैं। एसपी सिटी मृगांग शेखर पाठक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आंधी, बारिश और बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत, सीएम ने लिया संज्ञान

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बीते 24 घंटों के दौरान तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली के कहर ने जनजीवन को प्रभावित किया है। राज्य में डूबने से 9 लोगों की और सर्पदंश से एक व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है। हालात को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित जनपदों के अधिकारियों को राहत कार्यों को तत्काल और प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार चित्रकूट में डूबने से पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि बिजनौर में तीन लोग मरे हैं। वहीं, महोबा में एक की डूबने से मौत हो गई है और प्रयागराज में सर्पदंश से एक की मौत हुई है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर सर्वेक्षण करें और राहत कार्यों की निगरानी करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जनहानि या पशुहानि की स्थिति में प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई जाए और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश या जलभराव की स्थिति में त्वरित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, जिला और तहसील स्तर पर अधिकारियों को सक्रियता बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। प्राकृतिक आपदा के इस दौर में राज्य सरकार राहत कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने की दिशा में काम कर रही है। प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है और आपदा प्रबंधन इकाइयों को भी सक्रिय कर दिया गया है।

मंत्री को बांके बिहारी के दर्शन नहीं करने दिए

एके शर्मा के पहुंचते ही पर्दा लगाया, महिलाओं ने घेरा, कहा-वापस जाओ

मथुरा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मथुरा में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को महिलाओं ने घेर लिया। वह शनिवार को वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन करने पहुंचे थे। बांके बिहार कॉरिडोर का विरोध कर रही महिलाएं काली पट्टी बांधकर मंदिर पहुंच गईं। जमकर नारेबाजी करने लगीं। एके शर्मा दर्शन के लिए जैसे ही बांके बिहारी के सामने खड़े हुए सेवायतों ने तुरंत पर्दा लगा दिया। उनको प्रसाद तक नहीं दिया, न ही पटका पहनाया। कॉरिडोर और न्यास को लेकर मंदिर के गोस्वामी ने भी एके शर्मा का विरोध किया। महिलाएं ऊर्जा मंत्री को कॉरिडोर निर्माण के विरोध का ज्ञापन देने के लिए खड़ी थीं।

शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा ने दी जान, सुसाइड नोट में दो शिक्षकों पर प्रताड़ना का आरोप; छात्रों में आक्रोश

ग्रेटर नोएडा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में शनिवार देर रात बीडीएस सेकंड ईयर की छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रा के परिजन भी मौके पर पहुंचे। इस घटना को लेकर छात्रों में आक्रोश है। छात्रा के कमरे से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने विश्वविद्यालय के डेंटल डिपार्टमेंट की एक महिला और एक पुरुष शिक्षक पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। मृतका विश्वविद्यालय में बीडीएस सेकंड ईयर की छात्रा थी और हाल ही में वह मानसिक दबाव में नजर आ रही थी। छात्रा की आत्महत्या की खबर फैलते ही हॉस्टल में हड़कंप मच गया। नाराज छात्रों ने देर रात हॉस्टल परिसर में जोरदार हंगामा किया और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

दो के खिलाफ मामला दर्ज

सुबह के समय छात्रों ने प्रदर्शन किया था। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह से उन्हें समझाया। विरोध करने वाले छात्रों के साथ पुलिस की नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने मामले में परिजन की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। दो प्रोफेसर को हिरासत में लिया है। छात्रों की मांग है कि प्रोफेसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कांवड़ियों से कार टकराई, फिर लाठियों से बरसी नाराजगी

सहारनपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद के सरसावा क्षेत्र के शाहजहांपुर में कांवड़ शिविर के बाहर उस समय हंगामा हो गया जब कांवड़ यात्रा के दौरान एक कार की टक्कर पैदल चल रहे एक शिवभक्त से हो गई। टक्कर के बाद दोनों पक्षों के कांवड़ियों में विवाद हुआ। कार में तोड़फोड़ की गई। बाद में समझौता हुआ। घटना रात करीब 10:30 बजे की है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर आ रहे कांवड़ियों की इनोवा कार पैदल चल रहे शिवभक्त की कांवड़ से टकरा गई। कांवड़ को नुकसान पहुंचने पर शिवभक्त नाराज हो गए। इसके बाद हाथों में लिए लाठी-डंडों से कार में जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस मौके पर पहुंची।

बच्ची से स्कूल वैन में ड्राइवर ने की दरिंदगी

रोते हुए मां से मासूम बोली-अंकल ने गंदी हरकत की, प्रबंधक पर भी एफआईआर

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में 4 साल की मासूम के साथ स्कूल वैन के ड्राइवर ने रेप किया। बच्ची रोते हुए घर पहुंची। मां के पूछने पर मासूम ने बताया- स्कूल से लौटते समय वैन वाले अंकल ने गंदी हरकत की। इस पर परिजनों ने तुरंत स्कूल में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं, आरोपी ड्राइवर ने मां-बेटी को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद थाने में तहरीर दी। मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी वैन ड्राइवर मोहम्मद आरिफ को गिरफ्तार कर लिया है। स्कूल प्रबंधक संदीप कुमार के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया। मामला इंदिरा नगर इलाके का है। बच्ची इंदिरानगर के सेक्टर-10 स्थित किड्जी प्ले स्कूल में पढ़ती है। स्कूल से घर लौटने पर वो सहमी हुई थी। मां को देखकर अचानक रोने लगी। मां ने उसे प्यार से समझाया और पूछा कि क्या हुआ, तो रोते-रोते बताया कि वैन अंकल ने गंदी हरकत की। यह सुनते ही परिवार के होश उड़ गए। परिजन तुरंत बच्ची को लेकर स्कूल गए। स्कूल प्रबंधन से ड्राइवर की शिकायत की। स्कूल प्रबंधक ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। न ही कोई कार्रवाई की।

ड्राइवर ने मां-बेटी को धमकी दी

पीड़िता की मां ने आरोपी ड्राइवर से घटना की शिकायत की, तो उसने जाति सूचक गालियां दीं। मां-बेटी को जान से मारने की धमकी दी। इस पर परिजन 17 जुलाई को इंदिरा नगर थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर और प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया। मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई।

धर्मांतरण के लिए महिला, उसकी बेटी और बहन का अपहरण

> पुलिस खंगाल रही है छांगुर से कनेक्शन

सीतापुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सीतापुर के कमलापुर निवासी सलमान शेख ने मड़ियांव निवासी महिला, उसकी पांच वर्ष की बेटी और बहन का अपहरण कर लिया। महिला के पति का है कि धर्मांतरण के लिए ऐसा किया। उन्होंने मड़ियांव थाने में सलमान के खिलाफ अपहरण व विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत एफआईआर कराई है। पुलिस आरोपी का छांगुर बाबा से कनेक्शन खंगाल रही है। पीड़ित ने परिवार के साथ अनहोनी की आशंका जताई है।

युवक ने बताया कि उसकी पत्नी की अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इस कारण उसने दो माह पहले साली को देखरेख के लिए बुलाया। आरोप लगाया कि सलमान ने उसकी साली को झांसा देकर प्रेम जाल में फंसा रखा था। वह उससे मिलने उनके घर आने लगा। इस दौरान उसने उनकी पत्नी, बेटी और साली को इस्लाम धर्म अपनाने पर कई तरह के प्रलोभन दिए। वह तीनों को अगवा कर ले गया। आरोपी घर में रखे 1.65 लाख रुपये और जेवर भी ले गया है।

पीड़ित की अनुपस्थिति में घर आता था आरोपी

सलमान अकसर युवक के घर में मौजूद न रहने पर ही आता था। पीड़ित का कहना है कि उसने कई बार साली को इसके लिए टोका भी, पर वह सलमान को अपना दोस्त बताकर टालमटोल कर देती। आरोप लगाया कि सलमान तीनों को धर्म बदलने पर मोटी रकम मिलने की बात भी कहता था। पत्नी ने जब पीड़ित से इसकी चर्चा की तो उसने इन्कार कर दिया था। युवक का कहना है कि उसे नहीं अंदाजा था कि आरोपी उसके परिवार को भ्रमित कर देगा।

दो दिन तलाश के बाद पहुंचे थाने पीड़ित का कहना है कि सलमान मंगलवार को तीनों का अपहरण कर भाग निकला। घर पहुंचने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई। इसके बाद संभावित स्थानों पर तीनों की खोजबीन की, पर सफलता नहीं मिली। दो दिन बाद वह थाने पहुंचा और आपबीती बताई। पीड़ित ने बताया कि सभी के फोन बंद हैं। पुलिस के मुताबिक सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है। आरोपी के साथ और कौन लोग मिले हैं, इसकी जानकारी की जा रही है।

आपराधिक घटनाएँ

पटना में पत्रकार की मां की निर्मम हत्या

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पटना जिले के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र के आदर्श नगर कॉलोनी में शुक्रवार की देर रात चोरों के एक गिरोह ने घर में घुसकर चोरी करने की कोशिश की। विरोध करने पर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की निर्मम हत्या कर दी। घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और लोगों में भय का माहौल बन गया है। सबसे पहले घटना की जानकारी महिला के छोटे बेटे को मिली, जो काम करके वापस घर लौटे थे। उन्होंने तुरंत अपने परिवार के सदस्यों और पुलिस को सूचना दी। वहां आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतका के छोटे पुत्र नलिनी कांत शर्मा ने बताया कि मैं दैनिक हिन्दी समाचार पत्र में कार्यरत हूं। शुक्रवार रात की ड्यूटी के बाद शनिवार अहले सुबह लगभग तीन बजे घर लौटे था। जैसे ही उसने घर का दरवाजा खोला, भीतर का मंजर देख उसके होश उड़ गए। मां मृत अवस्था में बिस्तर पर पड़ी थीं। अलमारी टूटी हुई थी और गहने समेत कीमती सामान गायब था। इसके बाद मैंने अपने भाई-बहनों और पुलिस को सूचना दी।

5 लाख कर्ज, परिवार ने खाया जहर-4 की मौत

नालंदा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नालंदा के पावापुरी में जलमंदिर के पास एक ही परिवार के 5 लोगों ने जहर खा लिया। इसमें 4 लोगों की मौत हो चुकी है। 2 बेटियों दीपा (16), अरिमा कुमारी (14) ने शुक्रवार रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। देर रात मां सोनी कुमारी (38) और बेटे शिवम (14) की भी मौत हो गई। सभी का भगवान महावीर अस्पताल (विम्स) में इलाज चल रहा था।

पति धर्मेन्द्र कुमार अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। पत्नी सोनी कुमारी का मौत से पहले का वीडियो सामने आया है। इसमें वो बताती है कि 'अजय कुमार और धर्मेंद्र कुमार पैसे मांग रहे थे। वो परिवार को टॉर्चर कर रहे थे। बताया जा रहा है कि परिवार 5 लाख का कर्ज था। परिवार में 6 लोग थे। सबसे छोटे बेटे ने बताया कि, 'पिता ने ही सभी को सल्फास की गोलियां खिलाई थीं।'

डॉक्टर तपेश्वर सिंह पर जानलेवा हमला

गया, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गयाजी के शेरघाटी में चर्चित डॉक्टर तपेश्वर सिंह पर जानलेवा हमला हुआ है। जबड़े के पास बुलेट लगी है। गोली लगने के बाद खुद 3 किलोमीटर तक स्कूटी चलाकर सरकारी अस्पताल पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद खुद को गया मगध मेडिकल कालेज सह अस्पताल के लिए रेफर भी करवाया।

फिलहाल खतरे से बाहर हैं। मौके से एक लोडेड पिस्टल बरामद हुआ है। घटना शेखपुरा मोहल्ले की है। डॉ. तपेश्वर शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी भी रह चुके हैं। रिटायर्ड के बाद क्लिनिक चलाते हैं। बेटे से संपत्ति का विवाद चल रहा है। इसी साल 6 जनवरी को क्लिनिक पर बमबाजी और गोलीबारी हुई थी। दो बेटा है, एक साथ रहता है और दूसरा अमेरिका में है। अमेरिका में रहने वाले बेटे से सपंत्ति को लेकर विवाद चल रहा है।

करंट से मां और बेटे की मौत

मुजफ्फरपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में करंट की चपेट में आने से मां और बेटे की मौत हो गई। 2 बच्चे बाल-बाल बच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रत्नपुर केवल गांव की है। मृतका पिंकी देवी (30) के पति मिलन राय ने बताया कि शुक्रवार देर शाम तीन बेटों के साथ जलावन लाने के लिए जा रही थी। उस समय हल्की बारिश हो रही थी। घर के पीछे अचानक बिजली के पोल में करंट फैल गया। बड़ा बेटा हंस राज(7) झटका लगते ही छटपटाने लगा।

तेजस्वी के विधायक मुन्ना यादव की फिर फिसली जुबान, विवादित बयान देकर फंसे

मुजफ्फरपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मीनापुर से राजद विधायक राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव का एक बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे सामाजिक बदलाव और बहुजन समाज की भूमिका को लेकर अपनी राय रखते दिख रहे हैं। बयान एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू का हिस्सा है, जिसे लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। विधायक ने बातचीत के दौरान कहा कि बिहार में सामाजिक समीकरणों में बदलाव आया है और बहुजन समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक न्याय की जो राह दिखाई, वह आगे भी कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि अब प्रतिनिधित्व का समय बदला है।

बहुजन समाज की आवाज अब निर्णायक बन चुकी है। हालांकि उन्होंने अपने वक्तव्य में कुछ जातियों के नाम लेकर राजनीतिक परिस्थितियों पर टिप्पणी की, जिस पर सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोगों ने इसे सामाजिक सशक्तिकरण की बात बताया तो कुछ ने इसे अनावश्यक विवाद खड़ा करने वाला करार दिया। यह पहली बार नहीं है जब विधायक मुन्ना यादव अपने बयानों को लेकर चर्चा में आए हैं। इससे पहले रमजान के महीने में इफ्तार पार्टी के दौरान उन्होंने खुद को ₹मुन्ना खान₹ कहे जाने का जिक्र किया था, जिसे लेकर भी कई तरह की प्रतिक्रियाएं आई थीं। इस ताजा बयान को लेकर विपक्षी दलों की ओर से भी प्रतिक्रिया आने लगी है। कुछ नेताओं ने इसे गैर-ज़रूरी बताया है, जबकि राजद समर्थकों ने इसे सामाजिक न्याय की भावना से प्रेरित करार दिया है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भयानक हादसा

पिता और दो बेटे सहित सड़क पर बिखरी थीं छह लाशें, मंजर देख कांप उठे लोग

आगरा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेस वे पर शनिवार सुबह हुए भयानक हादसे में पिता और दो बेटों के साथ छह लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। यह परिवार नोएडा में रहता है, जो भंडारा कराने के लिए अपने पैतृक गांव आ रहा था।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर मथुरा के बलदेव क्षेत्र में कार सवार कैटरिंग कारीगर के परिवार पर मौत ने झपट्टा मारा। अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कैटरिंग कारीगर के साथ उसके दो बेटे, दो भांजे और एक दोस्त की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों की लाश कार में फंस गई। पुलिस ने उनकी लाशों को बमुश्किल बाहर निकाला। एक के बाद एक कर छह लाशें मार्ग पर रखी गईं। कार में सवार बासौनी के हरलालपुरा गांव के रहने वाले धर्मवीर (48) समेत घर के दोनों चिराग बुझ गए। मृतकों में धर्मवीर के बढ़पुरा हुसैद महोबा के दो भांजे दलवीर उर्फ छुल्ले, पारस सिंह, बेटे रोहित का दिल्ली का रहने वाला दोस्त दुष्यंत शामिल है। मृतक की पत्नी सोनी, बेटी पायल अस्पताल में जिंदगी के लिए जूझ रही हैं। सभी अखंड रामायण पाठ और भंडारा करने के लिए दिल्ली से बटेश्वर के लिए निकले थे। मौत की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया है। परिवार के लोग मौके की ओर दौड़ पडे.हैं। कैटरिंग का काम करता था धर्मवीर हरलालपुरा निवासी धर्मवीर अपने परिवार के साथ दिल्ली के समयपुर बादली में रह कर कैटरिंग का काम करते थे। उनके चचेरे भाई प्रहलाद सिंह ने बताया कि बटेश्वर में अखंड रामायण पाठ और भंडारा करने के लिए धर्मवीर परिवार के साथ शुक्रवार देर रात निकले थे। उनके कहने पर बटेश्वर में धर्मशाला बुक कर दी थी।

सुबह-सुबह हुआ हादसा

परिजनों ने बताया कि रात 3 बजे के करीब यमुना एक्सप्रेस वे पर मथुरा के बलदेव में अज्ञात वाहन से कार टकरा गई। उन्होंने बताया कि शनिवार तड़के 4 बजे बासौनी पुलिस ने हादसे की सूचना दी। जिस पर परिवार के लोग मथुरा की ओर दौड़ पड़े। गांव में मातम पसर गया है। जबर सिंह के चार बेटे रामबहादुर, राकेश, धर्मवीर, विजेन्द्र सिंह में धर्मवीर तीसरे नंबर की संतान थे। हादसे के बारे में अपने नजदीकियों को जानकारी देते समय उनकी आंखों में आंसू भर आए। हरलालपुरा गांव शोक में डूबा है।

नाबालिग से स्लीपर बस में दुष्कर्म

राजस्थान से जालंधर लौट रही थी, पुलिस निकाल रही यात्रियों का डाटा

जालंधर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर से रिश्तेदारों के यहां राजस्थान गई एक नाबालिग लड़की के साथ स्लीपर बस में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना राजस्थान में हुई, लेकिन पीड़िता के जालंधर निवासी होने के चलते राजस्थान पुलिस ने जीरो एफआइआर दर्ज कर केस को जालंधर पुलिस पुलिस शिकायत में बताया कि नाबालिग जून में अपने रिश्तेदारों से मिलने राजस्थान गई थी। सात जुलाई को वह वहां से वापस जालंधर लौट रही थी। रास्ते में स्लीपर बस में उत्तर प्रदेश के बहराइच का निवासी युवक फेरू उसके साथ बैठा था। पीड़िता ने बताया कि सफर के दौरान एक जगह बस थोड़ी देर के लिए रुकी और सवारियां नीचे उतर गईं। इसी मौके का फायदा उठाकर युवक ने उसे डरा-धमका कर बस में ही दुष्कर्म किया।

लड़की ने जालंधर पहुंचने के बाद परिजनों को घटना की पूरी जानकारी दी। शिकायत पर राजस्थान पुलिस ने जीरो एफआइआर दर्ज की। पुलिस लड़की का मेडिकल करवाने के साथ ही बस संचालकों से भी पूछताछ कर रही है कि अगर सीट बुकिंग हुई है तो किसके नाम पर हुई थी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आरोपी का सिर्फ नाम पता है जोकि पीड़िता ने बताया, वहीं जिस जगह पर बस रोकी गई वहां के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल आरोपी का पता नहीं चल पाया है।

'ठाकरे सिर्फ नाम नहीं, मराठी मानुष की पहचान'

उद्धव ठाकरे का भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा वार

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि ठाकरे सिर्फ एक ब्रांड नहीं बल्कि महाराष्ट्र, मराठी मानुष और हिंदू गौरव की पहचान है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें इसे मिटाने की साजिश रच रही हैं।
शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने चुनाव आयोग, भाजपा और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी सीधा हमला बोला। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग पार्टी का चुनाव चिन्ह फ्रीज कर सकता है या किसी और को दे सकता है, लेकिन ठाकरे नाम जो उनके दादा केशव ठाकरे और पिता बाला साहेब ठाकरे ने गढ़ा, वह किसी और को नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि पार्टी की जड़ें महाराष्ट्र की मिट्टी में गहराई तक फैली हुई हैं और ठाकरे परिवार की पहचान मराठी मानुष से पीढ़ियों पुरानी है।

ठाकरे नाम को मिटाने की साजिश

उद्धव ने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ठाकरे की पहचान को मिटाने की कोशिशें की जा रही हैं क्योंकि कुछ लोगों को लगता है कि सत्ता में वही रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने ऐसा करने की कोशिश की लेकिन वे खुद खत्म हो गए। ठाकरे ने इस दौरान 'ठाकरे ब्रांड' को मराठी और हिंदू अस्मिता से जोड़ा। ठाकरे ने कहा कि जिन लोगों ने कुछ भी नहीं बनाया, जो 100 वर्षों से किसी भी क्षेत्र में कोई आदर्श स्थापित नहीं कर पाए, वे आज ठाकरे ब्रांड चुराने की कोशिश कर रहे हैं। यह टिप्पणी सीधे तौर पर भाजपा और आरएसएस पर हमला मानी जा रही है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि नाम और पहचान को चुराना आसान नहीं है।

चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम चुनौती

चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना घोषित कर उसे धनुष-बाण चिन्ह दे दिया था, जबकि उद्धव गुट को शिवसेना (यूबीटू) नाम और मशाल का चुनाव चिन्ह मिला। अब ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और अगली सुनवाई 11 अगस्त को होनी है।

लोगों का विश्वास कोई नहीं चुरा सकताः उद्धव ठाकरे

इंटरव्यू के अंत में उद्धव ठाकरे ने भावुक होते हुए कहा कि आप किसी पार्टी का चुनाव चिन्ह चुरा सकते हैं लेकिन जनता के प्यार और विश्वास को नहीं चुरा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि वह, उनके बेटे आदित्य और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे सभी ठाकरे ब्रांड को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

छिपकली के प्राइवेट पार्ट बेच रहा था ज्योतिषी पुलिस ने छापा मार धर दबोचा, अब मिलेगी ये सजा

फरीदाबाद, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे फरीदाबाद से अजीबोगरीब खबर सामने आई है। यहां एक ज्योतिषी पर छिपकली (मॉनिटर लिजर्ड) के जननांग (प्राइवेट पार्ट) बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मामला फरीदाबाद के सेक्टर-8 का है। आरोपी की पहचान 38 साल के यज्ञ दत्त के रूप में हुई। उसे एक खुफिया इनपुट के बाद हरियाणा वन विभाग, हरियाणा पुलिस, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट की संयुक्त छापेमारी के दौरान पकड़ा गया।
अधिकारियों ने बताया कि आरोपी यज्ञ दत्त एक ज्योतिष कार्यालय से काम करता था। वह आध्यात्मिक उपचारों की आड़ में वन्यजीव उत्पाद बेचता था। इसके लिए वह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की मदद भी लेता था। टीम ने उसके परिसर से मॉनिटर छिपकलियों के जननांगों के तीन टुकड़े और सॉफ्ट कोरल के पांच टुकड़े बरामद किए। ये सामान अक्सर तांत्रिकों की ओर से बेचे जाते हैं।

छिपकली परिवार की मॉनिटर लिजर्ड वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची आई के अंतर्गत सूचीबद्ध है। इसकी प्रजाति को बचाने के लिए उच्चतम कानूनी सुरक्षा प्रबंध हैं। देश में मॉनिटर लिजर्ड के बॉडी पार्ट्स को रखना या उनका व्यापार करना दंडनीय अपराध है। गुरुग्राम के प्रभागीय वन अधिकारी आरके जांगड़ा ने कहा- यह एक गंभीर उल्लंघन है। अधिकारियों ने आपूर्ति नेटवर्क का पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच कराने की बात कही है। इसके लिए आरोपी यज्ञ दत्त का मोबाइल फोन और डिजिटल डेटा जब्त कर लिया गया है।

सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले शख्स के परिजन को मिलेंगे 39.3 लाख

एमएसीटी का बीमा कंपनी को आदेश

ठाणे, 19 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क दुर्घटना में मरने वाले नगर निगम कर्मी के परिजनों को 39.3 लाख रुपये का मुआवाजा मिलेगा। मृतक के परिवार की अपील पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने बीमा कंपनी और टेम्पो चालक को दोषी मानते हुए मुआवजे का भुगतान करने का आदेश दिया। ठाणे नगर निगम के 38 वर्षीय सफाई कर्मचारी सुनील तुकाराम दलवी की 27 दिसंबर, 2018 को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। एक तेज रफ्तार टेम्पो ने सुनील की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। सुनील के परिवार ने मुआवजे की मांग करते हुए मोटर वाहन अधिनियम की धारा 166 के तहत दावा दायर किया था। बीमा कंपनी ने दावा खारिज करने की दलील दी कि दुर्घटना के समय दलवी ने हेलमेट नहीं पहना था। टेम्पो चालक के पास वैध लाइसेंस नहीं था और वहान के लिए कोई उचित दस्तावेज नहीं थे।
न्यायाधिकरण ने पाया कि दुर्घटना के समय वाहन के पास वैध परमिट और फिटनेस प्रमाण पत्र था, लेकिन चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। न्यायाधिकरण ने निष्कर्ष निकाला कि दुर्घटना पूरी तरह से टेम्पो चालक की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई थी।

न्ययाधीकरण ने बीमा कंपनी बजाज आलियांज जरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को बीमा कंपनी को संयुक्त रूप से और अलग-अलग 39.32 लाख रुपये, याचिका की तारीख से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित, अदा करने का आदेश दिया। साथ ही बीमा शर्तों के उल्लंघन के कारण दुर्घटना में शानिल टेप्पो मालिक से राशि वसूलने की स्वतंत्रता भी दी।

मोहब्बत में मर्डर : आरोपी भाजपा नेता दुर्गेश तिवारी गिरफ्तार

रीवा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मऊगंज जिले के नईगड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरी सेंगरान गांव में एक दिल दहला देने वाले हत्याकांड में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष दुर्गेश तिवारी की गिरफ्तारी ने राजनीतिक गलियारों में सनसनी फैला दी है। यह मामला 17 वर्षीय सुमित शर्मा की हत्या से जुड़ा है, जिसकी जांच करीब 11 महीनों तक चली। सुमित शर्मा, जो परिवार का इकलौता बेटा था, 15 अगस्त 2023 को घर से निकला था और उसके बाद कभी वापस नहीं लौटा। अगली सुबह उसका खून से लथपथ शव खेत में मिला, जिस पर चाकू के कई गहरे घाव थे। इस हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है, जो लड़की के परिवार को मंजूर नहीं था। पुलिस ने महीनों की तफ्तीश के बाद तीन आरोपियों अर्पित त्रिपाठी, अनीत त्रिपाठी और दुर्गेश तिवारी को गिरफ्तार किया है। लेकिन मामला तब और गंभीर हो गया जब हत्या के बाद दुर्गेश तिवारी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वह अपने घर पर मिठाई बांटता नजर आया। साथ ही एक वीडियो में भाजपा विधायक की हूटर लगी गाड़ी आरोपी के घर के बाहर खड़ी दिखी और दुर्गेश तिवारी उन्हें अगवानी करता नजर आया। यह घटनाक्रम न केवल न्याय व्यवस्था बल्कि सत्ता से जुड़े रिश्तों पर भी सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य जुटा लिए हैं और उन्हें कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और फोटो को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। यदि सत्ता से किसी भी प्रकार की संलिप्तता पाई जाती है तो उस दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका ने टीआरएफ को घोषित किया आतंकी संगठन

विदेशी फंडिंग पर लगेगा ब्रेक, पाकिस्तान की चाल हुई नाकाम

जम्मू, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) अब वैश्चिक स्तर पर बेनकाब हो गया है। अमेरिका ने इसे विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि अब टीआरएफ की जम्मू-कश्मीर में गतिविधियां कम होंगी। खासकर इस संगठन को होने वाली फंडिंग पर अंकुश लगेगा। विदेशों से इसका नेटवर्क चलाने वालों पर कार्रवाई आसान होगी। सेना के रिटायर मेजर जनरल आरके शर्मा का कहना है कि लश्कर व जैश जैसे संगठन पाकिस्तान से ऑपरेट होते हैं, जो पहले से आतंकी संगठन घोषित हैं। इससे इनकी फंडिंग की कमर टूटी। इसलिए लश्कर ने टीआरएफ खड़ा कर दिया, ताकि फंडिंग मिल सके। अब इसे भी आतंकी संगठन घोषित करने से पाकिस्तान पर और दबाव बढ़ेगा। इससे टीआरएफ के खिलाफ कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। ये भारत की एक कूटनीतिक जीत है। अब यूएन भी इसे आतंकी संगठन घोषित करेअब संयुक्त राष्ट्र को भी चाहिए कि इसे आतंकी संगठन घोषित करे। अगली कोशिश भारत की यहीं होनी चाहिए। हालांकि इसमें चीन अड़ंगा डालेगा, लेकिन इससे हम कुछ नहीं गंवाएंगे। टीआरएफ के जरिए पाकिस्तान विश्व को गुमराह करने का प्रयास कर रहा था कि इसमें कश्मीर के स्थानीय युवा शामिल हैं, जबकि इसमें 90 फीसदी विदेशी आतंकी हैं। अपनी सरहदों को मजबूत करने की जरूरतपहले लश्कर को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कराया, जिसके बदले लश्कर ने ही टीआरएफ खड़ा कर दिया। अब इसे नामित किया गया है। अब टीआरएफ कोई नया नाम लेकर काम करेगा।
ये सिलसिला चलता रहेगा। हमें चाहिए कि हम अपनी सरहदों को इतना मजबूत कर दें कि कोई पाकिस्तानी आतंकी भारतीय सीमा में घुसे ही न। बजाए इसके कि हम वर्षों तक इन संगठनों को विदेश में नामित कराने के पीछे भागें। सुशील पठानिया, पूर्व कर्नल

गोल्डन टेंपल को सातवीं बार फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। श्री हरि मंदिर साहब को आरडीएक्स लगाकर उड़ने की शनिवार की दोपहर सातवीं बार धमकी ईमेल के जरिए मिली है। हालांकि, 6 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपित पुलिस की पकड़ से दूर हैं। साइबर सेल की पुलिस द्वारा हरियाणा के फरीदाबाद जिले के इंजीनियर शुभम दुबे को हिरासत में लिया गया है। लेकिन सारे मामले में मुख्य आरोपितों और ईमेल भेजने वाले लोगों का पता नहीं लग सका है।
पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि घर पकड़ जारी है। शुभम से भी पूछताछ की जा रही है उसका लैपटॉप और मोबाइल कब्जे में है। कुछ ज्यादा जानकारियां उपलब्ध नहीं हो रही। उल्लेखनीय है कि पिछले सोमवार से श्री हरमंदिर साहिब को लगातार आरडीएक्स लगाकर उड़ने की धमकियां मिल रही है बीते शुक्रवार शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर) को धमकी भरे ईमेल भेजने के पीछे के मकसद की जानकारी नहीं है और उन्हें ये ईमेल लगभग पांच दिनों से मिल रहे हैं। एसजीपीसी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने कहा कि चार-पांच दिन हो गए हैं जब श्री दरबार साहिब को धमकी भरे ईमेल भेजे जा रहे हैं।

हमें इन ईमेल के पीछे का मकसद नहीं पता, लेकिन पुलिस आयुक्त के अनुसार, शुभम दुबे नाम के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मनन ने आगे कहा कि पुलिस कमिश्नर ने कहा कि लगातार आ रहे ये ईमेल संकेत देते हैं कि इसके पीछे एक व्यक्ति नहीं हो सकता, बल्कि किसी समूह का हाथ होने की संभावना है। लाखों की संख्या में गोल्डन टेंपल में पूजा-अर्चना करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता है।

'हर सरकार में प्रताड़ित हुई मैं'

उमा भारती का छलका दर्द, परिवार से दूरी का कर दिया ऐलान

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की तेजतर्रार और चर्चित नेता उमा भारती ने भोपाल में कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। संघ प्रमुख मोहन भागवत के '75 की उम्र के बाद राजनीति से रिटायरमेंट' संबंधी बयान पर उन्होंने कहा कि इस बयान की गलत व्याख्या हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति एक ऐसा पेशा है, जिसमें कोई रिटायरमेंट नहीं होता। उमा भारती ने कहा, समाज में कई ऐसे पेशे हैं जिनमें अंतिम सांस तक सेवा की जाती है, जैसे डॉक्टर, लेखक, कवि, शिक्षक, पत्रकार और राजनेता। राजनीति में सक्रियता की कोई उम्र नहीं होती। मोहन भागवत का बयान शायद पद या कुर्सी को लेकर हो सकता है, लेकिन सक्रियता उम्र नहीं देखती।
राजनीति में लंबी पारी का इरादा जब उनसे उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में पूछा गया तो उमा भारती ने दो टूक जवाब दिया- मैं अभी 15 से 20 साल और राजनीति करूंगी। और अगर मन हुआ तो चुनाव भी लड़ूंगी। उमा भारती ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए दावा किया कि उन्हें और उनके परिवार को हर सरकार के दौर में प्रताड़ित किया गया। बिना किसी पार्टी का नाम लिए उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 1990 से 1992 के बीच मुझे सरकारी तंत्र से प्रताड़ना झेलनी पड़ी। 2013 में व्यापमं घोटाले के समय भी मेरा नाम घसीटा गया। मानसिक तौर पर बहुत यातना दी गई। उन्होंने जांच एजेंसियों के कामकाज पर भी सवाल उठाए और कहा कि सीबीआई को यह साफ करना चाहिए कि उनका नाम व्यापमं घोटाले से क्यों जोड़ा गया। उन्होंने यह भी पूछा कि कहीं उनके नाम की आड़ में असली दोषियों को तो नहीं बचाया गया? उमा भारती ने यह भी घोषणा की कि अब वे अपने परिवार से पूरी तरह अलग हो रही हैं और गंगा शुद्धिकरण, गौ-संरक्षण और शराबबंदी जैसे मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेंगी। उन्होंने इन मुद्दों को अपनी प्राथमिकता बताया।
गंगा सफाई और गाय संरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार प्रयास कर रही हैं, लेकिन अब और ठोस और सख्त कदमों की जरूरत है। शराबबंदी पर भी उन्होंने कहा कि सरकार को इस दिशा में कठोरता दिखानी चाहिए। मुख्यमंत्री मोहन यादव की तारीफ करते हुए उमा भारती ने कहा, वो पढ़े-लिखे और अच्छे प्रशासक हैं,

पत्नी ने देवर के साथ मिलकर की पति की हत्या, इंस्टाग्राम चैट से खुला राज

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका जिले के उत्तम नगर थाना क्षेत्र के ओम विहार फेस-1 में पत्नी ने प्रेमी देवर के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और किसी को शक ना हो उसके लिए परिवार को गुमराह करती रही। 35 वर्षीय करण देव की संदिग्ध परिस्थितियों में रविवार को मौत हो गई थी। जिसकी जांच पुलिस कर रही थी लेकिन करण के मौत की गुत्थी तब सुलझी जब परिवार को एक मोबाइल चैट के जरिए उसकी हत्या की साजिश का पता चला। परिवार के मुताबिक करण अपनी पत्नी सुष्मिता देव और 6 साल के बेटे के साथ ओम विहार फेस-1 में रहता था। बीते रविवार सुबह सुष्मिता ने करण के माता-पिता का छोटे भाई को सूचना दी कि करण को करंट लग गया है और वह बेहोश है परिजन तुरंत उसे पास के मग्गो हॉस्पिटल ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने करण को मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। उत्तम नगर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दीनदयाल हॉस्पिटल भिजवाया। हालांकि पोस्टमार्टम को लेकर सुष्मिता, उसका चचेरा देवर राहुल देव और राहुल के पिता लगातार आनाकानी कर रहे थे। करण के परिवार को शक तब हुआ जब करण के छोटे भाई कुनाल को राहुल ने किसी काम के लिए अपना मोबाइल दिया और इसी दौरान कुनाल ने मोबाइल में सुष्मिता और राहुल के चैट को पढ़ा, जिसके बाद पूरा मामला सामने आ गया। चैट में उस रात की घटना और हत्या की साजिश के पूरे सबूत मिले। परिवार ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने सुष्मिता और राहुल को हिरासत में लिया।

परिवार के मुताबिक, सुष्मिता और राहुल का दो साल से अफेयर चल रहा था। दोनों ने मिलकर करण की हत्या इसलिए की ताकि वे साथ रह सकें और करण की संपत्ति पर कब्जा कर सकें। फिलहाल उत्तम नगर थाना पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और मामले की तफ्तीश जारी है।

दहेज की डिमांड करते हैं, शराब पीकर पीटता है पति

हरियाणवी डांसर सपना ने ससुराल वालों लगाए आरोप

नारनौल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणवी डांसर सपना शर्मा ने अपने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ना और पति पर शराब पीकर मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। डांसर ने नारनौल के महिला थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। सपना शर्मा ने बताया कि फरवरी 2025 में उन्होंने पहली बार शिकायत की थी कि उनके पति शराब के नशे में उनके साथ मारपीट करते हैं और बार-बार पैसों की मांग करते हैं। साथ ही उन्होंने अपने जेठ, जेठानी और सास पर भी मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। सपना के मुताबिक 4 फरवरी 2025 को उनके पति ने उन्हें बुरी तरह पीटा था, जिसके बाद वह अपने मायके नारनौल लौट आई थीं। महिला थाने में शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया, जहां काफी बवाल हो गया। किसी तरह थाना प्रभारी ने इस बवाल को शांत करवाया। थाने में सपना शर्मा ने अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखा और उनके साथ शहर के कई लोग भी समर्थन में पहुंचे। सपना और उनकी मां ने पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पुलिस इस मामले में निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई नहीं कर रही है। सपना ने कहा कि उनके पास सभी सबूत और वीडियो मौजूद हैं, इसके बावजूद पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला थाना प्रभारी ने पिछले चार महीनों में कोई प्रगति नहीं की और आरोपी पक्ष से मिलीभगत कर रही हैं। इस दौरान सपना के परिजनों ने भी महिला थाना अफसर को घेरकर सवाल किए कि आखिर इतने समय में जांच में क्या किया गया। सपना ने महिला एसएचओ पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल मामला जांचाधीन है, लेकिन सपना शर्मा द्वारा लगाए गए आरोपों ने पुलिस की कार्यप्रणाली और पारिवारिक हिंसा के मामलों में देरी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पंजाब की लैंड पूलिंग पॉलिसी को किसानों का जबरदस्त समर्थन

अमृतसर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी को लेकर राज्यभर के किसानों में उत्साह का माहौल है। जहां एक ओर विपक्ष हताशा में इस योजना को लेकर झूठ फैला रहा है और विरोध कर रहा है। इस पॉलिसी के कारण बिल्डर लॉबी में जबरदस्त घबराहट है, क्योंकि पंजाब सरकार के अर्बन डवलमेंट प्लान की वजह से अब शहरों में वर्ल्ड क्लास सेक्टर विकसित किए जाएंगे। वहीं दूसरी ओर ज़मीन देने वाले किसान इस स्कीम को फायदे की डील बता रहे हैं। किसानों का कहना है कि यह पहली बार हुआ है जब बिना ज़मीन अधिग्रहण के लिए उन्हें शहरी विकास योजनाओं में सीधी हिस्सेदारी मिल रही है। यही वजह है कि पटियाला, मोहाली, लुधियाना, अमृतसर, मानसा, फिरोजपुर जैसे जिलों में हजारों किसानों ने अपनी ज़मीन सरकार को खुद देने पर सहमति दी है।
इस योजना के तहत किसान अपनी मर्जी से अपनी ज़मीन सरकार को देते हैं और बदले में उन्हें विकसित शहरी एस्टेट्स में रिहायशी और कमर्शियल प्लॉट मिलते हैं। सरकार ने एक एकड़ ज़मीन देने पर 1000 गज के रिहायशी प्लॉट और 200 गज का एससीओ कमर्शियल प्लॉट मिलेगा। इन प्लॉट्स को किसान न केवल किसी भी समय बेच सकते हैं बल्कि स्वयं हाउसिंग प्रोजेक्ट या मार्केट कॉम्प्लेक्स बनाकर भी मुनाफा कमा सकते हैं। इससे न सिर्फ किसानों की आय के नए रास्ते खुल रहे हैं बल्कि उन्हें रियल एस्टेट में सीधी भागीदारी भी मिल रही है। साथ ही प्रॉपर्टी डीलर एजेंट के चक्कर में कहीं कमीशन भी नहीं देना पड़ेगा। पटियाला के किसान राजेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार से उन्हें किसी तरह का दबाव नहीं है और उन्होंने अपनी मर्जी से ज़मीन दी है।

गुजरात में महिला पुलिसकर्मी पर एसिड अटैक

युवक ने गुस्से में फेंका; नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने से रोका था

गांधीनगर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात की राजधानी गांधीनगर के कलोल इलाके से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। कलोल में छत्राल पुलिस चौकी के पास एक सनकी व्यक्ति ने महिला पुलिसकर्मी पर तेजाब से हमला कर दिया है। ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए ड्यूटी पर तैनात जीआरडी महिला पर तेजाब से हमला किया गया। आरोपी ने महिला जीआरडी पर उस समय तेजाब फेंका जब उसने कहा कि ट्रैफिक नियमन के दौरान वाहन नो-पार्किंग में है। आरोपी ने अपना वाहन नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़ा किया था।

जब जीआरडी महिला ने आरोपी से गाड़ी को नो-पार्किंग क्षेत्र से हटाने के लिए कहा, तो आरोपी को गुस्सा आ गया और तेजाब से हमला कर दिया। गांधीनगर के कलोल इलाके के छत्राल पुलिस चौकी के पास हुई इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इस घटना के बाद लोगों में डर का माहौल है। लोगों ने कहा कि बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वो पुलिस कर्मियों पर ही हमला कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आम आदमी की सुरक्षा कैसे होगी, जब पुलिस कर्मी ही सुरक्षित नहीं है। इस हमले में न केवल एक महिला बल्कि उसके साथ ड्यूटी पर तैनात तीन अन्य महिलाएं भी घायल हो गईं। पार्किंग जैसे मामूली मामले को लेकर हुए विवाद के कारण सनकी व्यक्ति ने महिला पर तेजाब से हमला कर दिया।
इस पूरी घटना के बाद पुलिस ने तुरंत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह घटना गुजरात में महिला सुरक्षा के झूठे दावों और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। सवाल यह भी है कि पूरे राज्य में बिना अनुमति के तेजाब जैसी ज्वलनशील वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध है, तो यह व्यक्ति तेज़ाब कहां से लाया, कहां जा रहा था? क्या वह किसी पुरानी दुश्मनी के चलते महिला पर तेजाब फेंकने के लिए ही लाया था, यह भी एक बड़ा सवाल है। इस घटना के बाद लोगों में डर है। तेजाब हमले की यह घटना एक बार फिर महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की घटनाओं को उजागर कर रही है।
एक पुलिस अधिकार ने कहा कि इस पूरे मामले में पूछताछ की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है। साथ ही आरोपी के अपराधिक गतिविधियों को भी खंगाला जा रहा है। आरोपी से जानकारी की जा रही है कि वो तेजाब कहां से और क्यों लेकर आया था। क्या कोई पुरानी रंजिश में आरोपी ने इस घटना के अंजाम दिया है, इस बात की भी जानकारी की जा रही है।

साहित्य और पत्रकारिता के पुरोधा : डॉ धर्मवीर भारती

जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशेष

अतुल कुमार

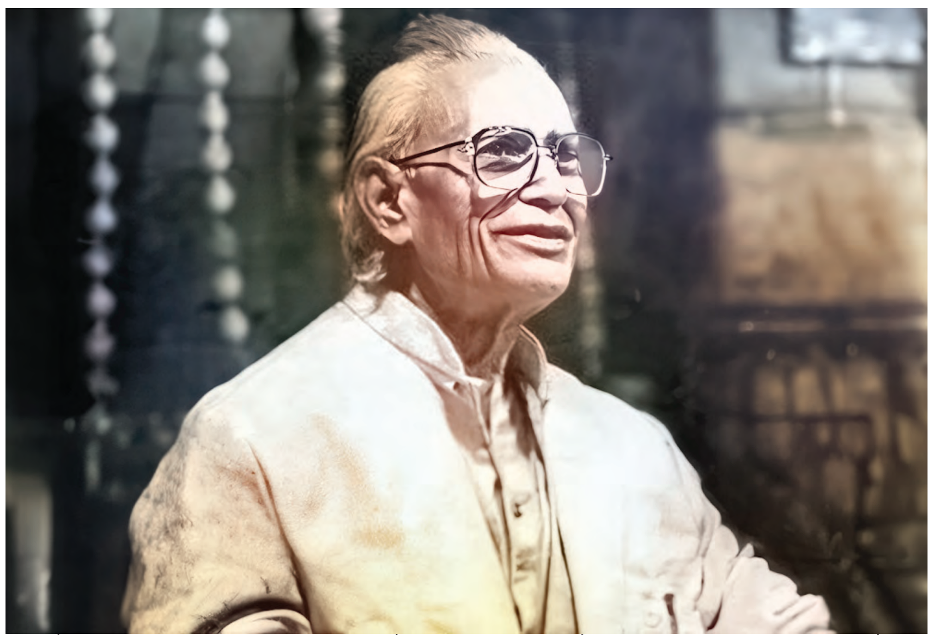

साहित्य और पत्रकारिता के दिग्गज नामों में डा धर्मवीर भारती एक थे जिन्होंने अपने साहित्य लेखन और संपादन कौशल से जिस अविस्मरणीय सुनहरे योगदान को छोडा उसकी कीर्ती गाथा की चर्चा आज भी बडे गर्व से होती है . साहित्यिक लेखन से नये नये प्रयोग कर आधुनिक साहित्य को कालजयी बनाया . उसे इसी से समझा जा सकता है कि इंडियन लिटरेचर पर कोई भी चर्चा उनके यशस्वी साहित्य के नामोल्लेख के बिना अधूरी है. . नाटकों की दुनिया में अब भी हिंदी के सबसे अधिक मंचित नाटकों में " अंधा युग ' प्रमुख है जो नाट्य शैली में लिखी गयी अद्भुत काव्य रचना है .जिसकी पंक्तियां सीधे अंतर्मन को झकझोरती हैं, मनुष्य की भावनाओं का सजीव चित्रण करती हैं और सोचने को प्रेरित करती हैं . युद्ध के कारण पैदा होने वाली अमानवीयता , अमानुषता , और अभिमानी विकृति और कुंठा का चित्रण बखूबी इसमें हुआ है . . सन 1954 में डा धर्मवीर भारती द्वारा लिखित इस गीति नाट्य ने साहित्य जगत में ज़बर्दस्त तहलका मचाया और इसने विशिष्ट स्थान प्राप्त किया .

कई नामी नाट्यकारों ने इस गीति काव्य को मंचित कर दर्शकों से वाह वाही पायी . सन 1959 में लिखी " कनु प्रिया ' ने भी साहित्य में अपार लोकप्रियता पायी और पाठकों के हृदय को छूआ . जिसमें राधा कृष्ण के संबंधों को नये रूप और अर्थों में देखने का महत्वपूर्ण प्रयास है . डा भारती का रचना कौशल लेखन की सभी विधाओं में था . उनकी रचनाओं का फलक भी विराट और व्यापक था . जिसमें समय और उसके बाद की आहट सुनायी व दिखायी देती . कविता ,कहानी , उपन्यास ,नाटक , निबंध ,आलोचना , अनुवाद ,यात्रा वृतांत और रिपोर्ताज़ इत्यादि में उनकी जादुई कलम ने जो ऐतिहासिक लेखन किया वह भारतीय साहित्य की कभी न भुलायी जाने वाली बहुमूल्य अमानत बना .

डा धर्मवीर भारती ने साहित्य और पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान दिया . इन दोनों में सर्वश्रेष्ठ कौनसा है कहना संभव नहीं है . इसके लिये टास भी कीजियेगा तो सिक्के के दोनों ओर " सर्वश्रेष्ठ और सर्वश्रेष्ठ " ही आयेगा अत; उन्हीं की लिखित कविता की पंक्तियों का आश्रय लेना मुनासिब होगा " उत्तर नहीं हूं / मैं प्रश्न हूं तुम्हारा ही / नये नये शब्दों में तुमने पूछा है जो बार बार /पर जिस पर सब के सब केवल निरुत्तर हैं / प्रश्न हूं तुम्हारा ही / तुमने गढा है मुझे /किंतु प्रतिमा की तरह स्थापित नहीं किया / या /फूल की तरह मुझको बहा नहीं दिया /प्रश्न की तरह मुझको रह रह दोहराया है / नयी नयी स्थितियों में मुझको तराशा है / उत्तर नहीं हूं मैं / प्रश्न हूं तुम्हारा ही // "

बहुमुखी प्रतिभा के धनी डा भारती की लेखनी ने भाषा ,साहित्य और पत्रकारिता को नयी दिशा और दृष्टि प्रदान की जिससे पाठक मोहित हुए कम ज्ञात तथ्य है कि शुरु में तब के इलाहाबाद (अब प्रयाग राज) में उन्होंने " संगम " नामक पत्रिका का संपादन किया जिसे उस दौर के रचनाकारों तथा पाठकों ने पसंद किया . ' युवाओं के संघर्ष ,सामाजिक विडंबनाओं ,आडंबर ,अंध विश्वास , नैतिक पतन और खोते मूल्यों को जम कर उजागर किया और इससे पैदा होने वाली परेशानियों की ओर इंगित किया . उसमें ढकोसले सामाजिक बंधनों से मुक्ति की आकांक्षा दिखायी दी .विद्यार्थी जीवन में " परिमल " नामक संस्थान से जुडे थे .

सन 1960 में " धर्मयुग " के मुख्य संपादक बने और इसे हिमालयी बुलंदियों की उंचाइयां दी . जल्द ही ' धर्मयुग ' घर घर की चहेती साप्ताहिक पत्रिका बना .पत्रिका को पंचांगी पत्रकारिता की परिधि से निकाल साहित्यिक , सांस्कृतिक और सामाजिक रूप स्वरूप दिया जिसने पाठकों को मुग्ध किया ." धर्मयुग ' अपने समय की सर्व प्रसारित , सर्व लोकप्रिय और सर्व पठित पत्रिका थी . डा भारती के कुशल संपादन , चिंतन और विसन ने रातों रात " धर्मयुग ' को यशस्वी पत्रिका बनाया .जिसे पढने हर आयु वर्ग के पाठक व्याकुल रहते . सप्ताह बाद में शुरु होता लेकिन पत्रिका के अगले अंक की प्रतीक्षा पहले शुरु हो जाती इसमें प्रकाशित होने वाली कहानियां ,कविताएं , निबंध ,इंटरव्यू , रिपोर्टे , सम सामयिक विषयों पर आलेख , परिचर्चाएं , पर्व और त्यौहारों की महत्ता पर लेख , सामाजिक और राजनीतिक मसलों पर टिप्पणियां , खेल कूद ,और फिल्म इत्यादि को पाठक पूरी तन्मयता से पढते .पत्रिका का हर स्थायी स्तंभ रीडर्स की ज़ुबान पर होता जैसे " बैठे ठाले " " आपका राशि फल ' " महिला जगत " और कार्टून कोना ढब्बूजी ' आदि . '' धर्मयुग 'का प्रत्येक अंक पठनीय और संग्रहणीय होता .क्यों कि उसमें अनछुए विविध ज्वलंत विषयों के ज्ञान का अमाप भंडार होता .

उस दौर के किसी भी लेखक ,कवि ,पत्रकार और रचनाकार का सपना " धर्मयुग " में अपनी रचना को छपा हुआ देखना होता .डा भारती ने अनेक श्रेष्ठ लेखकों ,कवियों और पत्रकारों को प्रकाशित कर उनको बढावा दिया विशेषकर उस दौर के युवा नवलेखकों तथा पत्रकारों को जम कर मौका दिया .यह डा भारती के संपादन कौशल में प्रकाशित अनूठी नामचीन पत्रिका थी जो उनकी थिंकिंग ,प्लानिंग और एक्सीक्यूशन का बेहतरीन रूप थी जिसकी प्रसार संख्या कई लाखों में हो ऐतिहासिक प्रसार संख्या के ऊंचे कीर्तीमान स्थापित करती .

सन 1965 के भारत – पाक युद्ध की रिपोर्टिंग की. व्यक्तिगत रूप से उस युद्ध को कवर कर साहस और जांबाज़ी की मिसाल पेश की जिसने हिंदी पत्रकारिता को नये मुकाम दिये जिसे पाठकों ने खूब सराहा .ढाई दशकों से अधिक समय तक " धर्मयुग ' ने भारतीय पत्रकारिता पर राज किया . वास्तव में यह साहित्य और पत्रकारिता का अनुपम संगम था . जितना भी लिखा वह लोक मन . लोक पीडा ,और लोक का स्वर ही तो है जिसमें मानवीय संवेदना का मर्म है . 25 जनवरी 1926 को त्रिवेणी की पूजनीय धरती प्रयाग राज (पूर्व नाम इलाहाबाद) में जन्म हुआ जिसने उनके रचित साहित्य को अप्रतिम बनाया .

उनके लिखित उपन्यास "गुनाहों का देवता " " सूरज का सातवां घोडा " कहानी संग्रह " बंद गली का आखरी मकान " " मुर्दों का गांव " " चांद और टूटे हुए लोग " " स्वर्ग और पृथ्वी " और कविता संग्रह " ठंडा लोहा " " सात गीत वर्ष " और " सपना अभी भी " इत्यादि हैं . उनके साहित्य में प्रेम ,करुणा ,अमीरी गरीबी और समसामयिक चेतस का वास है जिसमें ज़िंदगी के पदचाप की अभिव्यक्ति समायी हुई है .इसलिये वह टाइमलेस हैं . भारत सरकार द्वारा सन 1972 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया . 4 सितंबर 1997 को उनका निधन हुआ . अपनी स्वर्णिम विरासत के रूप में उन्होंने साहित्य और पत्रकारिता के जिन ऐतिहासिक उच्च आयामों को छोडा वह अजर , अमर और अविस्मरणीय हैं . अतः वह साहित्य और पत्रकारिता के सूर्य हैं ।

काव्य कुंज

दीपक बन कर

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

दीपक बन कर जो जलता
है देता वही प्रकाश,
प्रशस्त मार्ग उसका होता
जो करता शिव में विश्वास ।
गरल सुधा रस जो पीता
वो होता शिव के समान'
उसकी रक्षा शिव करते
दिलाते जग सम्मान ।
शिव जैसा हम आचरण करें
तो छूएंगे आसमान'
झुकेंगे दानव दैत्य भी
झुक जाए सारा जहान ।
शिव जैसा कोई नहीं
माने ये सच ब्रह्मांड
वैरी को भी वर दे दें
ये जाने सारा जहान ।
शिव करुणा के सागर हैं
करते सबका कल्याण'
निर्मल जन को हिय में भरे
समझे उसे खुद का प्राण ।
इनकी शरण में जाकर के
निर्बल भी बने बलवान,
इनकी पूजा कर कर के
बना रावण जग में महान ।
शिव शंभू बड़े भोले हैं अलग है इनकी शान,
इनकी किरपा से ही मिली संजू को नई पहचान ।

महामृत्युंजय महेश्वरं

मोनिका डागा, चेन्नई

सत्यं सदाशिवं शुभंकरं,
प्रणवं चन्द्रमौलिं सुंदरं,
महाबलिं श्री भीम शंकरं,
त्वं पशुपतिं अखिलेश्वरं ।
अंबिकानाथं ओंकारेश्वरं,
नीलकंठं रूद्रं शंभु शंकरं,
निराकारं च निगुर्णेश्र्वरं,
महाभूतं महापतिं ममलेश्वरं ।
त्र्यंबकं विरूपाक्षं अचलेश्वरं,
रामप्रियं राजराजेश्वरं रामेश्वरं,
त्वं गंगाधरं ₹आनंदं₹ अमृतेश्वरं,
वैद्यनाथं विश्वपतिं विश्वेश्वरं ।
सच्चिदानंदं परमानंदं परमेश्वरं,
भूतगणादिसेवितं त्वं भूतेश्वरं,
करूणाकरं सुख समृद्धिकरं,
शोकादिहरणं श्री तारकेश्वरं ।
वामदेवं नीललोहितं नागेश्वरं,
त्वं अभिरामं शाश्वतं योगीश्वरं,
ईशानं वृषभारूढ नर्मदेश्वरं,
ममनाथं महामृत्युंजय महेश्वरं ।

मन पपिहरा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

मन पपिहरा नित नई राग अलापे ,
पपिहरा न बन पाये।
हर पल नई प्यास बुझाए,
फिर भी प्यासा रह जाये।।
जहां स्वाति नक्षत्र की एक बूंद से
होती मोती की प्राप्ति,
यहां हर क्षण नई बूंद चढ़ाकर, बूँदों में ही हो गई क्रांति,
शीघ्र फल की कामना से, धैर्य के इम्तिहान में असफल,
पपिहरा से कुछ सीख ले रे मन, मिलेगी सदैव शांति।
त्याग,तप के अर्थ जान लिए तो जीवन सुगम हो जाये।
मन पपिहरा नित नई राग अलापे,पपिहरा न बन पाये।।
मुफ्त में मिल जाए सब कुछ फिर भी कभी मन न भरे,
जोड़ते रहे कल के लिए, कल क्या होगा, रहे डरे डरे,
आस्था पपीहा की वर्षा बूंद पे ,रहे साथ मरते दम तक
विवेकशील इंसान,सुख तलाश में इधर उधर भटक रहे।
मन पपिहरा काबू में रहा तो,उलझन स्वत सुलझ जाये।
मन पपिहरा नित नई राग अलापे,पपिहरा न बन जाये।।

बंधक नहीं बंधुत्व

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

आजकल बहुप्रचारित हो रहा,
राजनीतिक मंचों से गूंज रहा,
कोई आवाम को भटका रहा,
नहीं तो वाचाल जाल में फंसा रहा,
वोट बैंक की चिंता में डरा जा रहा,
घटतीहुई जनादर से घबराया जा रहा,
भीड़ को बातों से भड़काया जा रहा,
यह 'बंधक' शब्द तो यों ही उछाला जा रहा।।
बंधक कौन, कैसे, कबसे, किनसे है जनाब,
आजाद भारत में भला बंधक होगा कोई साहेब?!
क्यों अपने भ्रमजाल में बंधक बनाने चले हो आप,
शांत-प्रशांतमय माहौल में क्यों व्याप्त कर रहे हो ताप।
स्वतंत्रता सेनानियों से जानो बंधक का जवाब ।
आपातकालीन दौर से पूछो बंधक का रुबाब,
कश्मीरी विस्थापितों का देखो बंधक का हाल साहब,
बंग्लादेशी अल्पसंख्यकों से बंधक का मतलब,
पाकिस्तान में बंधक कौन-कैसे है जानो जनाब।
बंधक बंधक बंधक कह क्यों बेकर में बहकारहे हो साहब।
यह हिन्दुस्तान है हिन्दुस्तान, बंधक नहीं बंधु है सब,
देश अहम है, हर नागरिक सम-समान है सच अब,
धरती मेरी माता, सभी से है मेरा नाता मानेंगे जब,
देश की सेवा, तरक्की में हाथ बटायेंगे एक हो तब।
कोई भी बंदा बंधक नहीं बंधुत्व भाव है यहाँ सही,
बंधक नहीं बंधु बनकर रहेंगे क्या हम सब नहीं ?!
कट्टरता छोड़ मिलकर रहेंगे तो खुलकर पनपेंगे ।
बंधक बनानेवालों को त्यागकर बंधु भाव जगाएंगे।।

हवा

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

हरेक रुख से जब हवा चलती है।
गोरी ख़ुद मे ही सिमटती है।
ठण्डी ठण्डी हवा और तेरी यादें
मेरे अक़्स मे क्यों पिघलती है।
जिंदगी की राह मे ऐय हमसफ़र
तुझसे ही दूरी क्यों खलती है।
जब तुम पास रहते हो मेरे हुज़ूर
साँस मेरी तेज़ तेज़ क्यों चलती है।
एक हवा यादों का झोंक बनकर आई
और एक दिल ही दिल मे तड़पती है।
हवा न दो मेरे ज़ख़्मों को मेरे सनम
ज़ख़्मों मे एक टीस सी उभरती है।
घटा संग हवा भी संदेसा लाई है
रेणू बिन तेरे न सजती न संवरती है।

कीमत कोई भी हो..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जीवन में सबसे बेशकीमती स्वाभिमान होता है
उसी के सहारे उल्लासित दिनमान होता है
अगर इसे ही दाव पर लगा दिया जाए
बस एक खंडहर मचान होता है
सोचो, नहीं सोचा तो अब तो भी सोचो
अन्यथा
चौरसते का मजार रहता है
कीमत कोई भी हो
आदमी अगर बिक जाए
तो कौड़ी का नहीं रहता
पांडव अपनी उत्कृष्ट पहचान रखते थे
उगते हुए सूरज की तरह सम्मान रखते थे
लेकिन शकुनि की कुटिलता समझ नहीं पाए
दीप्त उजाले में बेचैन रहते थे
सांप सीढ़ी का खेल है भईया अनोखा
समझे तो ठीक
अन्यथा बेताल रहता है
कीमत कोई भी हो...
लक्ष्मण रेखा के अंदर रहे
तो सिर पर बैठाया जाता है
फूल मालाओं से सहराया जाता है
अहम के चक्रव्यूह में अगर फंस गए
उलझनों में उलझ कर रह जाता है
है तो सही कंटीली राहें
संभल कर चले तो किनारे
अन्यथा जर्जर खलियान रहता है
कीमत कोई भी हो..

मुखौटे

हेमंत सुराना,
उदयपुर

कभी खास बनकर,
कभी सहायक बनाकर
झूठी शान के मुखौटे लगाकर,
चल रहे हैं लोग
सच को छुपाते मुखौटे,
खुद की पहचान से डरते
भिन्न-भिन्न किरदार निभाते,
चेहरे पर चढ़े हैं मुखौटे
कभी किसी के प्रभाव में,
कभी किसी के अभाव में
अच्छे बोल के दिखावे करते,
दोस्त से दुश्मन बन जाते
मीठा बोलकर सभी को लुटते,
जहर में डूबे किरदार निभाते
कौन है अपना, कौन पराया,
इस पहेली को सुलझा ना पाया
कैसे ढूंढे, कैसे ढूंढे,
रोज नये मुखौटे गढ़ जाते
भ्रम के मुखौटे को, चेहरे से हटाओ
सच्चाई के चेहरे को, दुनिया को दिखाओ ।

जनम जनम

टी तारासिंह
हैदराबाद

सपनो मे खो मत जाना
सोलवा सावन मे बहक न जाना
एक दूसरे के दिवाने हो तो
जनम जनम की कस्मे खाना है
एक दूसरे का साथ निभाना है
खुशी हो या गम साथ निभाना है
इस दर्द भरी दुनिया मे
एक दूसरे का साथ देना होगा
एक आशियाना अपना बना लेना
समझौता प्यार का किया है तो
उमर भर साथ निभाना होगा
खुशियां दी है रब ने
गुरूर कभी मत करना
एक दूसरा का सहारा बनकर
इस दुनिया मे जीना होगा ।।

घर का पता

डॉ डी डी देसाई

एक रसोई यहाँ भी है माँ...
पर अंजान...पराई सी लगती है।
धान की कमी नहीं है कोठरियों में,
फिर भी यह खाली, बेजान सी लगती है।
वह मायके का हँसना.... हुदम मचाना..
सब कुछ बंदिश सा लगता है।
वह देर रात सोना...देर से उठना...
यहाँ की सुबह भी बड़ी जल्दी होती है।
तुम्हें शिकायत थी न मुझसे माँ....
अब मैं जल्दी उठती हु...
सब काम करती हु.।
सुबह की ठंड अब महसूस होती नहीं,
चूल्हे की आग जैसे लगती ही नहीं...।
गोल गोल मेरी रोटियाँ अब नहीं जलती।
एक बार तुम आकर देख लेना माँ..
अब मैं अँधेरे से भी नहीं डरती।
तुम हमेशा कहती थी न माँ....
शादी के बाद तुझे पाता चलेगा....।
चल गया माँ...सब पाता चल गया।
बिस्तर है पर तुम्हारी गोद नहीं है,
यादें है...सुकून भरी नींद नहीं है।
भोजन है...तुम्हारे हाथ का निवाला नहीं है।
पुकारते तो रोज ससुर ज़ी भी है...
पर वह पापा वाला एहसास नहीं है।
माँ.... नया घर सजने – सवरने नहीं देता,
बात – बात पर बिघड़ने नहीं देता।
जिम्मेदारियाँ देर तक सोने नहीं देती।
और थकान है कि उठने नहीं देती।
रोज एक नया सवेरा है माँ....
रोज एक नई कहानी है।
हर बार नया किरदार निभाऊँ कैसे...?
बहुत कुछ कहना है...मैं कहूँ कैसे....?
मायका है बहुत दूर मैं मिलूँ कैसे...?
सोचा एक खत लिखूँ पिताजी के नाम,
पर घर बेच कर ही मरी शादी की थी...
खत पर घर का पता लिखूँ कैसे...?

आई तीज की रुनझुन!

प्रियंका सौरभ

पीपल के नीचे झूला पड़ा,
सावन लेकर तीज चढ़ा।
हरियाली में सजी धरा,
माँ ने माथे तिलक धरा।
घेवर, गुझिया, मालपुआ,
खुशियों से भर गया दूआ।
मेंहदी रचती हाथों में,
चूड़ियाँ छनकें बातों में।
लाल चुनरिया उड़-उड़ जाए,
घूंघट से मुस्कान आए।
गाँव गली सब गा उठे गीत,
बिटिया बोले - आई है तीज!
झूले पे झूमें सखियाँ प्यारी,
हँसी बिखेरे सावन सारी।
छोटी गुड़िया बोले मम्मी,
मेरे भी हाथों में रच दो मेंहदी!
दादी ने सुनाई तीज की बात,
पिया मिलन की प्यारी सौगात।
बच्चे बोले - वाह, मज़ा आ गया!
तीज ने तो मन हरा-भरा कर दिया!

बदरा सावन के कैसे भाये

मनीषा मंजरी
दरभंगा

जिन नयनों में हों दर्द के साये,
उसे बदरा सावन के कैसे भाये,
जो भाव मन के मूक-बधिर हो जाए,
तो क्षितिज पर घटा कैसे गहराए।
जब संगीत जीवन का रुग्ण हो जाए,
नृत्य मयूर का भी तब देखा ना जाए,
जो आश्रय की छत हीं बेघर हो जाए,
तो बूंदें बारिश की भी चोटिल कर जाए।
दिन मिलन के यादों की टीस बढाए,
और झूले सावन के आलोचक बन जाए,
कोयल की बोली फिर रास ना आये,
ये सावन कैसा जो बंजरता लाये।
नदियाँ बांधों के बस में ना आये,
अब जाने कितने ये शहर डुबाये,
कल्पना की वो पुल जो तुझ तक पहुंचाए,
ये बहाव उसे भी संग ले जाए।
तपन सूरज की बदरा में समाये,
पर नयनों में बसा सावन बरसने से कतराए,
जाने हृदय की धरती कितनी तप जाए,
कि अश्रु आँखों तक पहुँच ना पाए।
ये बूंदों की अटखेलियां तन को छू जाए,
पर मन पर शून्यता की बेहोशी है छाये,
इस हरे रंग में धरती रंग जाए,
पर कोरी स्याही हीं कुछ लकीरों को भाये।
कभी सावन में वो जो कागज़ के नाव चलाये,
अब झरोखे में ठहर कर वक़्त बिताये,
आयामों का सौंदर्य कभी जिन्हें लुभाये,
वो अब बंद किवाड़ों में खुद को हैं छुपाये।
जिन नयनों में हों दर्द के साये,
उसे बदरा सावन के कैसे भाये,
जो भाव मन के मूक-बधिर हो जाए,
तो क्षितिज पर घटा कैसे गहराए।

इतनी हिंसा क्यों ?

कुमुद बाला,
हैदराबाद

हिंसा ही है , हर धर्म की दुश्मन ,
कभी बेड़ा पार नहीं होगा
धर्म ही भक्ति,शक्ति व मुक्ति,
कर युक्ति,बेड़ा पार तभी होगा
जो दिलों को जोड़ दे ,
वह धर्म कहलाता है
विचारों को जो मोड़ दे , धर्म कहलाता है
जो दूरियाँ उत्पन्न करे , धर्म नहीं अधर्म है
जो संस्कृति धारण करे वह धर्म कहलाता है
गर चुनौती दें हम रूढिवादिता को ,
बेड़ा पार तभी होगा
धर्म ही भक्ति,शक्ति व मुक्ति,
कर युक्ति,बेड़ा पार तभी होगा
भक्ति से ही संभव, परमात्मा का साक्षात्कार
जीवन की चुनौती में ,जीवन का सरोकार
जीवन में ही दर्शन व दर्शन में ज्ञान - ध्यान
ज्ञान विज्ञान की बगिया में, भक्ति की जयकार
है शिक्षित समाज में नारी का सम्मान, बेड़ा पार तभी होगा
धर्म ही भक्ति,शक्ति व मुक्ति,कर युक्ति,बेड़ा पार तभी होगा
आतंकवाद का खात्मा ही, लक्ष्य मानवता का
विश्वगुरू है भारत, यही यथार्थ पवित्रता का
धर्म ही अनुशासन ,जो वक्ता स्पष्टवादिता का
उज्ज्वल मन ,विशुद्ध वाणी, खात्मा दानवता का
अनुशासित जीवन का लक्ष्य असीमित ,बेड़ा पार तभी होगा
धर्म ही भक्ति,शक्ति व मुक्ति,कर युक्ति,बेड़ा पार तभी होगा

रिश्तों की बुनियाद

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

चरमराने लगी है रिश्तों की बुनियाद,
जैसे ताश-पत्तों के महल की दीवार,
धराशाई होती भावनाओं की मीनार,
संवेदनशीलता की डूबती नैया और पतवार।
ये कौनसी संस्कृति और सभ्यता का,
इतिहास गढ़ा जा रहा है?
वैवाहिक जीवन के प्रारंभ से पूर्व ही,
उसकी परिणति का अध्याय लिखा जा रहा है।।
ये कैसी पैशाचिक मानसिकता का दौर है,
कि अग्नि को साक्षी मानकर,
सात फेरों की परिक्रमा कर,
वचनबद्धता का आडम्बर कर,
फिर नवविवाहित पर वार किया जाता है,
निर्ममता के साथ मौत के घाट
उतार दिया जाता है??
दैत्य और दानवों से भी निकृष्ट हो गये,
कुछ हिंसक लोग।
मानवता भी रो पड़ी, सिसकियों में डूबा मां का आंचल है,
हृदयाघात ने शरीर को पिंजर बनाया है।
विवाह की संस्था को अपमानित कर,
वहशीपन ने सभ्य समाज के संस्कारों पर
प्रश्नचिन्ह लगाया है।।

सावन बाग़ों का त्योहार

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

ना बरगद की शाखाएं।
सावन माह मुहोब्बत
वाला बन गया दंत कथाएं।
होटलों बीच मनाया जाता
बाग़ों का त्योहार।
नकली गहने नकली
वस्त्र नकली हार श्रृंगार।
नकली वृक्षों भीतर
चलतीं मोटर साथ हवाएं।
ना कहीं वो झूले दिखते
ना बरगद की शाखाएं।
बापू जैसे खेत प्यारे कर दिए सब कर्ज़ाई।
परदेशों में पुत्र भेजे ख़बर ना कोई आई।
घर तो खालम खाली हो गए किस का दर खड़काएं।
ना कहीं वो झूले दिखते ना बरगद की शाखाएं।
हाकिम तेरी नीति में मादक द्रव्य की बुलंदी।
बदबू वन कर फैल गई है चारों ओर सुगंधी।
अर्थी भीतर पुत्र ढूंढें रो-रो कर माताएं।
ना कहीं वो झूले दिखते ना बरगद की शाखाएं।
ना कहीं अब पूड़े पकते ना खीर ना काजू कतली।
ना ही सखियां मिल कर बैठें ना उमंग की तितली।
सिर्फ स्वार्थ में उठती हैं एक दूजे की बलाएं।
ना कहीं वो झूले दिखते ना बरगद की शाखाएं।
घर-घर भीतर इक बच्चे की सुनती है किलकारी।
चाचा चाची ताऊ वाली खत्म हुई सरदारी।
रिश्तों के संबोधन टूटे किसको क्या कहलाएं।
ना कहीं वो झूले दिखते ना बरगद की शाखाएं।
बंदे की बर्बादी के हथियार बनाए जाते।
सीमा धरती अवहरना में बम्ब चलाए जाते।
आधुनिकता का दौर बढ़ा है बढ़ गई हैं घटनाएं।
ना कहीं वो झूले दिखते ना बरगद की शाखाएं।
जिस में जन्नत वाली होती थी इक मीठी रीत।
साझा वाली उल्फ़त वाली मर्मस्पर्शी प्रीत।
लैम्प दीए की लौ वाले प्रकाश कहां से लाएं।
ना कहीं वो झूले दिखते ना बरगद की शाखाएं।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

यूपीआई नहीं कैश मांग रहे दुकानदार

साल की शुरुआत में खबर आई थी कि तमिलनाडु में एक गोलगप्पे बेचने वाले को जीएसटी विभाग की ओर से एक साल में 40 लाख रुपए से कम पर नोटिस मिला। दरअसल, यूपीआई से पेमेंट लेने के चलते उसकी आमदनी विभाग की नजर में आ गई। इस खबर ने सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोरी थीं। आजकल देश की आईटी कैपिटल बेंगलुरु में भी यूपीआई पेमेंट को लेकर समस्याएं आने लगी है। यहां के कई मोहल्लों की दुकानों पर अब QR कोड वाले स्टिकर नहीं दिख रहे हैं। उनकी जगह अब प्रिंटआउट या हाथ से लिखे नोट लगे हैं। इन पर लिखा है, 'यूपीआई नहीं, सिर्फ कैश।'

बेंगलुरु डिजिटल पेमेंट में हमेशा आगे रहा है। लेकिन अब छोटे दुकानर यूपीआई पेमेंट की जगह कैश मांग रहे हैं। कुछ दुकानदारों ने बताया कि उन्होंने यूपीआई का इस्तेमाल कम कर दिया है। कुछ ने तो पेमेंट ऐप्स का इस्तेमाल ही बंद कर दिया है। दरअसल बेगलुरू में भी पिछले दिनों हजारों छोटे व्यापारी जैसे सड़क पर खाने-पीने की चीजें बेचने वालों को यूपीआईविभाग से नोटिस मिले हैं। कुछ मामलों में तो ये नोटिस लाखों रुपये के हैं।

बेंगलुरु स्ट्रीट वेंडर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव एडवोकेट विनय के. श्रीनिवास ने कहा कि कई दुकानदारों को जीएसटी अधिकारी परेशान कर रहे हैं। इसलिए दुकानदार यूपीआई की जगह कैश पसंद कर रहे हैं। खबर है कि चार और राज्य आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और गुजरात की सरकारों ने यूपीआई ऐप्स और पेमेंट कंपनियों से परियों के सालाना टर्नओवर का डेटा मांगा है। दिल्ली में भी कई छोटे विक्रेता यूपीआई की जगह नकद को तरजीह देने लगे हैं।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के बाजार में सामान्य नागरिक बनकर यूपीआई के जरिए कुछ फल खरीदने चाहे, तो कुछ रेहड़ी वाले फल विक्रेताओं ने साफ मना कर दिया। हालांकि ऐसे विक्रेताओं की संख्या बहुत ज्यादा नहीं मिली जो यूपीआई पेमेंट नहीं ले रहे थे। वजह के बारे में पूछने पर एक बुजुर्ग विक्रेता ने बताया 'हमें इतनी तकनीक नहीं आती है और ना ही हम इसका पूरा सिस्टम समझ पाते हैं। इसलिए हम मेबाइल से पैसे नहीं लेते। वहीं एक अन्य विक्रेता से जब पूछा कि यूपीआई से पेमेंट क्यों नहीं स्वीकार कर रहे हैं, तो उन्होंने कंपनियों से समय पर पैसे न मिलने की बात कहीं। हालांकि कुछ दुकानदारों ने इसकी वजह उस अफवाह को भी बताया जिसके मुताबिक यूपीआई से 2000 रुपए से ज्यादा के लेन-देन पर सरकार टैक्स लगाएगी। एक विक्रेता ने कहा, 'पिछले दिनों खबर थी कि सरकार यूपीआई से 2000 से ज्यादा के लेन-देन पर टैक्स लगाएगी। उसके बाद से ही ग्राहक कैश में लेन-देन करने लगे हैं। हालांकि बाद में यह खबर अफवाह साबित हुई। जब पूछा कि क्या टैक्स की वजह से भी विक्रेता लेने से मना कर रहे हैं? इस जवाब में एक विक्रेता ने कहा, 'हमारी इतनी कमाई ही नहीं है।' हालांकि इनमें से कुछ दुकानदार ऐसे हैं, जो पहली बार कहने पर यूपीआई नहीं लेते। लेकिन अगर ग्राहक जोर देकर कहे उसके पास नकद नहीं है, वे छोटी रकम से लेने को तैयार हो जाते हैं। ग्राहक बनकर खरीदारी के दौरान एक विक्रेता ने हमें सिर्फ कैश में सामान देने की बात कही। लेकिन जब हमने कहा कि हमारे पास कैश नहीं है और सिर्फ पेमेंट ही एक रास्ता है, तो उन्होंने अपनी रेहड़ी पर छुपाकर रखा हुआ कार्ड निकाला।

उन्होंने कहा, यह पैसा मेरे मोबाइल में नहीं, बल्कि मेरी पत्नी के मोबाइल में जाता है। इसलिए मैं किसी मजबूरी में ही इससे पेमेंट लेता हूं। वरना कैश में ही काम करता हूं। वहीं एक अन्य दुकानदार ने कहा, 'हमें कंपनी की ओर से समय से पैसा नहीं मिलता है। मोबाइल से पैसे दीजिए या कैश दीजिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन कैश हमारे तुरंत काम आ जाता है। फिर सरकार की ओर से में तो कोई बाध्यता नहीं है कि हम यूपीआई ही लें या कैश ही लें।'

माना जाता है कि फाइनैंशल एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिर्फ टैक्स ही नहीं बल्कि कई अन्य पहलू में है जिनकी वजह से छोटे विक्रेता यूपीआई से पेमेंट लेने से बचते है। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अतुल गुप्ता के मुताबिक, यूपीआई से पेमेंट लेने का कोई नियम नहीं है, इसलिए इसकी कोई बाध्यता नहीं है। हालांकि यूपीआई से पेमेंट ना लेने की बड़ी वजह टैक्स नहीं बल्कि दूसरी है। मसलन पहली तो कंपनी की ओर से क्लियरिंग यानी पैसा समय से खाते में नहीं आना। यानी आप जो पेमेंट दुकानदार को करते हैं, वह तुरंत उनके खाते में नहीं आता, बल्कि कुछ समय बाद आता है। अब अगर कोई छोटा विक्रेता है और उसकी पेमेंट का बड़ा हिस्सा ही 10 दिन अटक गया, तो उसका काम तो रुक जाता है। फिर यह भी एक वजह है कि आप जो पेमेंट करते हैं, वह पूरा पैसा विक्रेता को नहीं मिलता। इसका एक छोटा हिस्सा प्रोसेसिंग फीस के रूप में कंपनी रख लेते है। यानी वह पूरी पेमेंट विक्रेता तक नहीं पहुंचती। तो जब यह प्रोसेसिंग फीस ज्यादा होने लगती है, तो कुछ विक्रेता यूपीआई पेमेंट लेने से बचते हैं।

डिग्री से ज्यादा जुनून और विजन जरूरी

सभी लोग अच्छे से अच्छे स्कूल कॉलेजों में अपने बच्चों को भेजना चाहते हैं। इसके लिए वे महंगी फीस भरने और बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं का भीड़ का हिस्सा तक बनाने से नहीं कतराते हैं। लेकिन क्या हो जब आपका बच्चा देश के बेहतर संस्थान से पढ़ने के बाद भी किसी जॉब इंटरव्यू में रिजेक्ट हो जाए? जी हां, इन दिनों एक ऐसा ही मामला सामने आ रहा है। एक स्टार्टअप फाउंडर का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है, जिसमें उन्होंने बताया कि चार आईआईटी ग्रेजुएट्स को अपनी कंपनी में काम पर क्यों नहीं रखा। आखिर ऐसी क्या वजह रही होगी कि एक स्टार्टअप कंपनी ने देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों से डिग्री लेने वाले युवाओं को रिजेक्ट कर दिया।

इस फाउंडर ने आईआईएम बेंगलुरु से स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट का ऑनलाइन कोर्स किया है। उसने कहा कि आईआईटी डिग्री होल्डर्स इन उम्मीदवारों के पास शानदार एकेडमिक रिकॉर्ड था। वे तकनीकी रूप से काबिल भी थे, लेकिन फिर भी स्टार्टअप फाउंडर ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा कि स्टार्टअप की शुरुआत में टीम का एनर्जी लेवल, सोच और एक-दूसरे के साथ तालमेल होना बहुत जरूरी होता है।

जब कोई आईआईटी जैसे देश के प्रतिष्ठित सरकारी संस्थान से पढ़ाई करे, तो उसे यह लगता होगा कि अब डिग्री हो तो करियर ब्राइट ही होगा। लेकिन इस मामले के सामने आने के बाद, उन्हें अपनी यह सोच बदलनी पड़ेगी। स्टार्टअप फाउंडर ने कहा कि उन्हें ऐसे लोग चाहिए, जो सपने देखने की हिम्मत रखते हों, रिस्क लेने को तैयार हों और कंपनी के विजन से खुद को जोड़ सकें। उन्होंने कहा, मुझे केवल इंजीनियर्स की जरूरत नहीं है। मैं ऐसे लोग चाहता हूं जो न सिर्फ डिग्री और स्किल्स लाएं, बल्कि जुनून और विजन भी लेकर आएं।

स्टार्टअप फाउंडर के मुताबिक स्टार्टअप की शुरुआत में सही वर्क कल्चर का बनना बेहद जरूरी है। इसलिए ऐसे लोगों को सिलेक्ट करना जरूरी है, जो कंपनी के लॉन्ग टर्म विजन से जुड़ सकें। हालांकि, फाउंडर ने बाद में यह कहा कि उन्हें IIT से कोई दिक्कत नहीं है। उनका कहना था कि वो डिग्री नहीं, कैंडिडेट की सोच और कंपनी के साथ उसका तालमेल ज्यादा देखते हैं।

इस मामले के सामने आने के बाद से लोगों के मन में यह सवाल उठ रहे हैं कि केवल बड़ी डिग्री ही सब कुछ है? या इंसान का विजन भी मायने रखता है? हालांकि, इससे यह तो स्पष्ट है कि लोगों को डिग्री के अलावा अपनी दूसरी स्किल्स पर भी फोकस करन चाहिए। वह दिन अब नहीं रहे, जब केवल और केवल आपकी डिग्रियां और एकेडमिक रिकॉर्ड देखकर आपको तुंरत नौकरी पर रख लिया जाता था।

आज के दौर में अगर आपने तेजी से हो रहे बदलावों को नहीं अपनाया और नई चीजों के साथ खुद को अपग्रेड नहीं किया, तो इतनी पढ़ाई-लिखाई भी आपको बहुत ऊंचाईयों पर लेकर नहीं जा सकती है। इस तरह के खबरों को हम अपने लिए बेहतर नजरिए से देख सकते हैं। ये हमें सीख देती हैं कि खुद को बदलते जॉब मार्केट के लिए कैसे तैयार किया जाए। क्योंकि सिर्फ एकेडमिक रिकॉर्ड एक्सीलेंट होने से कुछ नहीं होता। आपका विजन, टीम को साथ लेकर चलने का जज्बा और हर मुश्किल हाल में आपकी पॉजिटिव अप्रोच बहुत मायने रखती है।

जंगलराज शब्द कभी विपक्ष का हथियार, अब सत्ता की बेबसी

- अजय कुमार

बिहार में 'जंगलराज' शब्द महज एक आरोप नहीं, बल्कि दशकों से सत्ता बदलने का सबसे कारगर हथियार रहा है। लालू-राबड़ी शासन के वक्त अगर कोई एक लाठी सबसे ज़्यादा चली तो वो थी जंगलराज के नाम की। नीतीश कुमार ने इसी के दम पर खुद को 'सुशासन बाबू' के तौर पर गढ़ा और एनडीए की गाड़ी को पटरी पर रखा। लेकिन आज वही जंगलराज फिर से चर्चा में है, फर्क बस इतना है कि बोलने वाले अब विरोधी हैं और चुप रहने वाले सत्ताधारी।बीते दो महीनों की घटनाएँ देखिए राजधानी पटना के बीचों बीच दिनदहाड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मार दी जाती है। पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर व्यापारी का मर्डर बताता है कि अपराधियों को अब पुलिसिया कार्रवाई की परवाह नहीं रही। इससे पहले पारस अस्पताल में इलाजरत कुख्यात गैंगस्टर की हॉस्पिटल के अंदर घुसकर हत्या कर दी जाती है। पांच शूटर आते हैं, गोली मारते हैं और आराम से भाग जाते हैं। अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की भी हिम्मत नहीं होती और पुलिस पहुँचने से पहले बदमाश फरार हो जाते हैं। बाद में पुलिस ताबड़तोड़ गिरफ्तारी दिखा कर अपनी पीठ थपथपा लेती है, मगर आम लोग सवाल पूछते हैं क्या यही सुशासन है?

नीतीश कुमार के लिए ये हालत कितनी मुश्किल हैं, इसका अंदाज़ा इसी से लगाइए कि जो जंगलराज कभी उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा था, वो अब कहीं सुनाई नहीं देता। 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम मोदी की विशाल रैली में भी जंगलराज शब्द मंच से गायब रहा। जबकि यही मंच कभी लालू-राबड़ी शासन को घेरने का सबसे बड़ा हथियार होता था। मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी, विकास के आंकड़े गिनाए, लेकिन बिहार की सड़कों पर पसरी दहशत पर कुछ नहीं कहा।अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जंगलराज का जिक्र सत्ता पक्ष के लिए बोझ बन गया? दरअसल ये शब्द अब बूमरैंग बन चुका है। विपक्ष इसे लालू यादव के बीते दौर के बजाय नीतीश के मौजूदा कार्यकाल से जोड़ रहा है। तेजस्वी यादव बार-बार कह रहे हैं कि जब हर रोज़ मर्डर हो रहे हैं, अस्पतालों में गैंगवार हो रहा है, व्यापारी कत्ल हो रहे हैं तो ये जंगलराज किसका है? सोशल मीडिया पर तेजस्वी ने लिखा 'गुंडे सम्राट बन बैठे हैं और पुलिस अधिकारी बेबस रंक।' यही तंज नीतीश सरकार को सबसे ज़्यादा चुभ रहा है।

इसका बड़ा कारण यह भी है कि नीतीश सरकार के पास फिलहाल अपराध पर सख्त कार्रवाई का कोई ठोस खाका नजर नहीं आ रहा है। सिवान में एक ही रात में तीन लोगों की हत्या, नालंदा में दोहरी हत्या और पटना में खुलेआम गैंगवार ये सब अलग-थलग घटनाएँ नहीं हैं। ये हालात सरकार की कमजोर पकड़ और पुलिस प्रशासन के ढीले रवैये को दिखा रही हैं। डीजीपी ने हाल ही में कहा कि खेती-किसानी के खाली समय में बेरोजगारी के कारण अपराध बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि अगर अपराध बेरोजगारी से बढ़ रहे हैं तो बीते बीस साल में सरकार ने रोजगार देने के लिए कौन-सी ठोस नीति अपनाई? ऊपर से पुलिस के बड़े अधिकारी अब किसानों को अपराध का कारण बताकर बचना चाहते हैं और विपक्ष इसी बयान को जनता के बीच भुनाने में लगा है।

दूसरी तरफ बीजेपी भी उलझन में है। जंगलराज शब्द छेड़ने पर बिहार के वोटर सवाल पूछेंगे कि जब करीब डेढ़ दशक तक आप सत्ता में हिस्सेदार रहे, तो फिर हालात क्यों बिगड़ गए? यही वजह है कि पीएम मोदी ने भी लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के वार तो किए, लेकिन जंगलराज की लाठी निकालने से बचते दिखे। एनडीए की पूरी रणनीति अब विकास योजनाओं और केंद्र की सौगातों पर टिकी है ताकि लोग अपराध की बात भूल जाएँ। पर क्या वाकई लोग भूल जाएंगे? यहाँ समाज का नजरिया भी बदल रहा है। पहले जाति ही राजनीति का सबसे बड़ा बंधन थी। लालू यादव की राजनीति इसी जातीय समीकरण के दम पर चमकी। नीतीश ने विकास और कानून-व्यवस्था को जाति से बड़ा मुद्दा बना दिया था।

आसमानी आफत : बिजली गिरने के 4 संकेत

मानसून की शुरुआत होते ही देश के अलग-अलग राज्यों से आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में आकाशीय बिजली गिरने से अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश से भी भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की खबरें सामने आई हैं। ये घटनाएं भले ही प्राकृतिक हों, लेकिन कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर इनसे बचाव संभव है। आज जानते हैं कि आकाशीय बिजली गिरने की असली वजह क्या है? साथ ही जानेंगे कि किन लोगों को ज्यादा सावधान रहना चाहिए? आकाशीय बिजली के खतरे से खुद को कैसे बचाएं?

बादलों में मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ के कण हवा से रगड़ खाते हैं, जिससे उनमें बिजली जैसा चार्ज पैदा होता है। कुछ बादलों में पॉजिटिव और कुछ में नेगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब ये विपरीत चार्ज वाले बादल आपस में टकराते हैं तो बिजली बनती है। आमतौर पर यह बिजली बादलों के भीतर ही रहती है, लेकिन कभी-कभी यह इतनी तेज होती है कि धरती तक पहुंच जाती है। बिजली को धरती तक पहुंचने के लिए कंडक्टर की जरूरत होती है। पेड़, पानी, बिजली के खंभे और धातु के सामान ऐसे कंडक्टर बनते हैं। अगर कोई व्यक्ति इनके पास या संपर्क में होता है तो वह बिजली की चपेट में आ सकता है।

खेत, खाली मैदान, पहाड़ी इलाके नदी या तालाब के आसपास खुली और नम जगहों पर बिजली गिरने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इन इलाकों में मौजूद ऊंची या धातु की चीजें बिजली को आकर्षित करती हैं। जब आसमान में काले बादल हों, तेज हवा

चले, गरज के साथ तेज बरसात हो रही हो, तब बिजली गिरने की आशंका बढ़ जाती है। जून से सितंबर महीने के बीच यह खतरा सबसे ज्यादा होता है। बिजली गिरने से पहले वातावरण में कुछ संकेत नजर आते हैं, जिनसे खतरे का अंदेशा लगाया जा सकता है। आकाशीय बिजली से बचाव के लिए '30-30 नियम' बेहद कारगर है। अगर बिजली दिखने के 30 सेकेंड के भीतर गड़गड़ाहट सुनाई दे तो तुरंत सुरक्षित जगह पर चले जाएं। आखिरी गड़गड़ाहट के बाद 30 मिनट तक बाहर न निकलें। ऐसे मौसम में कुछ बुनियादी सावधानियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

मोबाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण धातु से बने होते हैं, जो बिजली के फ्लो को आकर्षित कर सकते हैं। हालांकि मोबाइल सिग्नल से बिजली नहीं गिरती, लेकिन उसके धातु के हिस्से खतरा बढ़ा सकते हैं, खासकर जब आप खुले में हों। वहीं पेड़ ऊंचे होते हैं, इसलिए बिजली गिरने पर सबसे पहले वही इसकी चपेट में आते हैं। जब बिजली पेड़ पर गिरती है तो उसकी एनर्जी जमीन में फैलती है। ऐसे में पेड़ के नीचे खड़े व्यक्ति को जोरदार करंट लग सकता है, जिससे जलने, बेहोशी या जान जाने तक का खतरा रहता है।किसान और मजदूर अक्सर खुले खेतों में काम करते हैं, जहां आसपास कोई ऊंची इमारत या सुरक्षित आश्रय नहीं होता है। ऐसे में व्यक्ति खुद ही कंडक्टर बन जाता है, जिससे उस पर बिजली गिरने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा खेतों में फावड़ा, दरांती, ट्रैक्टर, सिंचाई के पाइप जैसे धातु के उपकरणों का इस्तेमाल होता है। धातु बिजली का अच्छा चालक होती है, ये उपकरण भी बिजली को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है।

खेत में काम करते समय बादल गरजने या बिजली चमकने पर तुरंत काम रोक देना चाहिए और किसी पक्की इमारत या सुरक्षित आश्रय की ओर चले जाना चाहिए। खुले मैदान में नंगे सिर या धातु के औजारों के साथ खड़े रहना खतरनाक हो सकता है। अगर आसपास कोई पक्की बिल्डिंग नहीं है तो खुले में खड़े रहने के बजाय पैरों को एक साथ जोड़कर जमीन पर बैठ जाएं, लेकिन हाथों को जमीन से दूर रखें। इसके साथ ही कुछ अन्य सावधानियां बरतनी चाहिए। बिजली गिरने से झुलसे व्यक्ति में बिजली का असर तुरंत खत्म हो जाता है। वह दूसरों के लिए खतरा नहीं होता है। इसलिए डरें नहीं तुरंत उसकी मदद के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। आकाशीय बिजली से बचाव के लिए तकनीक काफी मददगार है। भारत सरकार और मौसम विभाग ने ऐसी कई सर्विसेज और एप्स विकसित किए हैं, जो समय रहते बिजली गिरने की चेतावनी देती हैं। इनसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने का समय मिल जाता है।

दामिनी लाइटनिंग अलर्ट एप

यह सरकारी एप आपके आसपास 20-40 किलोमीटर के दायरे में बिजली गिरने का अलर्ट देता है। जीपीएस के जरिए नोटिफिकेशन भेजता है और बचाव के उपाय भी बताता है।

ये भारत मौसम विभाग के एप है, जो पूरे देश में तापमान, बारिश, बिजली गिरने और मौसम की चेतावनियों की जानकारी देते हैं। ये लोकल लेवल पर भी अलर्ट देते हैं। कुछ राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश और ओडिशा ने अपने डिजास्टर मैनेजमेंट एप लॉन्च किए हैं, जो बिजली गिरने की स्थिति में लोकेशन-बेस्ड अलर्ट भेजते हैं।

भारत मौसम विभाग अपनी वेबसाइट और मोबाइल एप्स के जरिए मौसम संबंधी चेतावनियां और बुलेटिन जारी करता है। कई राज्यों में एसएमएस अलर्ट सिस्टम भी एक्टिव है, जो रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों पर बिजली गिरने और तूफान की चेतावनी भेजता है।

मखाना टॉप सुपरफूड के रूप में उभरा

स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारतीय सुपरफूड मखाना ने उपभोक्ताओं के बीच खास जगह बना ली है। फार्मली की 'हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025' के अनुसार 65 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिभागियों ने मखाने को अपनी पहली पसंद बताया है। रिपोर्ट में हेल्थी स्नैक्स की ओर मजबूत बदालाव की भी चर्चा की गई है। 55 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता अब सक्रिय रूप से प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस अलावा, आधे से ज्यादा लगभग 52 प्रतिशत ऐसे स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जो दोबारा सील होने वाली, पर्यावरण- अनुकूल पैकेजिंग में आते हैं। यह पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

सर्वेक्षण के अनुसार उपभोक्ताओं के बीच सुविधा एक प्रमुख कारक बनी हुई है। लगभग 45 प्रतिशत अपभोक्ता बार और सूखे मेवे आधारित मिठाइयों जैसे चलते-फिरते नाशते को पसंद करते हैं। नमकीन विक्लपों में मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं। इससे बाजार में स्वस्थ नाश्ते के विकल्पों की एक नई लहर चल पड़ी है।

इन रुझानों से यह संकेत मिलता है कि उपभोक्ता अब सेहत पर केंद्रित, टिकाऊ और सुविधाजनक स्नैक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है, जो बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसार अपने उत्पाद पेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरे हैं। 36 प्रतिशत उपभोक्ता उत्तरदाताओं ने भुने हुए और स्वादयुक्त सूखे मेवों को सबसे पसंदीदा नमकीन नाश्ते के रूप में पसंद किया। वहीं 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष रूप से मखाना को चुना, जो आधुनिक समय के सुपर-स्नैक में इस परिवर्तन को दर्शाता है। यह बढ़ती लोकप्रियता भारत सरकार द्वारा बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की हाल की घोषणा के अनुरूप है। निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में मखाना बोर्ड का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य राज्य के प्रमुख मखाना उद्योग को बढ़ावा देना है। हालांकि नए प्रारूप लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन चिप्स और वेफर्स जैसे पारंपरिक विकल्प अभी भी बरकरार हैं। 14 प्रतिशत लोग इन्हें चुनते हैं, इसके बाद 10 प्रतिशत नमकीन और 9 प्रतिशत लोग खाखरा जैसे मल्टीग्रेन स्नैक्स चुनते हैं। मीठे स्नैक्स भी विकसित हो रहे हैं, जबकि चॉकलेट भारत में हमेशा से पसंदीदा रहा है,। मूंगफली का मक्खन, हेजलनट और पिस्ता जैसे मेवे अब स्वाद और स्वास्थ्य के मिश्रण के कारण पसंद किए जा रहे हैं।

ब्रांड लॉयल्टी, जो पहले पारंपरिक बड़ी कंपनियों तक सीमित थी, अब कई प्लेटफॉर्म्स पर फैल रही है। जहां एक ओर ऑफलाइन स्टोर अब भी योजनाबद्ध खरीदारी और खोज का प्रमुख जरिया बने हुए हैं, वहीं क्विक कॉमर्स और इन्फ्लुएंसर-चालित कंटेंट की बदौलत अचानक स्नैकिंग की आदतों में तेजी आई है। खासतौर पर जेनरेशन जेड और मिलेनियल्स उपभोक्ताओं में यह प्रवृत्ति अधिक देखी जा रही है। यह पैकेज्ड स्नैक्स को साप्ताहिक रूप से पुराने उपभोक्ताओं की तुलना में दोगुनी दर (43 प्रतिशत बनाम 28 प्रतिशत) पर ऑर्डर करते हैं। इस बीच, टियर 2 और टियर 3 शहर क्षेत्रीय खिलाड़ियों को तेजी से अपना रहे हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन की ताकत न होने के बावजूद, निरंतर गुणवत्ता और सामुदायिक उपस्थिति के जरिए गहरा विश्वास हासिल करते हैं। यह एक व्यापक सांस्कृतिक बदलाव का संकेत देता है जहां पारदर्शिता, विश्वसनीयता और स्थानीय जुड़ाव, स्वाद और मार्केटिंग पहुंच जितना ही महत्वपूर्ण हैं।

सावन में रुद्राक्ष पहनने से क्या लाभ मिलते हैं

रुद्राक्ष वो बीज है जो शिव के आंसुओं से उत्पन्न हुआ है, इस पर महादेव की विशेष कृपा बरसती है। सावन में रुद्राक्ष धारण करने का आध्यात्मिक महत्व, नियम जान लें, इसके अनेक लाभ हैं।

ग्रंथों के अनुसार जगत के कल्याण के लिए कई सालों की तपस्या के बाद जब भगवान शंकर ने आंखें खोलीं तो उनकी आंखों से आंसू गिर आए। इसी से रुद्राक्ष के पेड़ की उत्पत्ति हुई। चूंकि सावन शिव का महीना है और रुद्राक्ष में शिव का वास होता है इसलिए सावन में जो रुद्राक्ष धारण करता है वह सिद्ध फल प्राप्त करता है।

सावन के सोमवार, शिवरात्रि, प्रदोष व्रत जैसी मुख्य तिथि पर रुद्राक्ष धारण करना बेहद लाभकारी है। इसके लिए सर्वश्रेष्ठ समय प्रातःकाल होता है। इस समय वातावरण शुद्ध और शांत होता है, जिससे रुद्राक्ष की ऊर्जा को आसानी से अवशोषित किया जा सकता है।

पहले लाल कपड़े पर रुद्राक्ष को रखकर पूजा स्थल या शिवलिंग पर रख दें और पंचाक्षरीय ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। फिर इसे गंगाजल से धोएं और पंचामृत में डुबोकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद धारण करें।

रुद्राक्ष हमेशा लाल धागे में पहना जाता है, इसे पहनने के बाद सात्विक दिनचर्या का पालन करें तभी इसका फल प्राप्त होता है अन्यथा ये अशुद्ध हो जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि रुद्राक्ष पहने के 7 या 21 दिन में वो असर दिखाना शुरू कर देता है, लेकिन इसके लिए अपनी जीवनशैली में नियमों का पालन बेहद जरुरी है, तभी इसका फल मिलता है।

रुद्राक्ष को श्मशान घाट, नवजात शिशु के जन्म के दौरान, या यौन संबंधों के समय नहीं पहनना चाहिए।

कामिका एकादशी पर कौन सा दुर्लभ संयोग बनेगा ?

व्रतानामपि सर्वेषां मुख्यं एकादशी व्रतम - सभी व्रतों में से एकदशी पालन करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण या शुभ व्रत है। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति के लिए सबसे पुण्यदायी है। पापों से मुक्ति, सुख-समृद्धि, और मोक्ष की प्राप्ति कलियुग में एकादशी व्रत की महीमा खास है।

एकादशी पर उपवास का प्राथमिक उद्देश्य मन और शारीरिक इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त करना और इसे आध्यात्मिक प्रगति की ओर ले जाना है। इस साल कामिका एकादशी व्रत 21 जुलाई 2025 को रखा जाएगा, इस एकादशी पर बेहद दुर्लभ संयोग बन रहा है ऐसे में किन लोगों पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी जानें।

कामिका एकादशी पर महासंयोग

अभी चातुर्मास चल रहे हैं और सावन चातुर्मास का पहला महीना है। सावन में शिव जी के अलावा विष्णु जी की पूजा का खास महत्व है। खास बात ये है कि सावन की पहली कामिका एकादशी सावन सोमवार के दिन पड़ रह है। ऐसे में हरि-हर दोनों की पूजा का संयोग बन रहा है।

पंचांग के अनुसार इस दिन रोहिणी नक्षत्र भी रहेगा और वृद्धि योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही सूर्य और बुध के कर्क राशि में होने से बुधादित्य योग बनेगा। इस दिन शुक्र वृषभ राशि में रहेंगे इससे मालव्य राजयोग बनेगा।

कामिका एकादशी पर बन रहे वृद्धि योग को एक शुभ योग माना गया है। यह योग जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता लेकर आता है।

कामिका एकादशी पर बरसेगी लक्ष्मी कृपा

कामिका एकादशी पर बन रहे शुभ संयोग का लाभ व्रती को मिलेगा। धार्मिक मान्यता है कि जो लोग एकादशी के दिन भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाते हैं उन पर मां लक्ष्मी मेहरबान होती हैं।

विष्णु और माता लक्ष्मी जी को कमल का फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

केसर और दूध श्रीहरि को चढ़ाने पर दरिद्रता का नाश होता है।

वास्तु के ये प्रभावशाली चिन्ह घर में लाते हैं सुख-समृद्धि

वास्तु के अनुसार यदि घर में कुछ प्रभावशाली चिन्ह को रखा जाए, तो घर में सुख-समृद्धि वास करती हैं। साथ ही बरकत और खुशहाली पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, आइए इसके बारे में जानते हैं...

हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ मंगलकारी चित्र, छाप या मांडना से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। यह मंगल प्रतीक सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाते हैं। इन्हें घर के द्वार, मंदिर या दीवारों पर उचित दिशा में लगाना चाहिए।

ओमः

ॐ अनहद नाद का प्रतीक है। ब्रह्मांड में इसी तरह का नाद लगातार गूंज रहा है। ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भूः लोक, भुवः लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। यह धर्म में हमारी आस्था को बढ़ाता है।

स्वास्तिक

स्वस्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' दोनों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है शुभ और 'आस्तिक' का अर्थ है होना यानी जिससे 'शुभ हो', 'कल्याण हो' वही स्वस्तिक है। द्वार पर और उसके बाहर आसपास की दोनों दीवारों पर स्वास्तिक का चिन्ह लगाने से वास्तुदोष दूर होता है और शुभ मंगल होता है। इससे दरिद्रता का नाश होता है।

पंचसूलक

हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी पंचसूलक की छाप सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाती है।

कमल

हिन्दू पुराणों के अनुसार कमल के फूल की उत्पत्ति भगवान विष्णु जी की नाभि से हुई है और कमल के फूल से ब्रह्माजी की उत्पत्ति मानी जाती है। कमल के पुष्प को ब्रह्मा, लक्ष्मी तथा सरस्वती जी ने अपना आसन बनाया है। कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह दोनों से निर्लिप्त रहकर पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कहते हैं कि कमल के फूल की ही तरह सृष्टि और इस ब्रह्मांड की रचना हुई है और यह ब्रह्मांड इसी फूल की तरह है। मंदिरों के गुंबद और स्तंभों पर कमल की आकृति बनाई जाती है। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक है।

त्रिशूल

त्रिशूल 3 प्रकार के कष्टों दैनिक, दैविक, भौतिक के विनाश का सूचक भी है। यह महाकालेश्वर के 3 कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) का प्रतीक भी है। यह बुरी शक्तियों को रोकता है।

कलश

समुद्र मंथन के दौरान अंत में भगवान धन्वंतरि देव अमृत से भरा कलश लेकर निकले थे। यह कलश उसी का प्रतीक है। कलश को सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य देने वाला तथा मंगलकारी माना जाता है। कलश के मुख में भगवान विष्णु, गले में रुद्र, मूल में ब्रह्मा तथा मध्य में देवी शक्ति का निवास माना जाता है। कलश में जल होता है। उसके मुख पर श्रीफल रखते हैं। जल विष्णु और वरुण देव का प्रतीक है और श्रीफल माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है।

नमस्ते

यह स्वागत का चिन्ह है जो द्वार के दोनों ओर लगाया जाता है। यह अतिथियों के मन में सकारात्मक भाव को लाता है और सौहार्द और विनम्रता का संचार करता है।

शंख

शंख को नादब्रह्म और दिव्य मंत्र की संज्ञा दी गई है। शंख समुद्र मंथन के समय प्राप्त चौदह अनमोल रत्नों में से एक है। लक्ष्मी के साथ उत्पन्न होने के कारण इसे लक्ष्मी भ्राता भी कहा जाता है। शंख सूर्य व चंद्र के समान देवस्वरूप है जिसके मध्य में वरुण, पृष्ठ में ब्रह्मा तथा अग्र में गंगा और सरस्वती नदियों का वास है।

दीपक

सुन्दर और कल्याणकारी, आरोग्य और संपदा को देने वाले दीपक समृद्धि के साथ ही अग्नि और ज्योति का प्रतीक भी है।

मछली

वास्तु के अनुसार यह मछली का चित्र या छाप घर में खुशहाली और शांति को कायम करके उन्नति के रास्ते खोलती है। मछली अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, धन और शक्ति का प्रतीक है। इस छाप को आप अपने घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही लगा सकते हैं।

सिर्फ दिशाओं में रंगानुरूप लगाएं स्वास्तिक और पाएं लाभ

आजकल बाजार में वास्तु के अनुरूप स्वास्तिक रेडीमेड मिल रहे हैं। जिन्हें आपको सिर्फ खरीद कर लाना है और अपने घर में उनको चिपका लेना है। इसके बाद आपको कुछ ही दिनों में फायदा नजर आने लगेगा। यहां इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि वास्तु रेमेडिज का फायदा लेने के लिए कम से कम तीस से साठ दिन का इंतजार करना होता है। ये कोई ऐलोपैथी की दवा नहीं है कि आपने इधर से ली और उधर से आपको फायदा नजर आने लगा। दरअसल वास्तु दोषों में नुकसान होने में भी समय लगता है और सुधार होने में भी समय लगता है। वापिस मुद्दे की बात पर आते हैं कि किस दिशा में कौनसा स्वास्तिक लगाएं ताकि वास्तुदोषों से होने वाली हानि को रोका जा सके। अक्सर स्वास्तिक बनाने की बात सामने आती है तो लाल रंग ही कल्पना में आता है। जबकि घर में दिशा के रंगों के अनुरूप ही वास्तु स्वास्तिक लगाए जाने चाहिए। हर

दिशा में लाल रंग का स्वास्तिक काम नहीं करेगा। घर की उत्तर दिशा पानी का प्रतीक है और पानी का रंग नीला माना जाता है।

आपने गाना सुना होगा ब्लू है पानी-पानी। ऐसे में उत्तर दिशा में नीले रंग का स्वास्तिक लाकर लगा दीजिए। घर की उत्तर दिशा में यदि नीले रंग का स्वास्तिक लगा दिया जाए तो ये घर के सदस्यों के कैरियर में बड़ा योगदान देता है। इसी प्रकार घर की पूर्व दिशा हरे रंग का प्रतिनिधित्व करती है। घर की पूर्व दिशा में आपको हरे रंग का एक स्वास्तिक लगा देना चाहिए। इससे घर के मुखिया का स्वास्थ्य का पाया मजबूत रहेगा और उसके प्रभावशाली लोगों से संबंध स्थापित होंगे।

काले रंग का स्वास्तिक आपको पश्चिमी दिशा में लगाना चाहिए। ये स्थापित स्वास्तिक आपको धन लाभ देने में मददगार साबित होगा। दक्षिण दिशा में आपको भूरे रंग का स्वास्तिक बनाना चाहिए। इसी प्रकार आपको अग्निकोण यानि की अपने घर के दक्षिण पूर्वी कोने में लाल रंग का स्वास्तिक बनाना बहुत अच्छा रहेगा। यदि रसोई अग्निकोण में बनी है तो उसमें आपको लाल स्वास्तिक बना देना चाहिए।

इशान कोण में यदि आप स्वास्तिक बनाते हैं तो वह आसमानी रंग में हो तो बहुत फायदा देता है। इसी प्रकार यदि आप नेत्रत्य कोण यानि दक्षिण पश्चिमी कोने में स्वास्तिक बनाते हैं तो आपको हल्के गुलाबी या लेमन रंग में बनाना चाहिए। इसी प्रकार वायव्य कोण यानि की उत्तर पश्चिम कोण में आपको सफेद रंग का स्वास्तिक अच्छा होता है।

लग गई है किसी की बुरी नजर! घर के मंदिर में रखी इस चीज से दूर भगाएं बला

हिंदू धर्म में किसी को बुरी नजर लगने का विश्वास सैकड़ों वर्षों से चलता आ रहा है। आपको याद होगा अक्सर दादी-नानी के घर जाने पर वह कुछ न कुछ टोटका करके बुरी नजर को उतारती थीं। लोगों का मानना है कि किसी की बुरी नजर से व्यक्ति के जीवन में अशुभ घटनाएं घट सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसा सरल और घरेलु उपाय बताएंगे जिससे अपनाकर आप अपना और अपन घरवालों को बुरी नजर से बचा सकते हैं।

घर की किस चीज आएगी काम?

घर के मंदिर में आपके यहां कपूर तो हमेशा रखा ही रहता होगा। यह कपूर पूजा-पाठ के साथ-साथ नजर उतारने के भी काम आता है। इसके अलावा, मान्यता है कि कपूर का धुआं वातावरण को भी शुद्ध करता है और आसपास की निगेटिव एनर्जी भी दूर करता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य चिराग दारूवाला से जानेंगे कि कैसे कपूर के प्रयोग से बुरी

नजर से बचाने के उपायों के बारे में।

कपूर से नजर उतारने का तरीका

कपूर का दीपक जलाना

कपूर के एक टुकड़े को किसी दीपक में रख कर जलाएं। अब इसे किसी कांसे या फिर चांदी के बर्तन (थाली, प्लेट आदि) में रखें। अब अपने घर के हर एक कोने में इसे घुमाएं। इसके बाद जिस घर के सदस्य को नजर लगी है उसके पास भी इसे ले जाएं। इससे आपके घर से बुरी नजर का साया हट जाएगा।

सिर पर कपूर घुमाना

अगर किसी जातक को नजर दोष की शिकायत हो, तो अपने सिर के ऊपर जलते हुए कपूर को घुमवाएं। याद रहे कि इसे 7 बार घुमाना है फिर किसी सुरक्षित स्थान पर रख दें। फिर इसके बाद कपूर को अपनी चुटकी में समेटें और घर के बाहर फेंक दें।

कपूर से पूजा करना

घर के मंदिर में एक कपूर जलाएं और सभी सदस्यों को एक साथ खड़ा कर उनके सिर के ऊपर इसे घुमाएं। इसके साथ ही सावन में भगवान शिव को याद करें और ॐ नमः शिवाय" या "ॐ ह्लीं श्रीं क्लीं ह्लीं" मंत्र का जप करें। इससे घर पर बुरी नजर का साया दूर हो जाएगा।

संस्कृति के मुख्य बिंदु भी अब यंत्र तय कर रहा है

वासना आंख के कारण नहीं होती। वासना के कारण आंख अलग ढंग से तैयार हो जाती है। इसको हम समझें और एआई के युग में उम्र और वक्त को तय करें। सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले अपनी उम्र देखें। कितना समय वो इसको दे रहे हैं, उसका मूल्यांकन करें। क्योंकि सोशल मीडिया से जरा-सी अच्छी बात प्राप्त करने के लिए आप कई अलग बातों के माहौल से गुजरते हैं और उसी में उलझकर रह जाते हैं। सरकार इस मामले में एज-रेगुलेशन कब बनाएगी, यह अलग विषय है। पर आप अनुशासित हो जाएं, क्योंकि हमारे बच्चे मानसिक रूप से उतने परिपक्व नहीं, जितनी गुजरती पीढ़ी रही। अब तो सोशल मीडिया तय कर रहा है कि आपको कैसे नीरस करे और कैसे नीरसता से बाहर निकाले।

हमारी संस्कृति के मुख्य बिंदु भी अब यंत्र तय कर रहा है। हमने अपने प्रतीक चिह्न धीरे-धीरे छोड़ दिए हैं। शिखा, वस्त्र, बिंदी, माला- ये सब भेंट चढ़ गए हैं। लोग किस धर्म को छोड़ें और किस धर्म को अपनाएं, यह भी आने वाले समय में सोशल मीडिया और एआई तय करेगा।

कास्टिंग डायरेक्टर से एक्ट्रेस बनीं पहली फिल्म में मिला भूमि को अवॉर्ड

भूमि पेडनेकर ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इनमें कई फिल्में हिट रहीं और कई फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चल सकीं। हालांकि लगभग सभी फिल्मों में उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें सराहा गया। पढ़ाई के बाद उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इसके बाद उन्होंने बतौर एक्ट्रेस फिल्मों में काम करना शुरू किया। उनकी पहली ही फिल्म हिट रही। फिल्मों के अलावा वह दूसरे कामों को लेकर भी चर्चा में रहीं। आज उनके 36वें जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ अहम बातें।

यश राज फिल्म्स में किया असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर का काम

18 जुलाई 1989 को मुंबई में जन्मीं भूमि पेडनेकर के पिता सतीश पेडनेकर महाराष्ट्र सरकार में गृह और श्रम मंत्री रह चुके हैं। उनकी मां मुमित्रा पेडनेकर तंबाकू विरोधी कार्यकर्ता रह चुकी हैं। भूमि की एक छोटी बहन समीक्षा पेडनेकर हैं, जो एक वकील और मॉडल हैं। भूमि जब 15 साल की थीं तो उनके माता-पिता ने उन्हें पढ़ाने के लिए लोन लिया था। हालांकि उनकी स्कूल में कम उपस्थिति के कारण उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया। डेढ़ साल के अंदर ही भूमि को यश राज फिल्म्स में असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर के बतौर काम मिल गया।

शुरुआत में हिट रहीं भूमि की फिल्में

भूमि पेडनेकर ने यशराज फिल्म्स के साथ छह वर्षों तक बतौर असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर काम किया। इसके बाद भूमि ने पहली बार फिल्म 'दम लगा के हईशा(2015)' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम किया। इसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। उनकी पहली ही फिल्म काफी कामयाब रही। इस फिल्म में बेहतरीन काम करने के लिए भूमि को बेस्ट फीमेल डेब्यू एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। इसके बाद भूमि ने 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', 'शुभ मंगल सावधान' और 'बाला' जैसी बेहतरीन फिल्में कीं।

फिल्में रहीं फ्लॉप लेकिन किरदार रहे हिट

भूमि पेडनेकर ने अपने छोटे से करियर में कई फिल्में की हैं। हालांकि उनकी बहुत कम ही फिल्में कामयाब रही हैं। फिल्म 'बधाई दो' में भूमि पेडनेकर ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो समलैंगिक होती है। उनकी यह फिल्म बहुत अच्छी नहीं चल सकी। फिल्म 'रक्षा बंधन' में उन्होंने एक ऐसी प्रेमिका का किरदार निभाया है जिसका प्रेमी अपनी बहनों की वजह से अपनी शादी नहीं कर पाता है। यह फिल्म फ्लॉप रही थी। इसी तरह से भूमि ने 'भक्षक' फिल्म में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो पत्रकार होती है। उनकी यह फिल्म भी कुछ खास नहीं कर सकी थी। इन सभी फिल्मों में उनकी अदाकारी की तारीफ हुई।

भूमि ने वेब सीरीज में की रंग जमाने कोशिश

भूमि पेडनेकर ने फिल्मों के अलावा वेब सीरीज में बेहतरीन काम किया। 9 मई 2025 को वेब सीरीज 'द रॉयल्स' रिलीज हुई। इसमें उनके साथ ईशान खट्टर अहम किरदार में थे। सीरीज की कहानी एक शाही परिवार पर आधारित है, जो आर्थिक तंगी से जूझता है। इस परिवार की किस्मत तब बदलती है जब एक कारोबारी लड़की सोफिया आती है और उनके महल को एक लक्जरी रिसॉर्ट में बदलने की कोशिश करती है। सीरीज में भूमि की अदाकारी की तारीफ हुई। भूमि जल्द ही वेब सीरीज 'दलाल' में नजर आने वाली हैं। यह सीरीज किताब 'भिंडी बाजार' पर आधारित होगी।

भूमि पेडनेकर का फिल्मों के अलावा काम

भूमि पेडनेकर ने फिल्मों में बेहतरीन अभिनय करने के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी नाम कमाया है। भूमि को फोर्ब्स इंडिया ने 2018 की अपनी 30 अंडर 30 सूची में शामिल किया था। पेडनेकर को रेडिफ डॉट कॉम की 2020 की 'सर्वश्रेष्ठ बॉलीवुड अभिनेत्रियों' की सूची में पांचवां स्थान मिला।

उन्हें टाइम्स की 50 सबसे बेहतरीन महिलाओं की सूची में कई बार जगह मिली। 2019 में वह 40वें और 2020 में 39वें स्थान पर रहीं। 2019 में, पेडनेकर ने पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्लाइमेट वॉरियर नाम का एक अभियान शुरू किया।

'मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं', मनीषा ने सुनाई कैंसर के दिनों की कहानी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और कैंसर से जंग जीत चुकी मनीषा कोइराला ने हाल ही में लंदन में एक खास कार्यक्रम में अपने बारे में बहुत खास बातें बताई हैं। इस कार्यक्रम में मनीषा ने बताया कि जब उन्हें कैंसर हुआ था, तब वह कैसा महसूस कर रही थीं?

मनीषा ने कैंसर की बीमारी पर रखी अपनी बात

मनीषा कोइराला को साल 2012 में अंडाशयी कैंसर का पता चला था। उन्होंने उस क्षण को याद किया, जब उन्होंने पहली बार यह खबर सुनी थी। उन्होंने कहा 'जब डॉक्टर ने मुझे बताया कि मुझे कैंसर है, तो मैंने सोचा, बस हो गया। मैं मर जाऊंगी। लेकिन ईश्वर की कृपा से, मैं नहीं मरी। मैंने फिर से जीना सीख लिया।' कैंसर होने के बाद उन्होंने जो जिंदगी जी उसके बारे में बताते हुए मनीषा ने कहा 'लचीलापन कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। यह पल-पल लिए गए छोटे-छोटे फैसलों की एक श्रृंखला है।' कोइराला हियर एंड नाउ 365 के संस्थापक मनीष तिवारी के साथ बातचीत कर रही थीं।

मनीषा कोइराला को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

मनीषा कोइराला को हाल ही में ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह उनकी दृढ़ता, जीवन के अनुभवों और समाज में उनके योगदान के लिए एक सम्मान है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्नातक समारोह का एक भावुक वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा 'आज मुझे ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिली। मैं यहां एक ऐसे व्यक्ति के रूप में नहीं खड़ी हूं जो शिक्षा के पारंपरिक मार्ग से आया है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में खड़ी हूं जिसने कड़ी मेहनत, असफलता, दृढ़ता और सेवा के माध्यम से सीखा है।'

मनीषा कोइराला ने दादी को किया याद

इस मौके पर मनीषा ने अपनी दिवंगत दादी सुशीला कोइराला को भी याद किया। उन्होंने उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने एक भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा 'मां सुशीला को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि, जिन्होंने मुझे पाला-पोसा, मुझे जीवन के मूल्य सिखाए और मुझे आज जो मैं हूं उसकी नींव दी।'

मनीषा कोइराला का काम

मनीषा कोइराला के काम की बात करें तो उन्हें आखिरी बार संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में देखा गया था। सीरीज में उन्होंने मल्लिका जान का किरदार निभाया था। उनके इस किरदार के लिए काफी तारीफ मिली। इस किरदार से पर्दे पर उनकी दमदार वापसी हुई।

अपने दम पर बॉलीवुड में कमाया नाम, फिर हासिल किया टिकट टू हॉलीवुड, अब बनीं इंटरनेशनल स्टार

उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर बरेली से निकलीं प्रियंका चोपड़ा अब एक इंटरनेशनल स्टार बन गई हैं। मॉडलिंग, फिर मिस वर्ल्ड का खिताब, उसके बाद बॉलीवुड में डेब्यू और फिर इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस और कई अवॉर्ड्स। उसके बाद सीधे टिकट टू हॉलीवुड। किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है प्रियंका चोपड़ा की असल जिंदगी। 18 जुलाई को प्रियंका अपना 43वां जन्मदिन मना चुकी है। इस मौके पर वो अपने पति निक जोनस के साथ एंजॉय कर रही हैं। इस मौके पर जानते हैं कैसी रही प्रियंका की जर्नी।

बॉलीवुड में अपने पहले साल ही दी बड़ी हिट

प्रियंका चोपड़ा की बॉलीवुड में शुरुआत साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद हुई। प्रियंका ने साल 2003 में आई फिल्म 'द हीरोः लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' से की। इसमें उनके साथ सनी देओल और प्रीति जिंटा जैसे स्टार भी शामिल थे। इसके बाद इसी साल प्रियंका अक्षय कुमार और लारा दत्ता के साथ फिल्म 'अंदाज' में नजर आईं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और प्रियंका इंडस्ट्री की नजरों में आ गईं। उसके बाद साल 2004 में प्रियंका सलमान खान-अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' जैसी एक और सफल फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस आईं। इसी साल प्रियंका 'ऐतराज' में निगेटिव रोल में नजर आईं और अवॉर्ड भी जीता। इसके बाद प्रियंका इंडस्ट्री में पूरी तरह से स्थापित हो गईं।

शाहरुख-सलमान और ऋतिक के साथ दीं हिट फिल्में, बनीं हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस

अपने डेब्यू के बाद प्रियंका के खाते में कुछ फ्लॉप फिल्में भी आईं, लेकिन प्रियंका लगातार इंडस्ट्री के बड़े एक्टर्स के साथ काम करती रहीं। साल 2006 में प्रियंका को अपने करियर में जबरदस्त सफलता मिली जब उनके खाते में 'कृष' और 'डॉन' जैसी दो ब्लॉकबस्टर फिल्में आईं। इनमें प्रियंका ऋतिक और शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार्स के साथ नजर आईं। इसके बाद कई फ्लॉप देने के बाद प्रियंका को 2008 में सफलता हाथ लगी जब वो मधुर भंडारकर की फिल्म 'फैशन' में नजर आईं। इस फिल्म में मॉडलिंग की दुनिया के पीछे की सच्चाई को दिखाया गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और प्रियंका को नेशनल अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड्स मिले। बाद में इसी साल प्रियंका कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'दोस्ताना' में नजर आईं। ये भी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। अब प्रियंका बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हो गई थीं। बाद में 'कमीने', 'डॉन 2', 'सात खून माफ', 'अग्निपथ' और 'बर्फी' जैसी फिल्मों की सफलता ने प्रियंका को इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस बना दिया।

शाहरुख के साथ हिट के बाद दीं बैक टू बैक छह फ्लॉप फिल्में

प्रियंका के करियर में एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने लगातार छह फ्लॉप फिल्में दीं। साल 2006 में 'डॉन' जैसी सुपरहिट फिल्म देने के बाद प्रियंका के खाते में लगातार सिर्फ फ्लॉप फिल्में ही आईं। इनमें 'सलाम ए इश्क', 'बिग ब्रदर', 'लव स्टोरी 2050', 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो', 'चमकू' और 'द्रोणा' जैसी फिल्में शामिल हैं। इनमें सलमान खान, सनी देओल और अभिषेक बच्चन जैसे एक्टर्स की फिल्में शामिल रहीं। लगातार छह फ्लॉप फिल्मों के बाद प्रियंका 2008 में आई 'फैशन' के रूप में एक सफल फिल्म मिली।

टिकट टू हॉलीवुड

बॉलीवुड में सफलता पाने के बाद और हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस बनने के बाद प्रियंका ने रुख किया हॉलीवुड का। साल 2015 में वो पहली बार अमेरिकन टीवी सीरीज 'क्वांटिको' में नजर आईं। इस सीरीज के दो सीजन आए दोनों में प्रियंका नजर आईं और उनके काम की तारीफ भी हुई और उन्हें अवॉर्ड भी मिले। इसके बाद साल 2017 में वो हॉलीवुड की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'बेवॉच' में नजर आईं। 'क्वांटिको' और 'बेवॉच' से प्रियंका ने हॉलीवुड में अपनी जगह बना ली। इसके बाद धीरे-धीरे प्रियंका का रुख बॉलीवुड से ज्यादा हॉलीवुड की तरफ रहने लगा। बाद में वो 'ए किड लाइक जैक', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन', 'वी कैन बी हीरोज', 'लव अगेन' और हालिया रिलीज 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' जैसे कई हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में अहम भूमिकाओं में नजर आईं।

शाहरुख से लेकर शाहिद तक, कई एक्टर्स के साथ जुड़ा नाम

प्रियंका चोपड़ा अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चाओं में रहीं। अपनी दूसरी फिल्म 'अंदाज' के बाद ही प्रियंका का नाम अक्षय कुमार के साथ जोड़ा गया। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम भी किया। इसके बाद एक वक्त में उनका नाम शाहरुख खान के साथ काफी जोड़ा गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के अफेयर की भी खबरें सामने आईं। हालांकि, दोनों स्टार्स ने ऐसी खबरों पर कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और एक-दूसरे को अच्छा दोस्त ही बताया। इसके अलावा प्रियंका का नाम शाहिद कपूर के भी साथ जोड़ा गया। ऐसा कहा जाता है कि दोनों का अफेयर काफी वक्त तक चला था।

10 साल छोटे निक जोनस से की शादी

हॉलीवुड में अपनी जर्नी शुरू करने के बाद प्रियंका अधिक वक्त वहीं गुजारने लगीं और धीरे-धीरे वो बॉलीवुड से भी दूर होती गईं। इसी दौरान वो निक जोनस के संपर्क में आईं और दोनों का अफेयर शुरू हुआ। जिसके बाद साल 2018 में प्रियंका ने सबको चौंकाते हुए खुद से 10 साल छोटे निक जोनस से शादी कर ली। निक जोनस एक सिंगर-एक्टर हैं। उनका खुद का बैंड भी है। शादी के चार साल बाद साल 2022 में प्रियंका सरोगेसी के जरिए एक बेटी की मां बनीं। प्रियंका की बेटी का नाम मालती है।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह के साथ रोमांटिक सीन करती दिखीं जरीन खान, यूजर्स बोले- इतने बुरे दिन आ गए

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान के साथ सिनेमाई करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान। अब लग रहा है कि भोजपुरी इंडस्ट्री में भी जल्द कदम रखने वाली हैं। अभिनेत्री के कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें उन्हें पावरस्टार पवन सिंह के साथ देखा जा रहा है। साथ ही एक वीडियो में उन्हें रोमांटिक सीन शूट करते देखा जा सकता है। चलिए देखते हैं वायरल वीडियो।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें भोजपुरी स्टार पवन सिंह और बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान को साथ में देखा जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि ये वीडियो लखनऊ का है। एक वीडियो जो वायरल हो रहा है, उसमें जरीन खान और पवन सिंह को एक साथ कुर्सी पर बैठे देखा जा सकता है, जिसमें एक्ट्रेस यलो कलर की साड़ी पहने दिख रही हैं। इसके अलावा देखा जा सकता है कि ये किसी गाने या फिल्म की शूटिंग की ओर संकेत कर रहा है।

रोमांटिक सीन करते दिखे पवन-जरीन

एक और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें जरीन खान और पवन सिंह कोई शूटिंग सीन करते दिख रहे हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बारिश का सीन क्रिएट किया गया है, जिसमें अभिनेता व्हाइट कोट-पैंट पहने दिख रहे हैं, तो अभिनेत्री साड़ी में नजर आ रही हैं और दोनों डांस कर रहे हैं।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

वायरल वीडियोज को देख यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जरीन खान के अब ऐसे दिन आ गए, जो भोजपुरी इंडस्ट्री में काम करना पड़ रहा है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'बॉलीवुड से रिटायर सभी लोग भोजपुरी में आते हैं।' वहीं एक और यूजर ने कहा, सलमान खान के साथ डेब्यू और अब यहां।' इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि ये पवन सिंह का जादू है।

हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार थे राजेश खन्ना, उनकी फिल्म के सेट के मशहूर किस्से

राजेश खन्ना, जिन्हें प्यार से काका कहा जाता है, हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार थे। उनका जादू ऐसा था कि 60 और 70 के दशक में उनकी फिल्में देखने के लिए सिनेमाघरों में भीड़ उमड़ पड़ती थी। आज उनकी पुण्यतिथि पर जानिए उनकी फिल्मों के सेट के दिलचस्प किस्से।

राजेश खन्ना का जन्म और शादी

राजेश खन्ना का जन्म 29 दिसंबर 1942 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उनका असली नाम जतिन खन्ना था। उन्होंने अपनी पढ़ाई पुणे और मुंबई से पूरी की। राजेश खन्ना की शादी 1973 में अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया से हुई, जो उस समय सिर्फ 16 साल की थीं। दोनों की दो बेटियां हैं, ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना। कथित तौर पर राजेश का अभिनेत्री अंजू महेंद्रू के साथ भी रिश्ता चर्चा में रहा।

राजेश खन्ना का करियर

राजेश खन्ना ने अपने करियर की शुरुआत 1966 में फिल्म आखिरी खत से की थी। लेकिन उन्हें असली पहचान 1969 में आराधना से मिली, जिसमें उनके रोमांटिक अंदाज ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद आनंद, कटी पतंग, सफर, हाथी मेरे साथी₹ और बावर्ची जैसी फिल्मों ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। 1969 से 1971 तक उन्होंने लगातार 15 से ज्यादा सुपरहिट फिल्में दीं, जो एक रिकॉर्ड है। उनके डायलॉग और गाने, जैसे ₹बाबू मोशाय₹ और ₹मेरे सपनों की रानी₹, आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

सेट पर देर से आने की आदत

राजेश खन्ना अपनी फिल्मों के लिए जितने मशहूर थे, उतने ही अपनी देर से आने की आदत के लिए भी जाने जाते थे। एक बार फिल्म ₹आखिरी खत₹ की शूटिंग के दौरान, जो उनकी पहली रिलीज फिल्म थी, सुबह 8 बजे का समय तय किया गया था। लेकिन राजेश खन्ना 11 बजे सेट पर पहुंचे। इस देरी के कारण उन्हें सेट पर डांट भी पड़ी। लेकिन काका ने बड़े बेबाकी से जवाब दिया, मैं अपनी लाइफस्टाइल किसी के लिए नहीं बदलूंगा। यह जवाब सुनकर सेट पर मौजूद लोग हैरान रह गए।

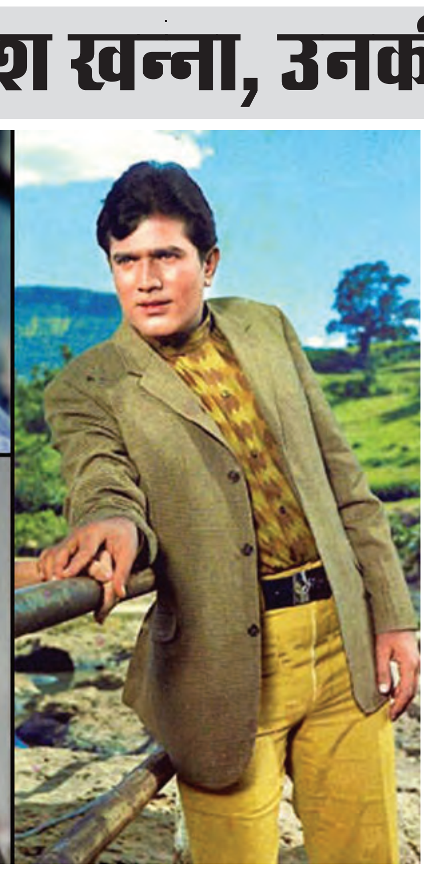

श्रीनगर में बी.आर. चोपड़ा का इंतजार

एक बार मशहूर निर्माता-निर्देशक बी.आर. चोपड़ा अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए श्रीनगर में सेट लगाकर राजेश खन्ना का इंतजार कर रहे थे। पूरी यूनिट और उनके प्रशंसक भी उनके आने के इंतजार में थे। लेकिन राजेश खन्ना तय समय पर नहीं पहुंचे। एक दिन, दो दिन, और फिर तीसरे दिन भी वे नहीं आए। आखिरकार, उनका बावर्ची गोपाल बिजनेस क्लास के टिकट पर श्रीनगर पहुंचा और उसने संदेश दिया कि ₹काकाजी की तबीयत खराब है, इसलिए वे शूटिंग पर नहीं आ सकते।₹ यह सुनकर बी.आर. चोपड़ा परेशान हो गए।

बावर्ची के सेट पर अमिताभ बच्चन के साथ विवाद

1972 में फिल्म बावर्ची की शूटिंग के दौरान राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के बीच तनाव की खबरें सामने आई थीं। उस समय राजेश खन्ना सुपरस्टार थे, जबकि अमिताभ बच्चन नए-नए इंडस्ट्री में आए थे। कहा जाता है कि राजेश खन्ना ने सेट पर अमिताभ का मजाक उड़ाया था। इससे नाराज होकर फिल्म की अभिनेत्री जया (जो बाद में अमिताभ की पत्नी बनीं) ने राजेश खन्ना को खरी-खोटी सुनाई थी।

प्रशंसकों की दीवानगी

राजेश खन्ना के स्टारडम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी शूटिंग सेट के बाहर प्रशंसकों की भीड़ जमा हो जाती थी। खासकर लड़कियां उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहती थीं। एक बार जब उनकी सफेद कार स्टूडियो या निर्माता के दफ्तर के बाहर रुकती थी, तो प्रशंसक उस कार को चूम लेते थे। कार पर लिपस्टिक के निशान इतने पड़ते थे कि वह गुलाबी दिखने लगती थी।

आराधना के गानो की शूटिंग

फिल्म आराधना ने राजेश खन्ना को रातों रात सुपरस्टार बना दिया। इस फिल्म के गाने मेरे सपनों की रानी की शूटिंग के दौरान एक मजेदार किस्सा हुआ। राजेश खन्ना ने इस गाने को सड़कों पर शूट किया, जबकि उनकी सह-कलाकार शर्मिला टैगोर किसी वजह से सेट पर नहीं आ सकीं। इसलिए उनका हिस्सा स्टूडियो में शूट किया गया और बाद में दोनों हिस्सों को एडिट करके जोड़ा गया। यह गाना सुपरहिट हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

सेट पर घमंड का किस्सा

जब एक बार एक निर्माता ने राजेश खन्ना से कहा, काका, घड़ी देख रहे हो? इस पर राजेश खन्ना ने जवाब दिया, हम नहीं, घड़ी हमारा टाइम देखती है। यह जवाब उनके आत्मविश्वास और स्टारडम को दर्शाता है, हालांकि इसे उनके घमंड से भी जोड़ा गया।

राजेश खन्ना का निधन

राजेश खन्ना सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक दौर थे। उनके रोमांटिक अंदाज, मुस्कान और भावुक अभिनय ने लाखों दिलों पर राज किया। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी फिल्में और गाने हमेशा उनके चाहने वालों के दिलों में जिंदा रहेंगे। अपनी जिंदगी के आखिरी दिनों में वे मुंबई में अकेले रहते थे। 18 जुलाई 2012 को लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया था।

टैरिफ वॉर से घबराए पाकिस्तान ने फिर फैलाए हाथ वित्त मंत्री ने अमेरिकी अधिकारियों से की मुलाकात

वाशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है। पाकिस्तानी वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने के लिए वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक की।

पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ

बता दें कि अमेरिका ने पाकिस्तान सहित बड़े व्यापार अधिशेष वाले देशों पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इन धमकियों के बाद कई गतिविधियां शुरू हो गईं। इनमें शुक्रवार को वित्त मंत्री औरंगजेब की अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक और व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर के साथ बैठक भी शामिल थी।

बैठक के सकारात्मक परिणाम

औरंगजेब ने कहा कि बैठक में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने पारस्परिक लाभ के सभी संभावित क्षेत्रों में इन संबंधों को मजबूत करने के अवसरों की तलाश करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की ।

ये बैठक ऐसे समय में हुई हैं जब पाकिस्तान और अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में व्यापार वार्ता का एक महत्वपूर्ण दौर पूरा किया है। औपचारिक घोषणा तभी होने की उम्मीद है जब अमेरिका अन्य व्यापार साझेदारों के साथ चल रही इसी तरह की वार्ता पूरी कर लेगा।

असीम मुनीर और ट्रंप की मुलाकात

अमेरिका-पाकिस्तान के संबंध तनाग्रस्त चल रहे थे। हालांकि पिछले महीने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर और ट्रंप की व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद दोनों पक्षों के संबंधों में सुधार हुआ है।

पाकिस्तान ने दर्ज किया 2.1 अरब डॉलर का चालू खाता अधिशेष

आधिकारिका आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान ने पाकिस्तान ने 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष के दौरान 2.1 अरब डॉलर का चालू खाता अधिशेष दर्ज किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटनाक्रम को अर्थव्यवस्था में सुधार का संकेत बताया।

कर्ज का सहारा लेता पाकिस्तान

देश लंबे समय से भुगतान संतुलन की स्थायी समस्या से जूझता रहा है और समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य वित्तीय संस्थानों से आर्थिक सहायता लेने के लिए मजबूर होता रहा है।

भारत को 2 हफ्तों में 53000 करोड़ का नुकसान, क्यों उछल रहा इस्लामाबाद

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार दूसरे हफ्ते में भारत के खजाने को नुकसान पहुंचा है. भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में इन दो हफ्तों में 6 बिलियन डॉलर से ज्यादा यानी करीब 53 हजार करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है. इसका सबसे बड़ा कारण डॉलर इंडेक्स में तेजी और रुपए में गिरावट को माना जा रहा है. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है.

मौजूदा समय में डॉलर के मुकाबले में रुपया 86 के लेवल को पार कर गया है. भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अभी तक फाइनल नहीं हो सकती है. वहीं दूसरी ओर अमेरिका लगातार ब्रिक्स देशों को टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है. जिसका हिस्सा भारत भी है. ऐसे में भारत के रुपए में कमजोरी का असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार में देखने को मिल रहा है. सेंट्रल बैंक लगातार रुपए को संभालने के लिए डॉलर खर्च कर रहा है. वहीं दूसरी ओर सीमा पार इस्लामाबाद खुशी की लहर देखने को मिल रही है. इसका कारण भी है. पाकिस्तान के फॉरेक्स रिजर्व में 2 करोड़ डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. जिसके बाद कुल लिक्विड फॉरेक्स रिजर्व करीब 20 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के फॉरेक्स रिजर्व में कितनी गिरावट देखने को मिल चुका है.

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जानकारी देते हुए कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रहा. इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रहा था. इसका मतलब है कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दो हफ्तों में 6.11 बिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है. अगर इसे रुपए में कंवर्ट करें तो करीब 53 हजार करोड़ रुपए बैठ रहा है. विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अब तक के हाईएस्ट लेवल पर पहुंच गया था. शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, फॉरेन करेंसी असेट्स 2.48 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रही. डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित फॉरेन करेंसी असेट्स में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है. रिजर्व बैंक ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 49.8 करोड़ डॉलर घटकर 84.35 अरब डॉलर रहा.

केन्द्रीय बैंक ने कहा कि एसडीआर 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.80 अरब डॉलर रह गया. केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आईएमएफ के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 2.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.71 अरब डॉलर रहा. स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है. 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान, बैंक का कुल विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर लगभग 14.53 अरब डॉलर हो गया.

'वेदांता के खिलाफ वायसराय रिपोर्ट में विश्वसनीयता का अभाव'

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। वेदांता समूह पर अमेरिका स्थित वायसराय रिसर्च की रिपोर्ट में गंभीर आरोप हैं, जिससे समूह के कारोबार और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इस रिपोर्ट में विश्वसनीयता का अभाव है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी कानूनी राय में यह बात कही है। कंपनी ने शुक्रवार को नियामकीय फाइलिंग में कहा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी वेदांता द्वारा वायसराय रिसर्च रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के संबंध में पूर्व मुख्य न्यायाधीश से स्वतंत्र कानूनी राय मांगने के बाद आई है।

फाइलिंग के अनुसार, पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि वायसराय का सूचीबद्ध कंपनियों में शॉर्ट पोजीशन लेने और फिर परिणामी बाजार प्रभाव से अवैध रूप से लाभ कमाने के लिए भ्रामक रिपोर्ट प्रकाशित करने का रिकॉर्ड रहा है। प

ूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इस मामले में मानहानि साबित करने के लिए आवश्यक तत्व- सिविल और आपराधिक दोनों- पर्याप्त हैं। वायसराय ने सार्वजनिक रूप से, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान प्रकाशित किए हैं, जो सीधे तौर पर वेदांता को निशाना बनाते हैं। वायसराय ने 9 जुलाई की अपनी रिपोर्ट में वेदांता की लंदन स्थित मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज पर भारत में सूचीबद्ध कंपनी को व्यवस्थित रूप से बर्बाद करने का आरोप लगाया। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह का पूरा ढांचा वित्तीय रूप से अस्थिर, परिचालन के मोर्चे कमजोर, लेनदारों के लिए गंभीर जोखिम पैदा करने वाला और एक पोंजी योजना जैसा है। हालंकि, वेदांता ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। चंद्रचूड़ ने कहा, रिपोर्ट में पोंजी स्कीम और पैरासाइट जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं, जिससे वेदांता के व्यवसाय और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इन परिस्थितियों में, वेदांता के लिए कानूनी उपाय अपनाना उचित होगा।

पूरे भारत पर भारी बर्तन मांजने वाले की कंपनी... हाथ फैलाए खड़ी है दुनिया

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया ने वो मुकाम हासिल किया है, जिस पर आज तक कोई नहीं पहुंच पाया। इस कंपनी का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुका है। companiesmarketcap.com के मुताबिक एनवीडिया का मार्केट कैप शनिवार को 4.204 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया जो भारत की जीडीपी से ज्यादा है। फोर्ब्स के मुताबिक भारत की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह कंपनी कितनी बड़ी है। इस कंपनी का आइडिया जेंसन हुआंग को डाइनिंग के दौरान आया था और आज इसके चिप्स खरीदने के लिए दुनिया लाइन में खड़ी है। एनवीडिया के आखिर कैसे हासिल की इतनी बड़ी सफलता? एनवीडिया के शेयरों में पिछले तीन साल से तेजी आ रही है। दुनिया में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बढ़ते चलन के कारण एआई चिप्स की डिमांड बढ़ी है। इसका सबसे ज्यादा फायदा एनवीडिया को हुआ है। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी है। माना जा रहा है कि यह दुनिया को हमेशा के लिए बदल देगी। एनवीडिया जो चिप बनाती है, उन्हें ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स यानी जीपीयू कहा जाता है। यही एआई इंडस्ट्री रीढ़ है। यही वजह है कि दुनिया का हर कोई देश चिप की सप्लाई चेन पर कब्जा करना चाहता है। अमेरिका और चीन के बीच असली लड़ाई इसी बात की है।

कैसे हुई शुरुआत

एनवीडिया का मुख्यालय अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत के सेंटा क्लारा में है। इसकी स्थापना ताइवान में जन्मे इंजीनियर जेंसन हुआंग ने 1993 में की थी। हुआंग का जन्म साल 1963 में ताइवान में हुआ था। उनका बचपन ताइवान के अलावा थाईलैंड में गुजरा। साल 1973 में उनके माता-पिता ने उन्हें अमेरिका में अपने रिश्तेदारों के पास भेज दिया था और फिर कुछ दिन बाद वे भी अमेरिका आ गए थे। हुआंग ने स्टेनफर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। एनवीडिया का आइडिया उन्हें डेनी'एस में अपने दोस्तों के साथ डिनर में आया। यह वही रेस्टोरेंट चेन थी जहां हुआंग कभी बर्तन धोया करते थे। शुरुआत में यह कंपनी वीडियो-गेम ग्राफिक्स चिप्स बनाती थी। लेकिन हुआंग का बड़ा सपना था। कंपनी ने ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया जिससे लोगों ने चिप्स का यूज ग्राफिक प्रोसेसिंग के इतर दूसरे कामों के लिए किया। क्लाउड कंप्यूटिंग के विकास और साइंटिफिक कंप्यूटिंग पर फोकस बढ़ाने से डेटा सेंटर्स में एनवीडिया का यूज होने लगा। धीरे-धीरे इनका इस्तेमाल क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग, मशीन लर्निंग और कंप्यूटर विजन में होने लगा। जब कंपनी का शेयर 100 डॉलर पर पहुंचा था तो हुआंग ने अपने बाजू पर कंपनी के लोगो का टैटू बनवाया था। एनवीडिया में उनकी करीब 3.5% हिस्सेदारी है।

सबसे बड़ी चुनौती

2010 के दशक की शुरुआत में कंपनी ने पावरफुल चिप बनाने शुरू किए। इसके बाद कंपनी हर दूसरे-तीसरे साल में नया चिप लाने लगी। एआई टेक्नोलॉजी के बढ़ने से अब कंपनी की योजना हर साल नया चिप लाने की है। 2022 में कंपनी ने हॉपर जेनरेशन के चिप जारी किए। एआई इंडस्ट्री ने इसे हाथोंहाथ लिया। 2023 में कंपनी ने करोड़ों हॉपर एच100 चिप बेचे। इससे कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई और उसका मार्केट कैप 2 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। पिछले साल कंपनी ने अपना सबसे पावरफुल माइक्रोचिप निकाला। इसे खरीदने के लिए मेटा प्लेटफॉर्म्स, ओपनएआई और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट लाइन में लगी है।

हालांकि एनवीडिया के लिए सफर आसान नहीं रहा है। पिछले साल जब चीन ने डीपसीक लॉन्च किया तो एनवीडिया के शेयरों में 20 फीसदी गिरावट आई। इसमें 2,000 एनवीडिया एच800 का यूज किया गया था। इसमें दूसरी कंपनियों के मुकाबले काफी सस्ता था लेकिन इसकी क्षमता उन्हीं के बराबर थी। जल्दी ही कंपनी इस स्थिति से उबर गई और उसके शेयर एक बार फिर चढ़ने लगे। बाइडन और ट्रंप प्रशासन ने एनवीडिया पर चीन को चिप बेचने पर कई तरह पाबंदियां लगाई। अक्तूबर 2023 में बाइडन प्रशासन ने एनवीडिया पर चीन को एच800 चिप बेचने से रोक दिया। इस साल अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने कंपनी पर चीन को एच20 चिप बेचने पर पाबंदी लगा दी। इससे कंपनी को 5.5 अरब डॉलर की चपत लगी। कंपनी के शेयरों के साथ-साथ उसका रेवेन्यू भी बढ़ता गया।

भारतीय चाय की मांग दुनिया में बढ़ी, एफवाई 25 में 26 करोड़ किलोग्राम का हुआ निर्यात

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के चाय निर्यात में वृद्धि दर्ज हुई है। चार्य बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत से चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.85 प्रतिशत बढ़ा।

देश का चाय निर्यात 250.73 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 257.88 मिलियन किलोग्राम हो गया है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 161.20 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह वित्त वर्ष 2024 के 149.05 मिलियन किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार, दक्षिण भारत से निर्यात 2025 में 4.92 प्रतिशत घटकर 96.68 मिलियन किलोग्राम रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 101.68 मिलियन किलोग्राम था।

वहीं प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपये हो गया। यह वित्त वर्ष 2024 के 258.30 रुपये से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कैलेंडर वर्ष जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, चाय निर्यात की मात्रा 256.17 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई।

यह जनवरी से दिसंबर 2023 की पिछली अवधि से 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 155.49 मिलियन किलोग्राम रहा। वहीं दक्षिण भारत से यह 11.02 प्रतिशत के साथ 100.68 मिलियन किलोग्राम रहा।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी, सामने आया अपडेट

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका की टीमों ने 17 जुलाई को वाशिंगटन में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। यह वार्ता वाशिंगटन में चार दिनों (14-17 जुलाई) तक चली। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा, ''भारतीय टीम वापस आ रही है।'' भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष 1 अगस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जो भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए ट्रम्प टैरिफ के निलंबन की आखिरी तारीख है। इस साल 2 अप्रैल को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन उच्च पारस्परिक शुल्कों की घोषणा की थी। टैरिफ की ऊंची दरों को पहले 90 दिनों के लिए 9 जुलाई तक और फिर 1 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बीच अमेरिका, कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। समझा जाता है कि पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और ऑटोमोबाइल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं और एससीओएमईटी (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी) से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अब तक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। कुछ किसान संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि व्यापार समझौते में कृषि से जुड़े किसी भी मुद्दे को शामिल न किया जाए।

भारत इस अतिरिक्त शुल्क (26 प्रतिशत) को हटाने की मांग कर रहा है। वह स्टील और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत) और ऑटो (25 प्रतिशत) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। इनके विरुद्ध, भारत ने विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के तहत प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में देश श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले के लिए शुल्क रियायत की भी मांग कर रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, कृषि वस्तुओं, डेयरी उत्पादों, सेब, वृक्ष नट्स और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क रियायत चाहता है।

दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए बातचीत इस साल पतझड़ (सितंबर-अक्तूबर) तक पूरी करना चाहते हैं। उससे पहले, वे एक अंतरिम व्यापार समझौते पर भी विचार कर रहे हैं। इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 22.8 प्रतिशत बढ़कर 25.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 11.68 प्रतिशत बढ़कर 12.86 अरब डॉलर हो गया।

45 मिनट का सफर मात्र 12 मिनट में : शुरू होने जा रही है उड़ने वाली टैक्सी

कैलिफोर्निया, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दुनियाभर के कई शहरों में एयर टैक्सी (उड़ने वाली टैक्सी) शुरू करने की कवायद चल रही है। इसी कड़ी में दुबई साल 2026 तक अपनी पहली उड़ने वाली टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। यह शहर में बहुत तेज और बिजली से चलने वाली हवाई यात्रा कराएगा। इस सर्विस को कैलिफोर्निया की कंपनी जॉबी एविएशन ने बनाया है। इसका लक्ष्य है कि शहर में यात्रा का समय बहुत कम हो जाए। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एयर टैक्सी नेटवर्क चार मुख्य वर्टीपोर्ट से चलेगा। ये वर्टीपोर्ट अभी बन रहे हैं।

ये जगहें हैं: दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, डाउनटाउन दुबई, दुबई मरीना और पाम जुमेराह। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहला वर्टीपोर्ट साल 2026 की शुरुआत तक बनकर तैयार हो जाएगा। यह सिस्टम शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में जल्दी से एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए बनाया गया है। शुरुआत में, दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पाम जुमेराह तक कार से जाने में 45 मिनट लगते हैं। लेकिन इस टैक्सी से सिर्फ 12 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। लोग मोबाइल ऐप से एयर टैक्सी बुक कर सकेंगे। यह उबर की तरह ही होगा। जॉबी, उबर का ग्लोबल पार्टनर है। इसलिए मुमकिन है कि लोग एक ही ऐप से टैक्सी बुक कर सकें, उसमें चढ़ सकें और पैसे भी दे सकें। धीरे-धीरे, यह सेवा होटलों और खास जगहों तक भी पहुंच जाएगी। इससे एयरपोर्ट से सीधे अपनी मंजिल तक जाना आसान हो जाएगा। अभी तक किराये की सही जानकारी नहीं मिली है। लेकिन कोंडे नास्ट ट्रैवलर के अनुसार जॉबी का अनुमान है कि एक ट्रिप का किराया लगभग 75 डॉलर (करीब 6464 रुपये) होगा। यह उबर ब्लैक की महंगी राइड जैसा होगा। टैक्सी के अंदर कांच की दीवारें और छत तक विंडशील्ड होगी। इससे उड़ान के दौरान दुबई शहर का शानदार नजारा देखने को मिलेगा।

जॉबी का कहना है कि एयर टैक्सी की सैकड़ों टेस्ट उड़ानें हो चुकी हैं। ये उड़ानें 60,000 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक हुई हैं। सभी विमानों को लाइसेंस वाले पायलट उड़ाएंगे। कंपनी का कहना है कि लोगों के लिए शुरू करने से पहले सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। हर एयर टैक्सी में एक पायलट और चार यात्री बैठ सकेंगे। इसकी टॉप स्पीड 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-54 | सूर्यास्त 18-49
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	कर्क...	05-41 बजे
चंद्र-	मेष	सिंह---	07-52 बजे
मंगल	सिंह	कन्या...	10-00 बजे
बुध-	कर्क	तुला----	12-04 बजे
गुरु-	मिथुन	वृश्चिक...	14-15 बजे
शुक्र-	वृष	धनु......	16-27 बजे
शनि-	मीन	मकर...	18-34 बजे
राहु-	कुंभ	कुंभ....	20-25 बजे
केतु-	सिंह	मीन....	22-03 बजे
		मेष.....	23-39 बजे
		वृष....	01-23 बजे
		मिथुन..	03-24 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- दशमीं 12-13 तक उपरान्त एकादशी
मास - श्रावण कृष्ण, रविवार 20 July
नक्षत्र - कृत्तिका 22-53 तक उपरान्त रोहिणी
योग - गण्ड 21-47 तक उप वृद्धि
करण- विष्टी (भद्रा) 12-13 तक उप बव
विशेष -
व्रत त्योहार - भद्राकाल - 12-13 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:15 से 18:52 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05:54 - 07:30 अशुभ	शुभ 18:49-20:15 शुभ
चंचल 07:30-09:08 शुभ	अमृत 20:15-21:37 शुभ
लाभ 09:08 10:45 शुभ	चंचल 21:37-22:59 शुभ
अमृत 10:45 12:22 शुभ	रोग 22:59-00:23 अशुभ
काल 12:22 13:59 अशुभ	काल 00:23-01:45 अशुभ
शुभ 13:59 15:37 शुभ	लाभ 01:45-03:08 शुभ
रोग 15:37-17:15 अशुभ	उत्पात 03:08-04:31 अशुभ
उत्पात 17:15-18:49 अशुभ	शुभ 04:31-05:54 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। खुद को ज़्यादा थकावट महसूस न होने दें, ख़ास तौर पर शारीरिक गतिविधि के दौरान।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें ।अपनी प्राकृतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है ।आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

केस लड़ते-लड़ते टीआई की मौत, 26 साल बाद मिला न्याय

महासमुंद में रिश्वत लेने के आरोप पर मिली थी सजा, पत्नी ने लड़ा केस

बिलासपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। रिश्वत लेने के आरोप में फंसे एक थानेदार की केस लड़ते-लड़ते मौत हो गई। अब करीब 26 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दिवंगत थाना प्रभारी को हाईकोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस संजय अग्रवाल ने ट्रायल कोर्ट की सजा को निरस्त कर दिया है।

कोर्ट ने माना है कि, जिस रिश्वत की मांग की बात की गई, उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही जमानत पर रिहा कर दिया गया था। फिर दो दिन बाद उसी जमानत की एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है। मामला महासमुंद के बसना थाने का है।

दरअसल, ग्राम थुरीकोना निवासी जैतराम साहू ने सहनी राम, नकुल और भीमलाल साहू के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। जिस पर बसना थाने में 8 अप्रैल 1990 में एफआईआर की गई थी। जिसमें तत्कालीन थाना प्रभारी गणेशराम शेंडे ने कार्रवाई की थी। मामला आईपीसी की धारा 324 के तहत जमानती था, इस वजह से तीनों आरोपियों को उसी दिन मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

लेकिन, इसके दो दिन बाद 10 अप्रैल 1990 को एक आरोपी भीमलाल साहू ने रायपुर लोकायुक्त एसपी को शिकायत की थी। जिसमें बताया कि उसे रिहा करने के बदले में एक हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। इस शिकायत के आधार पर लोकायुक्त की टीम ने रेड की। जिसमें थाना प्रभारी शेंडे को रंगे हाथों पकड़ा गया था।

इस कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी पर केस दर्ज किया गया। साथ ही उन्हें गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया। लोकायुक्त ने साल 1999 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13(1)(डी) के साथ धारा 13(2) के तहत चालान पेश किया।

जिस पर कोर्ट ने थाना प्रभारी को दोषी ठहराते हुए तीन साल कैद और दो हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ शेंडे ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अपील लंबित रहते ही उनकी मौत हो गई। जिसके बाद उनकी पत्नी ने अपने पति का केस लड़ा।

हाईकोर्ट ने दस्तावेजों और गवाहों के बयानों के आधार पर पाया कि जिस रिश्वत की मांग की बात की गई, उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही 8 अप्रैल को शाम 5 बजे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। तथ्यों के अनुसार, दो दिन बाद 10 अप्रैल को उसी जमानत के एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि, शिकायत करने वाले भीमलाल साहू ने भी मामले में दूसरे पक्ष के खिलाफ शिकायत की थी। जिस पर कार्रवाई नहीं होने के कारण वो थाना प्रभारी शेंडे से नाराज था। तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने ऐसे में ट्रैप की परिस्थितियों को संदेहास्पद मानी।

कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग साबित करने में असफल रहा और ट्रैप में जब्त राशि का कोई वैधानिक आधार नहीं था। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट द्वारा वर्ष 1999 में दी गई तीन साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा को निरस्त कर दिया है।

बोरे-बासी दिवस, 5 घंटे के कार्यक्रम में 8 करोड़ खर्चे

कांग्रेस कार्यकाल में सरकारी खर्च की जांच होगी, सरकार ने विधानसभा में ऐलान किया

रायपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार अब 'बोरे-बासी दिवस' के कार्यक्रम की गड़बड़ियों की जांच करेगी। शुक्रवार को इसका ऐलान छत्तीसगढ़ विधानसभा में किया गया। विधायकों की एक समिति इसकी जांच करेगी। दरअसल, कांग्रेस शासन काल के समय 1 मई मजदूर दिवस के दिन 'बोरे-बासी दिवस' मनाया गया था।

5 घंटे के कार्यक्रम में बोरी-बासी खाने के नाम पर 8 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। दैनिक भास्कर ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया। इसके बाद ये मुद्दा विधानसभा में भी गूंजा। अब इसे लेकर जांच समिति बनाई जा रही है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं।

शुक्रवार को सदन का अंतिम दिन था। भाजपा के विधायक राजेश मूणत ने अपनी ध्यानाकर्षण सूचना के जरिए इस आयोजन में 8 करोड़ रुपए खर्च करने का मुद्दा उठाया।

इसके बाद श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कांग्रेस शासन काल में श्रम दिवस पर बोरे-बासी दिवस के आयोजन की जांच की घोषणा की।

सूचना के अधिकार के तहत मिले दस्तावेजों के अनुसार, मूणत ने कहा कि सिर्फ रायपुर में बोरे-बासी खिलाने पर 8 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की गई थी। वह भी बिना किसी सरकारी निविदा के खर्च की गई।

साल 2020 में बैगर निविदा के 3 करोड़ का कार्य मेसर्स शुभम किराया भंडार से कराया गया। वहीं वर्ष 2023 में बगैर निविदा के 8 करोड़ 32 लाख का कार्य मेसर्स व्यापक इंटरप्राइजेस से कराया गया।

यह सिलसिला वर्ष 2024 में भी जारी रहा, जब बगैर निविदा के लगभग 3 करोड़ का कार्य मेसर्स व्यापक इंटरप्राइजेस से कराया गया।

1 मई 2023 को राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में बड़ा सरकारी जलसा हुआ। महज 5 घंटे का कार्यक्रम हुआ। इस पर 8.14 करोड़ रुपए खर्च हुए। 50 हजार मजदूर जुटे।

35 हजार कुर्सियां लगीं। 1.10 करोड़ रुपए खर्च कर 6 विशाल डोम बने। मजदूरों ने 75 लाख रुपए का खाना खाया। 27 लाख का पानी पिया गया। 80 लाख की टोपी पहनी गई।

जबकि हकीकत इससे अलग है। मजदूर महज 15 हजार आए थे। 5 रुपए बोतल वाला पानी 18 रुपए में खरीदा गया। 6 की जगह सिर्फ 4 डोम बने थे। 150 अतिथियों को 10-10 हजार रुपए का मोमेंटो दिया गया, जिसकी कीमत 4 हजार रुपए है।

कुर्सियां भी 10-12 हजार ही लगी थीं। सूचना के अधिकार से इस कार्यक्रम के दस्तावेज निकाले गए तो सारी सच्चाई सामने आ गई।

पके हुए चावल को पानी में डूबो कर बोरे खाया जाता है। चावलों को एक रात पानी में भिगोकर छोड़ने को बासी कहते हैं, जिसे अगले दिन खाया जाता है। यह प्रदेश के श्रमिकों का, स्थानीय लोगों का प्रिय भोजन है।

सरकार के मंत्री आईएएस, आईपीएस अधिकारी सभी पंगत में बैठकर इसे खाते हुए दिखाई देते थे। हर साल यह दिवस मनाया जाता था। कांग्रेस की सरकार बदलने के बाद यह आयोजन नहीं हुआ।

पुल की रेलिंग से कार टकराई, 4 दोस्त जिंदा जले

छत्तीसगढ़ के कांकेर में एनएच-30 पर हादसा, पुल निर्माण के चलते डायवर्ट थी सड़क

कांकेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आतुरगांव में एक कार पुल से जा टकराई, हादसे में 4 दोस्त जिंदा जल गए। 18 जुलाई की रात 1 बजे नेशनल हाईवे 30 पर यह हादसा हुआ। स्विफ्ट डिजायर कार में 6 युवक सवार थे, इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है सभी मूरवेंड से कांकेर की तरफ जा रहे थे। आतुरगांव के पास पुल निर्माण के कारण सड़क डायवर्ट की गई है। तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर कार को नियंत्रित नहीं कर सका और पुल की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। वहीं, युवकों के नशे में होने की भी बात सामने आई है।

कार कांकेर में शांति नगर निवासी प्रशांत सिन्हा की थी। जिसका ड्राइवर युवराज सोरी था। सुबह वह गाड़ी बुकिंग पर ले गया था, फिर रात को मालिक को बिना बताए वो कार ले गया। अस्पताल में भर्ती 2 घायल नशे में पाए गए। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि सभी पार्टी मनाने कांकेर से केशकाल गए थे। केशकाल से लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ।

2 युवक किसी तरह कार से बाहर निकल गए। 4 युवक कार में फंस गए और आग में जलकर उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही कांकेर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। एसडीओपी मोहसिन खान ने बताया कि घायल युवकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

एसईसीएल भू-विस्थापित महिलाओं ने साड़ी उतारकर प्रदर्शन किया

प्रबंधन को चूड़ियां दिखाई, बोलीं- जमीन लेकर नौकरी नहीं दी, हम गड्ढों में और वो सोना निकाल रहे

कोरबा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले में एसईसीएल खदान से प्रभावित 150 भू-विस्थापित परिवार की महिलाओं ने साड़ी उतारकर विरोध जताया है। 18 जुलाई को करीब 20-25 महिलाएं कुसमुंडा स्थित कंपनी कार्यालय में मेन गेट पर धरने पर बैठ गईं और नौकरी की मांग को लेकर अर्धनग्न प्रदर्शन किया।

महिलाओं का आरोप है कि कंपनी ने उनकी जमीन का अधिग्रहण कर लिया, लेकिन रोजगार नहीं दिया। जो पिछले 42 साल से आवाज उठा रहे हैं। जिसके बाद अब साड़ी उतारने को मजबूर है। वहीं, प्रबंधन का कहना है कि प्रदर्शनकारी नियमों के खिलाफ रोजगार और मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, कई भू-विस्थापितों को जमीन के बदले नौकरी और मुआवजा दे दिया गया लेकिन परिवार में अगर बेटा नहीं है तो उन्हें नौकरी नहीं दी जा रही है। पहले भी कई बार मांग की गई लेकिन केवल कागज दिखाए गए, नौकरी नहीं मिली।

प्रदर्शनकारी महिला फुलेश्वरी बाई ने बताया कि, हमारे पिताजी के समय से ये सब चलते आ रहा है। नौकरी मांगते परिजनों की उम्र निकल गई, अब हम उनकी बेटियां बची हैं। जमीन लेकर वे लोग सोना निकाल रहे हैं, हम गड्ढों में हैं। हमारे 15-16 साल के बच्चे मजदूरी करने जाते हैं।

करीब आधा दर्जन गांव के 150 परिवार इस समस्या से प्रभावित हैं। इनमें सोनपुरी, बालिपडनिया, जटराज, अमगांव, बरकुटा, गेवरा बस्ती, खोडरी, भिलाई बाजार शामिल हैं। कई सालों से नौकरी की मांग को लेकर उन्होंने कई बार दस्तावेज जमा किए हैं। लेकिन कोई हल नहीं निकला।

पहले भी इन महिलाओं ने खदान में प्रदर्शन किया था। कंपनी प्रबंधन ने कार्रवाई करते हुए महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 30-35 लोगों को बलपूर्वक उठाकर जेल भेज दिया था। इस बार प्रदर्शनकारियों ने खदान की बजाय मुख्य कार्यालय का कामकाज ठप कर दिया है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जाएंगी, वे कार्यालय परिसर से नहीं हटेंगी। वहीं विरोध में महिलाएं आज पुतला जलाकर प्रदर्शन भी कीं।

एसईसीएल पीआरओ डॉ सनीश चंद्र ने स्टेटमेंट जारी किया है जिसके मुताबिक, कुसमुंडा क्षेत्र में कुछ परियोजना प्रभावित लोग निर्धारित नियमों के अलावा रोजगार और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। प्रबंधन हमेशा बातचीत के लिए तैयार है और हम सभी से सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। प्रदर्शनकारी महिलाओं को महाप्रबंधक कार्यालय में बातचीत के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे लोग प्रदर्शन करने लगे। स्थानीय प्रशासन ने भी इस मामले में संज्ञान लिया है।

भूपेश बोले-एक पेड़ मां के नाम, सारा जंगल बाप के नाम

बैज बोले-छत्तीसगढ़ में रिमोट कंट्रोल की सरकार चल रही, 22 जुलाई को कांग्रेस करेगी चक्काजाम

रायपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी एक पेड़ मां के नाम और सारा जंगल बाप के नाम करने का काम कर रही है। ये नारा सदन में भी लगा है। 22 जुलाई को कांग्रेस प्रदेशभर में चक्काजाम करेगी। भूपेश बघेल ने कहा कि हमारे नेताओं को जबरन फंसाया जा रहा है। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, विधायक देवेंद्र यादव को फंसाया गया। अब मेरे बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया गया है, जो राजनीति में भी नहीं है। एक तरफ जंगल काटे जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई हो रही है। भूपेश बघेल ने कहा कि पप्पू बंसल खुलेआम ईडी दफ्तर आ रहा है, ईओडब्ल्यू ऑफिस आ रहा है। उसके बयान पर मेरे बेटे को अरेस्ट कर लिया। न हमें नोटिस मिला और न ही दफ्तर बुलाया। ईडी के अफसर आए और गिरफ्तार कर लेकर गए। अडाणी के खिलाफ आवाज उठाने पर ये कार्रवाई हुई है।

भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही तमनार हसदेव में पेड़ की कटाई शुरू हो गई थी। बैलाडीला में अडाणी को खदान सौंपा गया। विरोध करने पर कांग्रेस नेताओं पर चुन-चुनकर कार्रवाई हो रही है। पावर प्लांट से लेकर हर संपत्ति को अडाणी को सौंपने का काम हो रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ सभी पूर्व मंत्री, विधायक और सीनियर नेता मौजूद रहे।

झारखंड में कमजोर हुआ मानसून

23-24 जुलाई को दक्षिणी-मध्य भाग में हो सकती है भारी बारिश, 9 जिलों में वज्रपात का अलर्ट

रांची, 19 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में पिछले कुछ दिनों से सक्रिय मानसून अब कमजोर पड़ गया है। लगातार हो रही बारिश से फिलहाल लोगों को राहत मिली है, जिससे तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि संभव है।

हालांकि, मौसम विभाग ने 19 से 22 जुलाई तक राज्य में कहीं-कहीं हल्की बारिश और मेघ गर्जन की संभावना जताई है। वहीं 23 और 24 जुलाई को राज्य के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य के 9 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इन जिलों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। शुक्रवार को सबसे ज्यादा बारिश रांची में 25 मिमी दर्ज की गई। पूर्वी सिंहभूम जिले में अब तक 1024.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी है, जबकि सामान्य बारिश 408.9 मिमी मानी जाती है। शुक्रवार को वज्रपात ने पूरे राज्य में कहर बरपाया। अलग-अलग जिलों में बिजली गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की जान चली गई, जबकि 19 लोग घायल हुए हैं। गिरिडीह के तिसरी प्रखंड के कटकोको गांव में रमेश टुडू (38 वर्ष) की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। वहीं चांडिल के नीमडीह के बामनी गांव में भूदेव महतो (61 वर्ष), बालूमाथ के झाबर गांव के आनंद उरांव, गुमला के घाघरा के नाथपुर गांव के भैयाराम उरांव (67 वर्ष) और रांची के अनगड़ा की सीता देवी (44 वर्ष) की भी मौत वज्रपात से हो गई। सीता देवी की बेटी आशा कुमारी (22 वर्ष) झुलस गई है। बीते 24 घंटे में चतरा में सबसे अधिक 132 मिमी वर्षा दर्ज की गई। साहिबगंज के बोरियो में 107 मिमी, धुरकी में 75.5 मिमी, जपला में 73.6 मिमी, सुजानी में 69 मिमी, पूर्वी सिंहभूम में 65.4 मिमी, दुमका में 52.6 मिमी, पलामू में 45.5 मिमी, जामताड़ा में 38.8 मिमी, गोड्डा में 28 मिमी और कोडरमा में 19.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

लिवर की बीमारी से परेशान पिता ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा-मम्मी प्लीज बेटे का देखभाल करना, पेंड्रा में घर में लगाई फांसी

गौरेला, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक दुकानदार पिता ने लिवर की बीमारी से तंग आकर शनिवार को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सुसाइड नोट भी बरामद किया है। जिसमें उसने बेटे की देखभाल का जिक्र किया है। यह घटना पेंड्रा थाना क्षेत्र के लाटा गांव की है। जानकारी के मुताबिक, दुर्गेश साहू (25) शराब पीने का आदी हो गया था। अधिक दारू पीने के वजह से उसके लिवर में गंभीर समस्या हो गई थी। इस बीमारी से वह लगातार परेशान रहने लगा था। आज सुबह उसकी लाश घर में फंदे से लटकते मिली।

घटना के वक्त पत्नी दूसरे कमरे थी। मामले की सूचना मिलते ही पेंड्रा पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल करने पर घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने लिखा था- मम्मी प्लीज अभिवांशु का देखभाल और पढ़ाई लिखाई करा देना। मेरा जीवन बस इतने ही दिनों का था। फिलहाल, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है और जांच पड़ताल में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ के राजशेखर करेंगे अंतरिक्ष यात्रा

अमेरिका ने अपने पहले मिशन के लिए चुना निजी अंतरिक्ष उड़ान में भारतीय छात्र

गौरेला, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पेंड्रा के रहने वाले राजशेखर पैरी जल्द अंतरिक्ष में जाने वाले है। एक निजी अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी टाइटंस स्पेस इंडस्ट्रीज ने अपने पहले मिशन के लिए भारतीय छात्र के तौर राजशेखर को चुना है।

राजशेखर (30 साल) ने अपनी पढ़ाई ऑक्सफोर्ड स्कूल से की है। वर्तमान में एयरोस्पेस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र हैं और ऑर्बिटालॉकर में प्रोजेक्ट मैनेजर-इंजीनियरिंग के पद पर कार्यरत हैं।

उन्होंने पहले कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स में इंटर्नशिप भी की है। चयन से पहले उन्हें नकली चंद्र मिशन में भागीदारी, एनालॉग आवासों में रहना इस तरह की ट्रेनिंग का सामना करना पड़ा जिसके बाद उनका सिलेक्शन हुआ। सिलेक्शन होने पर राजशेखर ने कहा कि यह सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है। यह भारत और यूके समेत दुनिया भर के इच्छुक अंतरिक्ष यात्रियों और इंजीनियरों के लिए एक संदेश है। निजी अंतरिक्ष उड़ान क्षेत्र में वैश्विक प्रतिभाओं के लिए नए अवसर खुल रहे हैं।

कंपनी के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत राजशेखर को ट्रेनिंग दी जाएगी। वे निम्न पृथ्वी की कक्षा से परे के प्रयोगों में भी हिस्सा लेंगे। यह चयन निजी एयरोस्पेस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजशेखर का जन्म छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हुआ था और उन्होंने उसी जिले में अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की और फिर ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, पेंड्रा रोड में 5वीं कक्षा से 10वीं कक्षा तक अपनी आगे की स्कूली शिक्षा पूरी की।

धनबाद में भू-धंसान जमीन के नीचे घुसी गाड़ी

घटना के बाद मची भगदड़, पुलिस ने संभाला 8 साल पहले जमीन में समा गए थे पिता-पुत्र

धनबाद, 19 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद स्थित झरिया में शुक्रवार की देर शाम जमींदोज की घटना घटी। इंदिरा चौक पर आठ साल बाद हुई इस घटना ने लोगों को एक बार फिर दहशत में ला दिया। इस घटना में एक पुराना वाहन जमीन के नीचे घुस गया। घटनास्थल पर जमीन के नीचे से लगातार धुआं निकल रहा है।

दरअसल, मो. रियाज की पार्ट्स दुकान के पीछे करीब 100 मीटर की दूरी पर घटना हुई। दुकान के पीछे खड़ा पुराना वाहन जमीन में समा गया। घटना के बाद वहां भगदड़ मच गई। लोगों की भीड़ जुट गई। थोड़ी देर के लिए सुरक्षा को ध्यान में रखकर झरिया-सिंदरी मार्ग को रोक दिया गया।

सूचना पाकर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। इंस्पेक्टर शशि रंजन ने स्थिति को संभाला। मालूम हो कि 24 मई 2017 को सुबह इंदिरा चौक पर ही पिता बबलू और उनके पुत्र रहीम गोफ में समा गए थे।

काफी प्रयास के बाद भी पिता-पुत्र को बाहर नहीं निकाला जा सका। रेस्क्यू टीम को पता ही नहीं चला था कि पिता-पुत्र कितने नीचे गहराई में समा गए हैं। कुछ पता नहीं चलने पर रेस्क्यू बंद कर दिया गया था।

बाबा बैद्यनाथ धाम में कांवर बने आकर्षण का केंद्र

150 किलो वजनी कांवर में शिव-पार्वती, बजरंगबली जलाभिषेक करते आ रहे नजर

देवघर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सावन के पावन महीने में देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में कांवरियों का तांता लगा हुआ है। इस बीच कई कांवरिए ऐसे कांवर लेकर पहुंच रहे हैं, जो लोगों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। कोई 150 किलो वजन के कांवर के साथ पहुंच रहा तो कोई कांवर में बजरंगबली की बड़ी से प्रतिमा को लेकर। ऐसे कांवर के साथ श्रद्धालु सेल्फी लेते भी नजर आ रहे हैं।

इस बीच कोलकाता से आई 25 कांवरियों की एक टोली ने अपने अनूठे कांवर से सबका ध्यान खींचा है। यह कांवर लगभग 8 फीट ऊंचा और 150 किलो वजनी है। इसमें भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्तियां स्थापित हैं। साथ ही महाकालेश्वर का शिवलिंग भी मौजूद है। कांवर को एक मंदिर के सिंहासन की तरह सजाया गया है। टोली के सदस्य विकास कुमार ने बताया कि वे हर साल कोई ना कोई विशेष कांवर लेकर बाबा धाम आते हैं। इस बार का कांवर इतना आकर्षक है कि अन्य कांवरिया इसके साथ सेल्फी लेने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। वहीं, देवघर के कांवरिया पथ पर कोलकाता से आए कांवरिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन गए। कोलकाता बम के नाम से प्रसिद्ध 40 सदस्यों की टोली इस बार अनूठा कांवर लेकर पहुंची है। इस कांवर में शिवलिंग के साथ बजरंगबली की मूर्ति भी शामिल है। टोली के सदस्य रोहित कुमार ने बताया कि उनकी टोली हर साल भगवान शिव के अलग-अलग स्वरूपों को प्रदर्शित करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचती है। इस वर्ष उन्होंने शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए बजरंगबली की मूर्ति को कांवर में दर्शाया है।

इधर, कोलकाता से आए 40 का कांवरियों की टोली लगभग 200 किलो के कांवर को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंची। कांवर पर चार धाम के मंदिर के प्रारूप बने हुए हैं। बद्रीनाथ, द्वारकाधीश, रामेश्वरम और जगन्नाथ पुरी के अलावे एक बड़े भोले शंकर का मूर्ति है जो नदी के साथ विराजमान हैं।

गोवंश तस्करी का पर्दाफाश

स्कॉर्पियो से 6 मवेशी जब्त, चालक फरार, थाना कैंपस में रखे गए हैं जानवर

गुमला, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र में आज सुबह पुलिस ने गोवंश तस्करी का एक मामला पकड़ा है। घाघरा पुलिस पेट्रोलिंग पर थी, तभी लोहरदगा रोड स्थित चपका के पास एक स्कॉर्पियो (नंबर जेएच05एए 1171) दिखा। पुलिस ने जब उसे रोकने की कोशिश की, तो चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली, तो अंदर से 6 गोवंश मवेशी बरामद किए गए।

जानवरों को बेहद क्रूरता के साथ ठूंसकर रखा गया था। उन्हें अवैध रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। घाघरा थाना प्रभारी पुनीत मिंज ने जानकारी दी कि जब्त किए गए सभी मवेशियों को फिलहाल थाना परिसर में रखा गया है। उनकी देखभाल के लिए उन्हें जिम्मानामा पर किसानों को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मवेशियों को कहां से लाया गया था और उन्हें कहां ले जाया जा रहा था। साथ ही गाड़ी चालक समेत अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताते चलें कि छत्तीसगढ़ से गुमला होते हुए पश्चिम बंगाल तक गोवंश की अवैध तस्करी का पुराना नेटवर्क सक्रिय है। समय-समय पर पुलिस इस रूट से गोवंश तस्करों को पकड़ती रही है। पिछले महीने भी रायडीह थाना क्षेत्र में बड़ी संख्या में मवेशियों को तस्करी के दौरान जब्त किया गया था।

चीन ने पहलगाम हमले की निंदा की

कहा– हम हर तरह के आतंकवाद के विरोधी, आतंकी संगठन टीआरएफ और पाकिस्तान का नाम नहीं लिया

बीजिंग, 19 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में शुक्रवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन हर तरह के आतंकवाद का सख्त विरोध करता है और 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है।

उन्होंने आगे कहा, चीन सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता बनाए रखने की अपील करता है।

चीन का यह बयान अमेरिका के पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किए जाने के बाद आया है।

चीन ने पहलगाम हमले की निंदा तो की है, लेकिन अमेरिका की तरह न तो टीआरएफ का नाम लेकर उसकी आलोचना की और न ही टीआरएफ सीधे तौर पर आतंकी संगठन कहा।

टीआरएफ पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन है। इसने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी।

हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है।

हालांकि, 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था।

टीआरएफ मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी

गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है। भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया था। 2019 में आर्टिकल-370 हटने के बाद अस्तित्व में आया टीआरएफ जम्मू-कश्मीर के आतंकी संगठनों में 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) नया नाम है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाए जाने के बाद यह अस्तित्व में आया। भारत सरकार भी मानती है कि ये लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी आतंकी संगठन है। ये आतंकी संगठन जवानों और आम नागरिकों की हत्या के अलावा सीमा पार से ड्रग्स और हथियार की तस्करी में शामिल रहा है। सुरक्षा मामलों के जानकार बताते हैं कि सीमा पार से आईएसआई हैंडलर्स ने ही लश्कर-ए-तैयबा की मदद से टीआरएफ को खड़ा किया।

इससे पहले अमेरिका ने गुरुवार को पहलगाम आतंकी हमले की आलोचना की थी और इसकी जिम्मेदारी लेने वाले संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की लिस्ट में डाल दिया था। इस सूची में पहले से ही पाकिस्तान के कई आतंकी संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), जमात-उद-दावा (जेयूडी) और आतंकी सरगना हाफिज सईद व मसूद अजहर जैसे नाम शामिल हैं।

ट्रम्प ने वॉल स्ट्रीट जर्नल पर मानहानि का केस किया

86 हजार करोड़ का हर्जाना मांगा, न्यूड तस्वीर वाले लेटर पर नाराजगी जताई थी

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) पर मानहानि का केस किया है। उन्होंने 10 अरब डॉलर (लगभग 86,188 करोड़ भारतीय करेंसी) हर्जाने की मांग की है।

ट्रम्प ने डब्ल्यूएसजे पर आरोप लगाया है कि उसने एक झूठी और मानहानिकारक खबर छापी, जिसमें उनका नाम अरबपति और सेक्स ट्रैफिकिंग के दोषी जेफ्री एपस्टीन के साथ जोड़ा गया है।

दरअसल, अखबार ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि ट्रम्प ने साल 2003 में एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर एक लेटर भेजा था। इस लेटर में सिर्फ ट्रम्प का नाम ही नहीं था, बल्कि उसमें एक नग्न महिला की तस्वीर भी संलग्न थी।

ट्रम्प ने इस खबर को झूठा और अपमानजनक बताते हुए कहा है कि अगर डब्ल्यूएसजे ने इसे वापस नहीं लिया, तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। इसके मालिक रूपर्ट मर्डोक और उनकी कंपनी न्यूज कॉर्प पर केस करने की

धमकी दी थी। इस एल्बम में एक टाइप की हुई चिट्ठी है जिसमें ट्रम्प का मैसेज है जो उन्होंने एपस्टिन के लिए लिखा है। ट्रम्प के मैसेज के साथ लेटर में एक नग्न महिला की ड्राइंग भी है। उसके प्राइवेट पर ट्रम्प की दस्तखत है।

अखबार ने उस महिला की तस्वीर साझा नहीं की है और न ही बताया है कि वह किस महिला की तस्वीर है। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि उन्होंने खुद रूपर्ट मर्डोक से कहा था कि वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपने वाली खबर पूरी तरह फर्जी है और इसे प्रकाशित नहीं किया जाना चाहिए।

ट्रम्प का दावा है कि मर्डोक ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह इस मामले को देखेंगे, लेकिन इसके बावजूद खबर छाप दी गई। ट्रम्प ने कहा कि अगर उनके बारे में जेफ्री एपस्टीन केस से जुड़ा कोई सच होता, तो वह अब तक सामने आ चुका होता। एफबीआई, सीआईए या फिर हिलेरी क्लिंटन जैसे विरोधी लोग इसे उजागर कर चुके होते। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई चिट्ठी इतने सालों तक छुपी नहीं रह सकती थी और न ही तब तक इंतजार करती जब तक वे तीन बार चुनाव नहीं जीत जाते। (ट्रम्प मानते हैं कि उन्होंने 2020 का चुनाव भी जीता था।)

खास बात ये है कि वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर छपने से पहले ट्रम्प ने राष्ट्रपति भवन की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट के जरिए अखबार की एडिटर एम्मा टकर को अपना मैसेज भिजवाया था। ट्रम्प ने साफ कहा था कि एपस्टीन को लिखा गया वह लेटर नकली है और खबर झूठ पर आधारित है। लेकिन एम्मा टकर ने उनकी बात नहीं मानी और फिर भी वह खबर छाप दी। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दावा किया है कि उन्होंने खबर छापने से पहले ट्रम्प से उनका रिएक्शन मांगा था। लेकिन जवाब एक दिन बाद मिला, जिसमें उन्होंने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि वे जर्नल पर मुकदमा करेंगे, जैसे वे पहले कई मीडिया संस्थानों पर कर चुके हैं। इसके बाद वॉल स्ट्रीट जर्नल ने 16 जुलाई को खबर छाप दी।खबर का शीर्षक है- 'जेफरी एपस्टीन के दोस्तों ने उन्हें 50वें जन्मदिन के एल्बम के लिए अश्लील पत्र भेजे। एक डोनाल्ड ट्रम्प का था।' 94 साल के रूपर्ट मर्डोक वॉल स्ट्रीट जर्नल, फॉक्स न्यूज और कई दूसरे मीडिया ब्रांड्स के मालिक हैं। ट्रम्प और मर्डोक के बीच रिश्ते कभी बेहद करीबी रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में उनमें खटास आ गई है।

किम-जोंग का ड्रीम रिसॉर्ट रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से बंद

11 साल में बनकर तैयार हुआ था, 25 दिन पहले ही खोला गया था

प्योंगयांग, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने अपना मशहूर वॉनसन-काल्मा बीच रिसॉर्ट विदेशी पर्यटकों के लिए अचानक बंद कर दिया है। उत्तर कोरिया सरकार इस रिसॉर्ट के जरिए विदेशी टूरिस्ट्स को लुभाकर अपने फॉरेन करेंसी रिजर्व को बढ़ाना चाहती थी। यह रिसॉर्ट को नार्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन का ड्रीम प्रोजेक्ट था। इसे बनाने का काम 2014 में शुरू हुआ था और इसी साल 24 जून को खोला गया था। अब इसके अचानक बंद होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक रूसी पत्रकार ने यहां मौजूद टूरिस्ट्स को लेकर दावा किया था, वे टूरिस्ट्स अपनी मर्जी से नहीं आए थे, बल्कि उन्हें सरकार ने यहां लाई था। इसके बाद ही इस रिसॉर्ट को बंद करने का फैसला किया गया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक टूरिज्म वेबसाइट डीपीआर कोरिया टूर ने बिना कोई ठोस कारण बताए कहा कि रिसॉर्ट अस्थायी रूप से बंद किया गया है, लेकिन कुछ खबरों में दावा किया जा रहा है कि एक रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से इसे बंद करना पड़ा है।

दरअसल ये पत्रकार रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ रिसॉर्ट गया था और उसने बताया कि वहां मौजूद 'पर्यटक' असल टूरिस्ट्स नहीं हैं, बल्कि इन्हें सरकार ने भेजा था। इस खुलासे के बाद उत्तर कोरिया की साख को नुकसान पहुंचा था।

अगर विदेशी सैलानी नहीं आएंगे, तो रूबल, युआन या डॉलर जैसी विदेशी मुद्रा नहीं मिलेगी। इससे रिसॉर्ट को चलाना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, हो सकता है कि रिसॉर्ट को पूरी तरह तैयार करने या कुछ और आंतरिक कारणों से ये फैसला लिया गया हो। वहीं, साउथ कोरिया के कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के एक्सपर्ट ओह ग्योंग-सियोब का कहना है कि उत्तर कोरिया ने विदेशी पर्यटकों को रिसॉर्ट में आने की इजाजत देने से होने वाले नकारात्मक परिणामों के डर से यह फैसला लिया।

ईयू ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए

गुजरात की वाडीनार रिफाइनरी शामिल, भारतीय प्रवक्ता बोले– एकतरफा प्रतिबंधों को नहीं मानते

कीव, 19 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर रूस पर प्रतिबंधों के एक नए पैकेज की घोषणा की है। इसमें गुजरात स्थित नायरा एनर्जी की वाडीनार रिफाइनरी का भी नाम शामिल है, जिसमें रूसी ऊर्जा कंपनी रोसनेफ्ट की बड़ी हिस्सेदारी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत किसी भी एकतरफा प्रतिबंधों को नहीं मानता। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बहुत महत्व देता है, ताकि देशवासियों की बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें। उन्होंने कहा कि ऊर्जा व्यापार में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। ईयू ने रूस से आने वाले रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों पर रोक लगाई है और तेल की कीमतों की अधिकतम मूल्य को और कम किया है। साथ ही, 105 और शैडो फ्लीट जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने इसे अब तक का सबसे मजबूत प्रतिबंध पैकेज बताया। जायसवाल ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार देश है और अपने कानूनी दायित्वों को पूरी तरह निभाता है।

रक्षा विभाग के कंप्यूटरों का मेंटीनेंस कर रहे थे चीनी इंजीनियर

हेगसेथ ने दिए सिस्टम की समीक्षा के आदेश

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। एक मीडिया संगठन की रिपोर्ट ने अमेरिकी रक्षा विभाग में हड़कंप मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी रक्षा विभाग के कंप्यूटरों के मेंटीनेंस का काम माइक्रोसॉफ्ट के नेतृत्व में चीनी इंजीनियर कर रहे थे। इसे लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने विभाग के डिजिटल सिस्टम की दो सप्ताह की समीक्षा करने के आदेश दिए हैं। वहीं माइक्रोसॉफ्ट ने भी एलान किया है कि वह रक्षा विभाग की क्लाउड सेवा में तकनीकी सहायता के लिए चीनी इंजीनियरिंग टीम का उपयोग नहीं करेगा।

प्रोपब्लिका में प्रकाशित एक जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि माइक्रोसॉफ्ट अमेरिकी रक्षा विभाग के कंप्यूटरों के मेंटीनेंस में मदद के लिए चीनी इंजीनियरों का उपयोग कर रहा था। इसकी अमेरिकी कर्मी निगरानी भी नहीं कर रहे थे। माना जा रहा है चीन के इंजीनियरों से काम कराने से देश के संवेदनशील डाटा के लीक होने का खतरा है। रिपोर्ट सामने आने के बाद माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य संचार अधिकारी फ्रैंक शॉ ने रक्षा विभाग के तकनीकी समर्थन के लिए चीन-आधारित इंजीनियरों का उपयोग रोकने की बात कही। उन्होंने एक्स पर बयान में कहा कि इस सप्ताह अमेरिका द्वारा निगरानी वाले विदेशी इंजीनियरों के बारे में उठाई गई चिंताओं के जवाब में माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिकी सरकार के ग्राहकों के लिए हमारे समर्थन में बदलाव किए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी चीन-आधारित इंजीनियरिंग टीम रक्षा विभाग की सरकारी क्लाउड और संबंधित सेवाओं के लिए तकनीकी सहायता प्रदान न करे। उन्होंने कहा कि हम अमेरिकी सरकार को यथासंभव सबसे सुरक्षित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें जरूरत पड़ने पर हमारे सुरक्षा प्रोटोकॉल का मूल्यांकन और समायोजन करने के लिए हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारों के साथ काम करना भी शामिल है।

इसके बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वीडियो बयान में कहा कि रक्षा विभाग को एक सुरक्षा से जुड़ी एक समस्या के बारे में जानकारी मिली थी। प्रोपब्लिका और रिपब्लिकन सीनेटर टॉम कॉटन के पत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमें पता लगा कि रक्षा विभाग की क्लाउड सेवाओं के लिए तकनीकी कंपनी चीनी इंजीनियरों का उपयोग कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल सिस्टम एक विरासत प्रणाली है। इसे ओबामा प्रशासन के दौरान बनाया गया था। रक्षा विभाग के कंप्यूटर सिस्टम में कमी की जानकारी मिलने के बाद से हम इसकी जांच कर रहे हैं।

गृहयुद्ध जैसी स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरा

बांग्लादेश में हिंसा पर बोले जातीय पार्टी के महासचिव

ढाका, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के गोपालगंज में भड़की हिंसा की जातीय पार्टी के महासचिव ने निंदा की है। उन्होंने कहा कि गृहयुद्ध जैसी स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरा है। यह तनाव किसी के लिए सही नहीं हैं। बांग्लादेश में हिंसा तब भड़की थी जब नवगठित 'नेशनल सिटिजन पार्टी' (एनसीपी) और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे। इसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

जातीय पार्टी के महासचिव शमीम हैदर पटवारी ने कहा कि स्थिति बहुत तनावपूर्ण है। यह बहुत अस्थिर और अप्रत्याशित है। अगर देश में फरवरी में चुनाव होने वाले हैं, तो मुझे ऐसा कोई संकेत नहीं दिखता कि सरकारी मशीनरी और राजनीतिक दल इसके लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इसके बजाय वे हिंसा का प्रचार कर रहे हैं। साफ है कि अगर एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) गोपालगंज जाती है, तो वे शेख हसीना और शेख मुजीबुर रहमान के खिलाफ नारे लगाएंगे। इससे लोग भड़क जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में कुछ इलाके ऐसे हैं जहां कुछ पार्टियां बेहद लोकप्रिय हैं। जैसे बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) बोगुरा में है, और जातीय पार्टी रंगपुर में लोकप्रिय है। गोपालगंज जाकर अराजकता फैलाना समझदारी नहीं है। हम नए नेताओं से शांति चाहते हैं, अराजकता नहीं। गोपालगंज जाना राजनीतिक रूप से नासमझी भरा फैसला है। यह अनावश्यक है। इससे पहले कई राज्य के नेता खून-खराबे से बचने के लिए गोपालगंज जाने से बचते थे। सभी को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए तैयार रहना चाहिए। संघर्ष और गृहयुद्ध जैसी स्थिति लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों और शेख हसीना के भारत में शरण लेने पर उन्होंने कहा कि शरणार्थी के रूप में या जान बचाने के लिए कोई भी किसी भी देश में रह सकता है। मुझे इसमें कोई अवैधता नहीं दिखती। भारत हमारा एकमात्र पड़ोसी है, क्योंकि म्यांमार गृहयुद्ध की स्थिति में है। इस समय हमारा एकमात्र पड़ोसी भारत है। हमारी 3,000 किलोमीटर लंबी सीमा है और हर साल लगभग दस लाख से ज़्यादा लोग इलाज के लिए भारत जाते हैं।

उन्होंने कहा कि जरूरी चीजों और इलाज के लिए हम भारत पर निर्भर हैं। भारत बांग्लादेश पर निर्भर है क्योंकि अगर बांग्लादेश अस्थिर होता है तो इससे सेवन सिस्टर्स और अन्य हिस्सों में तनाव पैदा होगा। शेख हसीना के पतन के बाद कुछ लोगों ने भारत के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने नए नक्शे भी बनाए। लोगों का कहना है कि सेवन सिस्टर्स को परेशान किया जाएगा। सरकार की इन अनावश्यक टिप्पणियों ने भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव पैदा किया। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम पड़ोसी हैं और साथ मिलकर काम करना होगा। किसी भी देश को ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए जिससे दूसरे देश की संप्रभुता प्रभावित हो। सुरक्षा यह एक बड़ी चिंता है। जातीय पार्टी भारत के

रूस में छिड़ेगी भीषण लड़ाई

अमेरिकी जनरल की कलिनिनग्राद पर कब्जे की धमकी पुतिन के करीबी बोले– ये तीसरे विश्व युद्ध का ऐलान होगा

बर्लिन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना और नाटो सहयोगियों ने ईस्टर्न फ्लैंक डिटरेंस लाइन शुरू किया है। इसका उद्देश्य नाटो की जमीनी रक्षा क्षमता और सैन्य अंतर-संचालन को बढ़ावा देना है। अमेरिकी सेना के यूरोप और अफ्रीका कमांडर जनरल क्रिस्टोफर डोनह्यू ने जर्मनी के विस्बाडेन में अमेरिकी सेना संघ में बोलते हुए यह कहा है। इस पहल का लक्ष्य खासतौर से रूसी खतरों का मुकाबला करना है। क्रिस्टोफर ने रूस के कलिनिनग्राद पर हमले की धमकी भी दी है। दूसरी ओर रूस ने इस तरह के हमले से तीसरे विश्व युद्ध का खतरा जताया है।

जनरल क्रिस्टोफर डोनह्यू ने कहा कि नाटो यूरोप के मध्य में स्थित रूस के रणनीतिक सैन्य किले-कलिनिनग्राद पर कब्जा कर सकता है। पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित

कलिनिनग्राद पर रूस का नियंत्रण है। हालांकि यह रूस से काफी हद तक कटा है। ऐसे में नाटो और पश्चिम को लगता है कि पुतिन इसका इस्तेमाल यूरोप पर हमला करने के लिए कर सकता है। इस रणनीतिक एक्सक्लेव का इस्तेमाल करके रूसी सुवाल्की गैप पर भी कब्जा कर सकते हैं। करीब 60 मील चौड़ी ये दुर्गम भूमि पट्टी बाकी नाटो देशों को बाल्टिक देशों से जोड़ती है।

डिफेंस न्यूज से बात करते हुए अमेरिकी जनरल क्रिस्टोफर ने कहा कि नाटो ने रूस के साथ बड़े पैमाने पर संघर्ष की स्थिति में इस स्थान पर कब्जा करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, 'अब आप कैलिनिनग्राद को इतनी तेजी से गिरा सकते हैं, जितनी पहले कभी नहीं देखी गई। हमने इसकी योजना पहले ही बना ली है। हमने रूस को रोकने की क्षमता विकसित कर ली है।'

अंतर्राष्ट्रीय मामलों की रूसी संसदीय समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लट्स्की ने चेतावनी दी है कि कैलिनिनग्राद क्षेत्र पर हमले का मतलब रूस पर हमला होगा। इसके लिए सभी उचित जवाबी उपाय किए जाएंगे। इसमें परमाणु विकल्प भी मौजूद हैं। उन्होंने अमेरिकी जनरल पर तीसरे विश्व युद्ध को छेड़ने की योजना का आरोप लगाते हुए कहा कि इस वैश्विक गतिरोध का कोई विजेता नहीं होगा।

ट्रम्प बोले-भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 जेट गिरे

किस देश के यह नहीं बताया 24वीं बार कहा– जंग मैंने रुकवाई

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। साथ ही उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान जंग में सच में पांच जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे।

ट्रम्प ने ये बात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान कही। ट्रम्प अब तक 24 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की बात कह चुके हैं। पहली बार ऐसा दावा उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर किया था।

दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने लड़ाई में 5 भारतीय विमान मार गिराए थे। वहीं, भारत ने भी कहा था कि पाकिस्तान के कुछ विमान गिराए गए हैं। पाकिस्तान ने अपने किसी भी विमान के नुकसान से इनकार किया, लेकिन हवाई ठिकानों को निशाना बनाने की बात मानी थी। ट्रम्प बोले थे- हम युद्धों को निपटाने में बहुत सफल रहे

इससे पहले 14 जुलाई को ट्रम्प ने अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को बढ़ने से रोक दिया था। ट्रम्प ने ये टिप्पणियां नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ अपनी बैठक के दौरान कीं। ट्रम्प ने कहा, 'हम युद्धों को निपटाने में बहुत सफल रहे हैं।' उन्होंने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हमने व्यापार के माध्यम से ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते, हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे, और उन्होंने ऐसा किया।' इसके अलावा, राफेल और सुखोई-30 ने पाकिस्तानी सेफ सेंटर (हैंगर) को निशाना बनाया, जिसमें मेड इन चीन विंग लूंग ड्रोन तबाह हुए। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर भी एक स्वीडिश मूल का एईडब्ल्यूसी विमान तबाह हुआ था। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने मई में ब्लूमबर्ग के साथ बातचीत में विमान मार गिराए जाने का जिक्र किया था।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा आवेदकों को दिया बड़ा अपडेट

वित्त वर्ष 2026 के लिए कैप पूरी भारतीय जान लें किसे मिलेगी छूट

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी नागरिकता और इमिग्रेशन सर्विस सेवा (यूएससीआईएस) ने कहा है कि उनको वित्तीय वर्ष 2026 की तय समय सीमा के लिए जरूरी एच-1बी वीजा एप्लीकेशन मिल गए हैं। यूएससीआईएस ने अपने बयान में बताया है कि संसद की ओर से निर्धारित 65,000 एच-1बी वीजा रेगुलर कैप और 20,000 एच-1बी वीजा एडवांस डिग्री छूट (मास्टर डिग्री) को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त अर्जी मिल गई हैं। हालांकि कुछ मामलों में आवेदन करने की छूट जारी रहेगी। भारतीयों के लिए ये जानकारी काफी अहम है क्योंकि अमेरिका के एच-1बी वीजा चाहने वालों की बड़ी तादाद भारत के लोगों की रही है। एच-1बी वीजा नियोक्ताओं को विशिष्ट कौशल और स्नातक डिग्री वाले विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। एच-1बी वीजा जारी करने में भारतीयों का लगातार दबदबा रहा है। एच-1बी वर्गीकरण में प्रत्येक वित्तीय वर्ष में नए स्टेटस/वीजा के लिए 65,000 की वार्षिक सीमा (कैप) है। अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थान से मास्टर डिग्री लेने वाले लाभार्थियों की ओर से दायर अतिरिक्त 20,000 याचिकाएं इस कैप से मुक्त हैं। अपने नए बयान में यूएससीआईएस ने कहा कि वह उन याचिकाओं को स्वीकार और प्रोसेस में रखेगा, जो इस सीमा से मुक्त हैं। यूएससीआईएस के अनुसार, कुछ मामलों में याचिकाओं को स्वीकार करना जारी रखेंगे। इसमें किसी मौजूदा एच-1बी कर्मचारी के अमेरिका में रहने की अवधि बढ़ाना, मौजूदा एच-1बी कर्मचारियों के लिए रोजगार की शर्तों में बदलाव, मौजूदा एच-1बी कर्मचारियों को नियोक्ता बदलने की अनुमति और मौजूदा एच-1बी कर्मचारियों को अतिरिक्त एच-1बी पदों पर एक साथ काम करने की अनुमति देना शामिल है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के आंकड़ों के अनुसार, उसे 2026 वित्तीय वर्ष के लिए 3,43,981 योग्य एच-1बी कैप पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। इनमें से 7,828 लाभार्थी ऐसे थे, जिनके पास कई योग्य पंजीकरण थे। हालांकि एजेंसी ने केवल 120,141 पंजीकरणों का चयन किया। 2025 में यूएससीआईएस को 4,70,342 योग्य पंजीकरण प्राप्त हुए।

ओबामा प्रशासन पर मुकदमे की मांग

ट्रंप की जीत में रूसी दखल के आरोपों पर तुलसी गबार्ड का पलटवार

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बवाल मच गया है। इस बार अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख और पूर्व कांग्रेस सदस्य तुलसी गबार्ड ने ओबामा प्रशासन पर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके प्रमुख अधिकारियों ने जानबूझकर रूस के दखल की झूठी कहानी गढ़ी ताकि ट्रंप की वैध जीत को संदेह के घेरे में डाला जा सके। गबार्ड ने इस मामले में आपराधिक जांच और मुकदमे की मांग की है।

तुलसी गबार्ड ने अपने बयान में दावा किया कि ओबामा प्रशासन ने खुफिया जानकारी को राजनीतिक हथियार बना दिया और अमेरिकी जनता की इच्छा के खिलाफ काम किया। उन्होंने पूर्व डीएनआई जेम्स क्लैपर, सीआईए निदेशक जॉन ब्रेनन और एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी पर झूठी खुफिया रिपोर्ट तैयार कराने का आरोप लगाया।

गबार्ड ने इसे 'देशद्रोही साजिश' करार दिया और कहा कि यह सब ट्रंप को कमजोर करने और एक लंबे समय तक चली साजिश की नींव थी।

गबार्ड द्वारा जारी दस्तावेजों के अनुसार, नवंबर 2016 से पहले अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का आकलन था कि रूस चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर रहा है।

जोगाराम पटेल का बड़ा बयान

जाति के आधार पर प्रदेश की मांग अनुचित, विकास पर हो चर्चा

जोधपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल जोधपुर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भील प्रदेश और मरु प्रदेश को लेकर उठ रही मांगों पर बड़ा बयान दिया। मंत्री पटेल ने स्पष्ट कहा कि जाति के आधार पर अलग प्रदेश की मांग करना अनुचित है। उन्होंने बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत की भील प्रदेश की मांग को अस्वीकार करते हुए कहा कि ऐसी मांगों की जगह हमें विकास पर बात करनी चाहिए। राज्य के हर क्षेत्र में अधिक विकास के प्रयास किए जा सकते हैं।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर दौरे के दौरान मरु प्रदेश की मांग को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की तुलना में राजस्थान का भौगोलिक आकार उतना बड़ा नहीं है, इसके बावजूद मरु प्रदेश की मांग काफी लंबे समय से चली आ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मांग किसी जाति या धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से एक भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर की गई है।

मंत्री पटेल ने कहा कि अब समय के साथ वह क्षेत्र जिसे मरु प्रदेश कहा जाता था, पूरी तरह से मरु यानी रेगिस्तान नहीं रहा। आज यह इलाका हराभरा और विकसित हो चुका है। सिंचाई, जल प्रबंधन, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का विस्तार इस क्षेत्र में तेजी से हुआ है। इसलिए मरु प्रदेश जैसी मांग को वर्तमान संदर्भ में नए नजरिए से देखना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि मरु प्रदेश की मांग पर विचार करना राज्य सरकार का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार का विषय है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं इस विषय पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन यह अवश्य कहूंगा कि यह मांग अपने स्तर पर बनी हुई है और लोगों की भावना से जुड़ी हुई है।

उन्होंने प्रदेश में जारी मानसून की अच्छी वर्षा को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने गिरिराज महाराज से अच्छी वर्षा की प्रार्थना की थी, जिसे अब फलित माना जा रहा है। पूरे प्रदेश में संतोषजनक वर्षा हुई है और अधिकांश बांध भरने की स्थिति में हैं। इस दौरान उन्होंने जोधपुर एम्स में हो रहे सेमिनार को लेकर भी जानकारी दी कि मरीज और डॉक्टर के रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

गरीब रथ एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग

अचानक तेजी से निकलने लगी लपटें, बड़ा हादसा टला, 500 यात्री थे सवार

अजमेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ब्यावर में शनिवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा टल गया। जब मुंबई-दिल्ली के बीच चलने वाली गरीब रथ एक्सप्रेस (12216) के इंजन में आग लग गई। यह घटना सुबह करीब तीन बजे उस समय हुई, जब ट्रेन सेंदड़ा रेलवे स्टेशन (ब्यावर के पास) से गुजर रही थी। बता दें कि इंजन से धुआं निकलता देख लोको पायलट ने तुरंत सतर्कता दिखाई और ट्रेन को रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना के वक्त ट्रेन में करीब 500 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि आग सिर्फ इंजन तक सीमित रही और डिब्बों तक नहीं पहुंची, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया और यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था की।

'विदेशों में घूमने वाले विदेश नीति नहीं जानते'

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी का राहुल गांधी पर तंज

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि विदेशों में घूमने वाले विदेश नीति नहीं जानते हैं। साथ ही उन्होंने अहमदाबाद विमान हादसे पर न्यायिक जांच की मांग वाले अशोक गहलोत के बयान पर भी पलटवार किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी जयपुर आए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा की पहलगाम हमले के दोषी आतंकी संगठन टीआरएफ पर अमरीका ने प्रतिबंध लगा दिया है। आतंकवाद पर मोदी सरकार ने कई बार कूटनीतिक सफलता हासिल की है।

विपक्ष के नेता ने कहा था, विदेश नीति सर्कस की तरह है, अब वे क्या कहेंगे। त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, 'विदेशों में घूमने वाले

विदेश नीति नहीं जानते'।

गहलोत के बयान पर भी पलटवार

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अहमदाबाद विमान हादसे पर न्यायिक जांच की मांग के बयान पर कहा कि- घटना तकनीकी विषय है। अन्तरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तर पर जांच हो रही है।

इस दुखद घटना पर छोटी राजनीति करना ठीक नहीं है। कन्हैयालाल हत्याकांड में सरकार की ओर से ठीक से पक्ष नहीं रखे जाने को लेकर कहा कि पीएफआई को मार्च की अनुमति गहलोत ने दी थी।

सीएम आवास भी पहुंचे सुधांशु त्रिवेदी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी मुख्यमंत्री निवास भी पहुंचे। जहां पर सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

260 लोगों की जान कैसे गई? गहलोत ने रिपोर्ट पर उठाए सवाल

न्यायिक जांच की मांग

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुए भीषण विमान हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। इस मुद्दे को लेकर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार से सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच की मांग की है। गहलोत ने आरोप लगाया कि पायलटों को बलि का बकरा बनाना सबसे आसान है, क्योंकि वे अपना पक्ष रखने के लिए जीवित नहीं हैं।

सभी पहलुओं की गहन जांच हो- गहलोत

दरअसल, अशोक गहलोत ने इस हादसे की सच्चाई सामने लाने और हवाई यात्रा में आम लोगों का भरोसा बहाल करने के लिए एक स्वतंत्र जांच आयोग गठित करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इस आयोग में भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी और एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञ शामिल किए जाएं, ताकि हादसे के सभी पहलुओं की गहन जांच हो सके।

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश की पूरी सच्चाई सामने लाने और हवाई यात्रा पर आमजन का भरोसा जमाने के लिए भारत सरकार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग गठित करना चाहिए।

उन्होंने एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट पर सवाल उठाए, जिसमें हादसे का कारण फ्यूल स्विच को कुछ पलों के लिए कटऑफ करना बताया गया। गहलोत ने कहा कि यह आसान है कि मृत पायलटों पर आरोप लगाए जाएं, क्योंकि वे अब अपना पक्ष नहीं रख सकते।

पायलट फ्यूल स्विच क्यों बंद करेंगे?

उन्होंने कहा कि कई विशेषज्ञों का मानना है कि इतने अनुभवी और स्वस्थ पायलट जानबूझकर फ्यूल स्विच बंद क्यों करेंगे? मैं खुद सिविल एविएशन मंत्री रह चुका हूं और मेरे मन में भी इस रिपोर्ट को लेकर शंकाएं हैं। गहलोत ने कहा कि हादसे को एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद, मीडिया, सोशल मीडिया और वैश्विक एविएशन जगत में इसकी चर्चा जारी है।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में आशंकाएं बढ़ रही हैं। सभी देशवासी यह जानना चाहते हैं कि 260 लोगों की जान किस कारण गई।

एएआईबी की रिपोर्ट में ये दावा

बता दें, एएआईबी की रिपोर्ट के अनुसार हादसे का कारण फ्यूल स्विच का कटऑफ होना था। इसमें पायलटों के बीच हुई आखिरी बातचीत का जिक्र है, जिसमें को-पायलट क्लाइव कुंदर ने कैप्टन सुमीत सभरवाल से पूछा कि आपने फ्यूल स्विच को कटऑफ क्यों किया? जबकि कैप्टन ने इससे इनकार किया।

अमेरिकी जांचकर्ताओं ने दावा किया कि कैप्टन सभरवाल ने जानबूझकर फ्यूल स्विच बंद किया। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग का हवाला देते हुए बताया गया कि को-पायलट हैरान और घबराए हुए थे, जबकि कैप्टन शांत दिखे। रिपोर्ट के अनुसार, कैप्टन सभरवाल के पास 15,638 घंटे और को-पायलट कुंदर के पास 3,403 घंटे का उड़ान अनुभव था।

सरकार का बड़ा फैसला

छोटे शहरों में पीएनजी-सीएलजी नेटवर्क का होगा विस्तार

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अब सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन का नेटवर्क तेजी से फैलेगा। लंबे समय से राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति के लागू होने का इंतजार था। हाल ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट से इस नीति को मंजूरी मिलने से अब उपभोक्ताओं को सुरक्षित गैस आपूर्ति करने का काम गति पकडेगा। घरेलू उपभोक्ताओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराने के साथ ही वाहनों के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) को प्रोत्साहन देने के लिए भी यह नीति अहम है। इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मिलेगा।

कांग्रेस में विभाग-प्रकोष्ठों का पांच साल बाद गठन

पायलट की बगावत के बाद किए गए थे भंग

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। संगठन को मजबूत करने की दिशा में कांग्रेस में लगातार नियुक्तियां की जा रही हैं। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में तत्कालीन डिप्टी सीएम तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट की 2020 में गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत के बाद राजस्थान कांग्रेस के सभी विभाग और प्रकोष्ठ भंग कर दिए गए थे। अब इन प्रकोष्ठों और विभागों में नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस ने एक साथ 7 प्रकोष्ठों का गठन कर दिया। इसमें मुकुल गोयल को उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। भरत मेघवाल को कच्च बस्ती प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी दी गई है। योगिता शर्मा को अभाव अभियोग प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। अमीन पठान को खेल-कूद प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। सुशील पारीक को पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ का प्रदेशाध्यक्ष तथा जीवण खान कायमखानी को स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं, संदीप यादव को सहकारिता प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी दी गई है। अब जल्द ही प्रकोष्ठ प्रमुख अपनी राज्य और जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे। जिससे कांग्रेस संगठनात्क नियुक्तियों की तादाद बढ़ेगी और हजारों नये कार्यकर्ताओं की फौज कांग्रेस संगठन से जुड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस में कुल 18 प्रकोष्ठों में से अब तक 11 पर नियुक्तियों का काम पूरा हो चुका है। वहीं, 11 विभागों में से 6 विभागों के गठन का काम पूरा हो चुका है। पिछले दिनों आदिवासी और अल्पसंख्य विभाग की नियुक्ति भी कर दी गई थी।

बासनपीर छतरी विवाद: थार की अपनायत का संदेश लेकर गए नेताओं को गांव में नहीं मिला प्रवेश, सख्त नाकेबंदी

जैसलमेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के बासनपीर गांव में छतरी निर्माण को लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मुद्दे पर सियासी हलचल दिनों-दिन तेज होती जा रही है। शनिवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिनमें सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री और संगठन पदाधिकारी एकजुट होकर बासनपीर की ओर कूच कर गए। यह पूरा काफिला बाड़मेर सर्किट हाउस से ₹थार की अपनायत₹ के संदेश और झंडों के साथ रवाना हुआ। वर्तमान में बासनपीर गांव में भारतीय दंड संहिता की धारा 163 लागू है, जिसके तहत एक स्थान पर पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। इसी के चलते पुलिस प्रशासन ने किसी भी बाहरी व्यक्ति को गांव में प्रवेश नहीं करने देने का सख्त निर्देश जारी किया है। इस आदेश की पालना करते हुए बाड़मेर और जैसलमेर की सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को सख्त किया गया है।

काफिले में शामिल कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट रूप से प्रशासनिक रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनका मकसद केवल शांति और सौहार्द का संदेश देना है। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कहा, "हम बासनपीर में गांधी राम धुन और सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन करना चाहते हैं। यह थार की मेलजोल की संस्कृति का प्रतीक है, लेकिन अफसोस की बात है कि प्रशासन ने हमें इसकी अनुमति नहीं दी।"

जैसलमेर प्रशासन ने जिले की सीमाओं पर सुरक्षा घेरा और मजबूत कर दिया है। बाड़मेर-जैसलमेर सीमा पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। प्रमुख सड़कों पर बेरिकेड्स लगाकर हर गुजरने वाले वाहन की सघन जांच की जा रही है। कोई भी वाहन बिना जांच के जिले में प्रवेश नहीं कर पा रहा है। यह सुरक्षा बंदोबस्त संभावित कानून व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। इस कांग्रेस काफिले में बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, बायतु विधायक हरीश चौधरी, जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, पूर्व विधायक पदमाराम मेघवाल, सिवाना विधायक मदन प्रजापत, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गफूर अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष फतेह खान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक शामिल हुए। सभी नेताओं की गाड़ियों पर ₹थार की अपनायत₹ के पोस्टर और झंडे लगे थे, जो उनके इस अभियान की भावना को दर्शाते हैं।

बायतु विधायक हरीश चौधरी ने बासनपीर प्रकरण पर बोलते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य पूरी तरह से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक है। हम न तो कोई कानून तोड़ने जा रहे हैं और न ही किसी प्रकार का टकराव चाहते हैं।

विद्यार्थियों से अनैतिक कृत्य करने के आरोप में शिक्षक बर्खास्त, पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

चित्तौड़गढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के बेगूं उपखंड क्षेत्र स्थित एक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में कार्यरत अध्यापक शंभूलाल धाकड़ के विरुद्ध को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। आरोपित शिक्षक के खिलाफ विद्यार्थियों के साथ अश्लील हरकतें, यौन उत्पीड़न, अप्राकृतिक दुष्कृत्य एवं वीडियो बनाने जैसे गंभीर आरोप प्रमाणित पाए जाने पर उन्हें राज्य सेवा से बर्खास्त किया है। गुरुवार देर शाम को ग्रामीणों ने इसकी जिला कलेक्टर को शिकायत की थी। इसके बाद आरोपित को हिरासत में ले लिया था। शिक्षक के खिलाफ प्राप्त शिकायतों एवं प्रस्तुत वीडियो साक्ष्य के आधार पर जांच समिति गठित कर त्वरित विभागीय जांच की गई। इसमें आरोपित शिक्षक धाकड़ द्वारा किया गया कृत्य राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया। शिक्षक धाकड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 व पॉक्सो अधिनियम सहित कई गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज की किया है। मामले की जांच जारी है। आरोपित शिक्षक को पुलिस ने गुरुवार रात को ही हिरासत में ले लिया था। इधर जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक, चित्तौड़गढ़ द्वारा राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 19(ii) के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए आरोपी को शासकीय सेवा में बनाए रखे जाने के अयोग्य घोषित करते हुए तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक कर दिया गया है। इधर आरोपित शिक्षक को शनिवार शाम को चित्तौड़गढ़ के पॉक्सो कोर्ट में पेश किया जाएगा। दरअसल बेगूं उपखंड क्षेत्र में स्थित राजकीय स्कूल में यह शिक्षक करीब दो साल से छात्र-छात्राओं के साथ घिनौनी हरकत कर रहा था। इसका वीडियो सामने आने के बाद जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने जिला कलेक्टर को शिकायत की। जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने तत्काल शिक्षा विभाग, पुलिस एवं प्रशासन को कार्रवाई के निर्देश दिए।

रिश्वत केस में सीबीआई की कार्रवाई में नारकोटिक्स अधिकारी और दलाल गिरफ्तार, मांगे थे एक करोड़

चित्तौड़गढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई की टीम ने चित्तौड़गढ़ जिले के एक अफीम किसान से रिश्वत के मामले में नारकोटिक्स के एक अधिकारी सहित दलाल को गिरफ्तार किया है। सीबीआई जयपुर टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। एक किसान को झूठे तथ्यों के आधार पर डोडा चूरा तस्करी में फंसाने के नाम पर एक करोड़ रुपये रिश्वत की मांग की थी। किसान की शिकायत पर नारकोटिक्स के अधिकारी और दलाल को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया क्षेत्र में अंजाम दी गई है।

सीबीआई की दर्ज एफआईआर के अनुसार गत 15 जुलाई को डूंगला तहसील के आलाखेड़ी गांव के किसान मांगीलाल पुत्र ऊंकार लाल गुर्जर निवासी सांगरिया ने शिकायत दी थी। इसमें बताया कि डूंगला तहसील के आलाखेड़ी निवासी जगदीश मेनारिया ने नारकोटिक्स के अधिकारी महेन्द्र सिंह से संपर्क करने के लिए सूचित किया था। जगदीश मेनारिया से जब किसान ने संपर्क किया तो उसने बताया कि नारकोटिक्स अधिकारी महेन्द्रसिंह ने उसकी कृषि भूमि से 400 किलो डोडा चूरा जब्त किया है। जगदीश मेनारिया के माध्यम से ही महेन्द्र सिंह ने बताया कि उसके परिवार के सदस्यों को मादक पदार्थ के मामले में नहीं फंसाने के लिए एक करोड़ रुपए देने होंगे। रिश्वत नहीं दिए जाने पर आपराधिक मामलों में फंसा कर उसे जेल भेज दिया जाएगा। नारकोटिक्स अधिकारी ने नशीले पदार्थों के मामले में प्रार्थी व उसके परिवार को न फंसाने के एवज में 9 लाख रुपए भी प्राप्त कर लिए। इसी मामले में गुरुवार रात को आलाखेड़ी निवासी दलाल जगदीश मेनारिया को एसीबी ने गिरफ्तार किया। इसके बाद नारकोटिक्स के अधिकारी महेन्द्रसिंह को भी गिरफ्तार कर मंडफिया लेकर आए। स्वास्थ्य केंद्र पर उसका मेडिकल कराया गया। इस मामले में सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 7A के साथ धारा 61 (2) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

प्रार्थी मांगीलाल गुर्जर ने शिकायत में बताया कि सीकर निवासी व नीमच में कार्यरत नारकोटिक्स अधिकारी महेन्द्र सिंह उसके सांगरिया स्थित निवास पर पहुंचा। 27 मार्च को जगदीश मेनारिया से सम्पर्क करने की बात कही थी। जगदीश मेनारिया ने अपने नम्बर भी दिए। इसी दिन जगदीश मेनारिया ने वाट्सएप कॉलिंग कर बताया कि महेन्द्र सिंह ने उसके खेत से 400 किलो डोडा चूरा जब्त किया है। प्रार्थी ने बताया कि उसके खेत पर कोई डोडा चूरा नहीं था। लेकिन जगदीश मेनारिया ने कहा कि एक करोड़ रुपए देने होंगे, नहीं तो जेल जाना पड़ेगा। प्रार्थी ने शिकायत में बताया कि जगदीश मेनारिया के मार्फत 44 लाख रुपए की राशि 2-3 माह में 3 किश्तों में दी।

हॉस्टल में ठहरे थे लॉरेंस गैंग के गुर्गे

पुलिस की घेराबंदी देख तीसरी मंजिल से लगाई छलांग; चारों के हाथ-पैर टूटे

श्री गंगानगर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने वारदात की तैयारी की। लेकिन एक हॉस्टल में छिपे शूटर व गुर्गों सहित चार आरोपियों को जिला विशेष टीम और सदर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दबोच लिया। इनसे विदेशी पिस्टल जिगाना व 14 कारतूस बरामद किए गए। हॉस्टल की छत से छलांग लगाने के दौरान चारों आरोपियों के चोटें आईं। पुलिस इन्हें जिला चिकित्सालय लेकर पहुंची और उपचार के बाद रात को गिरफ्तार कर लिया। सदर सीआई सुभाषचन्द्र और डीएसटी प्रभारी एसआई रामविलास बिश्नोई की संयुक्त टीम ने धानमंडी के बीज व्यापारी को मिली धमकी और गैंग के रैकी की सूचना के आधार पर संदिग्ध लोगों को काबू करने के लिए छानबीन की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से रैकी करने वाले युवकों की बाइक के श्रीगंगानगर में होने की सूचना मिली। इसके आधार पर सूरतगढ़ बाइपास से लेकर मेडिकल कॉलेज तक एरिया खंगाला गया।

भारी बारिश से नदी-नाले उफने कई गांवों का संपर्क कटा

जान जोखिम में डाल रहे लोग

सवाई माधोपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर जिला मुख्यालय और उसके आसपास के क्षेत्रों में रुक रुककर देर रात तक बारिश का दौर जारी रहा। इस दौरान जिला मुख्यालय पर नदी-नालों में पानी की खूब आवक हुई। बारिश के चलते रणथंभौर में झरने बह निकले। मलारना डूंगर उपखंड क्षेत्र में बीते 24 घंटे में शनिवार सुबह 8 बजे तक 4 इंच बारिश हुई। बारिश से जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त। उपखण्ड क्षेत्र के कई सड़क मार्ग बंद हो गए। करेल, शेषा गांव ने कई घरों में पानी भर गया।

बारिश से लगातार बनास नदी में जलस्तर बढ़ रहा है। ऐसे में ओलवाड़ा बनास नदी रपट पर पानी बढ़ने से मलारना स्टेशन-सवाईमाधोपुर सड़क मार्ग पूरी तरह बंद है। निगोह नदी में पानी बढ़ने से मलारना स्टेशन मार्ग पर दो फीट पानी आया। छोटे वाहनों का आवागमन बंद है। हालांकि, कुछ लोग जान जोखिम में डालकर वाहन निकाल रहे है।

फायरिंग: ऑटो चालक के लगी गोली, हालत गंभीर

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के टोंक पुलिया इलाके में फायरिंग की घटना सामने आई है। गट्टे वाले बाबा की दरगाह के पास चार युवकों ने एक ऑटो चालक को गोली मार दी। घायल युवक फिरोज (55) को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार फिरोज टोंक पुलिया के पास रहता है और ऑटो चलाने के साथ-साथ गट्टे वाले बाबा की दरगाह के पास प्रसाद की दुकान भी चलाता है। चार युवक कार लेकर दरगाह के पास पहुंचे और गाड़ी खड़ी कर वहीं बैठ गए। उसी दौरान एक युवक और एक युवती वहां से भागते हुए निकले। फिरोज उन्हें देखने लगा, तभी कार में बैठे युवकों ने उस पर दो गोलियां चला दीं। फायरिंग के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आरोपी अपनी कार वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल फिरोज को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि उसके पेट में गोली लगी है और हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का कहना है कि फिरोज की हालत गंभीर होने के कारण अभी तक उसका बयान दर्ज नहीं किया जा सका है। इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोली क्यों चलाई गई। पुलिस ने मौके से मिली कार को जब्त कर लिया है और कार के नंबर व मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है।

17 साल के लड़के ने दी जान, कोटा में रहकर 12वीं कक्षा की कर रहा था पढ़ाई

कोटा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले से फिर एक आत्महत्या का मामला सामने आया है। दरअसल 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक 17 वर्षीय नाबालिग छात्र ने सुसाइड कर लिया। मामला बोरखेड़ा थाना क्षेत्र का है, जहां छात्र अपने किराए के घर में मां और छोटे भाई के साथ रहता था। शनिवार सुबह जब मां उठी तो उनको बेटा पंखे से लटका हुआ मिला। आनन-फानन में उसे फंदे से उतारकर एमबीएस हॉस्पिटल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बोरखेड़ा थाना के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि मृतक छात्र मूल रूप से बूंदी जिले का रहने वाला था और कोटा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मृतक की मां और छोटा भाई भी उसके साथ रहते थे जबकि पिता बूंदी में दुकान चलाते हैं। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के पीछे के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। न ही परिजनों ने किसी घरेलू विवाद या मानसिक तनाव की जानकारी दी है। ऐसे में मामला दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उत्तम ने राज्यव्यापी जल उपलब्धता की समीक्षा की

खरीफ के लिए इष्टतम उपयोग के आदेश दिए

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को तेलंगाना के सभी प्रमुख जलाशयों में जल उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की और सिंचाई सचिव तथा मुख्य अभियंता को चालू खरीफ मौसम (वन कलाम) के दौरान जल के इष्टतम उपयोग के लिए एक वैज्ञानिक और व्यावहारिक योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना में वर्तमान जलाशय स्तर, अपेक्षित मानसून प्रवाह और कुल जल संचयन क्षमता को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिंचाई और कृषि विभागों ने पिछले खरीफ और यासंगी मौसमों के दौरान घनिष्ठ समन्वय से काम किया था, जिसके परिणामस्वरूप 281 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ था। इस समन्वय ने तेलंगाना को देश का सबसे बड़ा धान उत्पादक राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे वर्तमान फसल मौसम के लिए जल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने हेतु जिला कलेक्टरों और क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ समान समन्वय बनाए रखें।

डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में, मंत्री ने कृष्णा और गोदावरी बेसिनों में जल संसाधनों की समीक्षा की और किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभाग की तैयारी का आकलन किया।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वास्तविक समय के आंकड़ों, फसल पैटर्न और अयाकट क्षेत्रों के भूगोल के आधार पर एक स्पष्ट और समन्वित जल निकासी रणनीति लागू की जानी चाहिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, हमारा प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी किसान को पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

पूरे विभाग को दूरदर्शिता और जवाबदेही के साथ सक्रिय रूप से काम करना चाहिए।

मंत्री ने मानसून की तैयारियों और भारी वर्षा से पहले और उसके दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को बांधों, जलाशयों, नहरों और संबंधित संरचनाओं की बारीकी से निगरानी करने और दरारों, बाढ़ या बुनियादी ढाँचे को नुकसान से बचाने के लिए निवारक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने विभाग को आपदा प्रबंधन शाखा के साथ नियमित संपर्क में रहने और बाढ़ नियंत्रण के लिए मज़बूत अंतर-एजेंसी समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा, जन सुरक्षा और सभी सिंचाई परिसंपत्तियों की संरचनात्मक अखंडता से समझौता नहीं किया जा सकता। अधिकारियों को हर समय सतर्क और उत्तरदायी रहना चाहिए। मंत्री ने लंबे समय से लंबित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) सुरंग निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग सहित शेष सुरंग निर्माण कार्यों को तुरंत फिर से शुरू करने का निर्देश दिया। अनुमानित 10 किलोमीटर सुरंग का काम अभी पूरा होना बाकी है। इस बैठक में विश्व स्तर पर प्रशंसित सुरंग इंजीनियरिंग विशेषज्ञ कर्नल परीक्षित मेहरा के साथ पहली औपचारिक बातचीत भी हुई, जो हाल ही में प्रतिनियुक्ति पर सिंचाई विभाग में शामिल हुए हैं। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि मेहरा की विशेषज्ञता लंबे समय से लंबित तकनीकी चुनौतियों का समाधान करने और एसएलबीसी तथा अन्य प्रमुख सुरंग परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में मदद करेगी।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि भारतीय सेना के पूर्व इंजीनियर-इन-चीफ जनरल हरपाल सिंह को जल्द ही विभाग की तकनीकी क्षमता और कार्यान्वयन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए मानद सलाहकार नियुक्त किया जाएगा।

बिहार में हो रही हत्या पर बिहार सहयोग समिति ने चिंता जताई

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बिहार में हो रही लगातार हत्याओं पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होने कहा कि बिहार जन्म भूमि है और तेलंगाना कर्म भूमि। फिर भी जब बिहार में कुछ भी हिंसक घटनाएं होती हैं तो बहुत तकलीफ होती है क्योंकि हम लोगों का परिवार सब बिहार में है। इस तरह दिन दहाड़े हत्या हो जाने से तेलंगाना में बिहार की छवि खराब होती है। हम बिहार के युवा पीढ़ी से निवेदन करते हैं कि अच्छा पढ़ाई करे और बिहार को आगे बढ़ाने में मदद करे। क्योंकि बिहार ही एक ऐसा राज्य है कि जहां से सबसे ज्यादा आईएएस आईपीएस आते हैं और बहुत बड़े-बड़े पदों पर पदस्थ हैं। इसके बावजूद वे लोग बिहार के विकास में अपना कितना योगदान दे रहे हैं यह किसी से छुपा नहीं है। श्री यादव ने कहा कि इस तरह की वारदातों की सबसे बडी वजह बेरोजगारी है। इसलिए बिहार सरकार को भी कुछ ऐसा कदम उठाना चाहिए ताकि लोगों को रोजगार के अवसर मिले और प्रदेश तरक्की के राह पर चल पडे।

प्रदूषणकारी उद्योगों को ओआरआर सीमा से बाहर स्थानांतरित किया जाए : भट्टी

डिप्टी सीएम ने राजस्व सृजन पर बैठक की अध्यक्षता की

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर स्थित सभी प्रदूषणकारी उद्योगों को ओआरआर के बाहर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। शनिवार को उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में राजस्व सृजन पर एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मंत्री और उप-समिति के सदस्य उत्तम कुमार रेड्डी, श्रीधर बाबू और जुपल्ली कृष्ण राव शामिल हुए। उप-समिति ने अधिकारियों को उद्योगों के स्थानांतरण के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश और स्थानांतरण कैलेंडर तैयार करने के साथ-साथ प्रक्रिया की अंतिम समय-सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया। बैठक में राजीव स्वगृह योजना के विभिन्न चरणों में आवास इकाइयों और आवास बोर्ड के अंतर्गत खाली पड़े भूखंडों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। समिति ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आवास बोर्ड द्वारा चल रही सार्वजनिक नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित हो। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आवास बोर्ड को आम लोगों और मध्यम वर्ग के लिए किफायती आवास सुनिश्चित करना चाहिए। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने पिछले महीने प्राप्त राजस्व वृद्धि पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। वाणिज्यिक कर विभाग ने 1.8 प्रतिशत, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने 3.6 प्रतिशत और खान विभाग ने 7 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार सुल्तानिया, उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, खान विभाग के प्रमुख सचिव श्रीधर, महानगर शहरी विकास सचिव इलमबर्ती, एचएमडीए आयुक्त सरफराज, खान आयुक्त शशांक, जिला कलेक्टर हरिचंदन और नारायण रेड्डी, टीजी टीडीसी के एमडी वल्लूरु क्रांति और उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव कृष्ण भास्कर उपस्थित थे।

सालार जंग संग्रहालय में विशेष फोटो प्रदर्शनी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आशूरखानों पर वार्षिक विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन नवाब मीर अहतेराम अली खान, नवाब मीर कासिम अली खान, भाजपा तेलंगाना के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मीर फिरासत अली बाकरी और क्यूरेटर एसजेएम घनश्याम कुसुम एवं आर बी नाइक द्वारा किया गया। फोटो प्रदर्शनी में हैदराबाद के आशूरखानों की पवित्र और कलात्मक विरासत को भावपूर्ण चित्रों और जटिल वास्तुकला के माध्यम से देखे गए। ये अनोखे धार्मिक स्थल शहर की समन्वयात्मक विरासत और सौंदर्यपरक परंपराओं की झलक पेश करते हैं। मीर अहतेराम अली खान ने कहा कि यह प्रदर्शनी इस्लाम के पवित्र पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा के पोते हजरत इमाम हुसैन के जीवन और शिक्षाओं को समर्पित है। अहिंसा, सत्य और करुणा के प्रतीक, उनका शाश्वत संदेश सद्भाव और आत्मनिरीक्षण के लिए प्रेरित करता रहता है। मीर फिरासत अली बाकरी ने कहा कि यह प्रदर्शनी 24 जुलाई तक पश्चिमी ब्लॉक, सालार जंग संग्रहालय में चलेगी।

साप्ताहिक सत्संग आज

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में सुधांशु महाराज का साप्ताहिक वीडिओ सत्संग रविवार को दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक बेगम बाजार स्थित पारीक-भवन में आयोजित किया जाएगा। जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा के अनुसार सत्संग की विशेष श्रृंखला में कानपुर में आयोजित विराट भक्ती सत्संग की विशेष सीडी दिखाई जाएगी। राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर नें गुरु बहनों को सहपरिवार समयानुसार इस सत्संग में उपस्थित रहकर पुण्य का लाभ लेनें का आग्रह किया है।

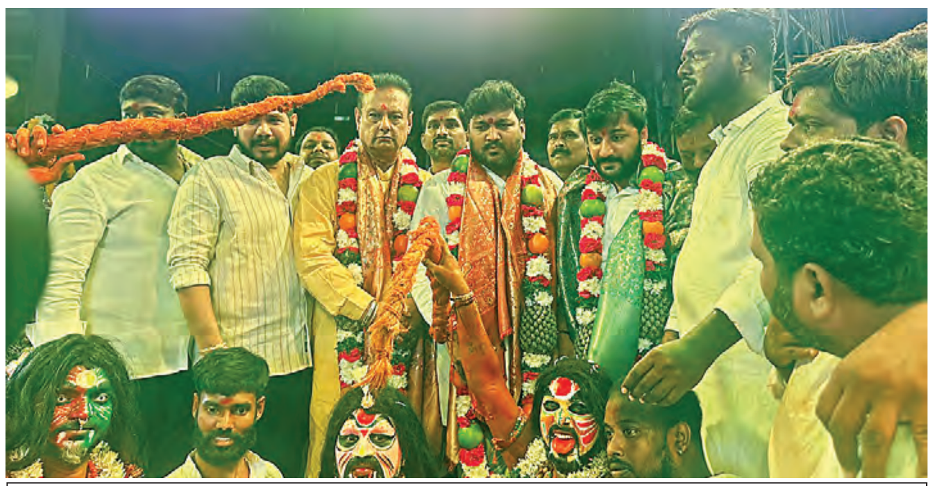

भाजपा नेता एवं जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने गौलीगुड़ा चमन में मठ के पालाराम बंडी में भाग लिया। अवसर पर मेट्टू साई कुमार अध्यक्ष तेलंगाना मत्स्य पालन, आशीष यादव संतोष अन्ना, शिव आद शामिल हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.11.08.2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01 कार्य विवरणः। निविदा सूचना सं. व तिथिः एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ08-ओटी-25-26 दि.18-07-2025, विजयवाडा डिवीजनः सिग्नल एण्ड टेलिकाम विभागः तत्संबंधित के बारे में एस एण्ड टी कार्य 1. बीजेडए डिवीजन-विजयवाडा डिवीजन पर खराब या डिफेक्टिव केबुल्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। 2. बीजेडए डिवीजन पर भरोसेमंद या रिलायेबुल सिग्नल्लिंग के लिए एर्थिन्ग तथा सर्ज प्रोटक्शन सिस्टम्स का मजबूतीकरण करना। 3. डीएल नेटवर्किंग से जुडे अन्य छिटपुट कार्य। 4. बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन- हम्सावर्म स्टेशन से दुव्वाडा स्टेशन के बीच एयर पुशिंग पध्दति द्वारा जीर्ण शीर्ण आरसीसी स्लैब ब्रिजेस या पुलों जैसे 579(डाउन)(1X1.83), 673(डाउन)(1X1.83),675(डाउन)(1X4.57),734 (डाउन)(2X3.66) तथा 717(अप) (1X4.57) =5 नग सहित आरसीसी बाक्स साइजेस 2.0 एमX2.5एम, 5.0 एमX2.5एम एवं 2X4.0एमX2.5एम के प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट से जुडा एस एण्ड टी कार्य। 5. बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन- हम्सावर्म स्टेशन से दुव्वाडा स्टेशन के बीच एयर पुशिंग पध्दति द्वारा जीर्ण शीर्ण आरसीसी स्लैब ब्रिजेस या पुलों जैसे 596 डीएन, 597 डीएन, 601 डीएन, 694 डीएन,722 डीएन, 666 अप, 668 अप, 696 अप =8 नग सहित आरसीसी बाक्स साइजेस 4.0 एमX2.5एम का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। 6. बीजेडए डिवीजन जीडीआर-बीजेडए सेक्शन-एसएसइ/डब्ल्यू/बीपीपी सेक्शन में ओपन कट पध्दति द्वारा आरसीसी बाक्सेज सहित मौजूदा पुल सं.620 अप के पुनर्निर्माण या रिबिल्डिंग से जुडा एस एण्ड टी कार्य। (आइआरपीएसएम आयडी 11.6.32.24.3.55.016) 7. जीडीआर-बीजेडए सेक्शन-एनएचएआई आरओबी -पेद्दावड्लापुडी व कृष्णा कैनल जंक्शन स्टेशन के बीच किमी 421/6-8 रेलवे पर प्रस्तावित 2 लेनर आरओबी का पुनर्निर्माण तथा मौजूदा आरओबी के एलएचएस साइड पर @रोड किमी 431+415 एनएच 16 के चिलकलुरीपेटा विजयवाडा रोड पर उक्त तत्संबंधित कार्य। 8. कृष्णापट्नम पोर्ट- केएपीटी-ओबीवीपी के पास रेलवे किमी 109/33 के थिम्मापटनम से नरीकेल्लापल्ले आरओबी पर कृष्णापटनम पोर्ट के समीप खण्डालेरु क्रीक के उत्तर व दक्षिण इंडस्ट्रीयल क्लस्टर को कनेक्ट करनेवाले चार गलियों या फोर लेनिंग युक्त ग्रीन फील्ड रोड का निर्माण कार्य। 9. विजयवाडा डिवीजन पर सेकण्डरी सेल्स की प्रारंभिक या इनिशियल चार्जिंग। निविदा मूल्यःरु.7,11,69,327.70 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 5,05,900.00 सीटीबीःरु.शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः 365 दिन

एस. एन. -1 कार्य विवरणः बंद करने की तिथि व समय तिथिः 11.08.2025 के 15.30 बजे

भावी निविदाकारों को परामर्श दिया जाता है कि, उक्त किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक (एसएण्डटी), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं. जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-पीएच-।। दि.5-7-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 28-07-2025 के 11.00 बजे

क्रम सं. 01 निविदा सं.- जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-पीएच-।। कार्य विवरणः गुण्टकल डिवीजन-चित्तूर स्टेशन डीवाय.सीइ/जीएसयु/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत-अमृत भारत स्टेशन योजना फेज-।। के तहत स्टेशनों का पुनर्विकास करने के साथ साथ प्रस्तावित खुला प्रतीक्षालय या ओपन वेटिंग हाल का निर्माण, स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-।।।, परिसंचरण क्षेत्र या सर्कुलेटिंग एरिया व कवर ओवर प्लैटफार्म का निर्माण तथा अन्य तत्संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्य रु. 88512236.33 पूर्व धरोहर राशिःरु.592600.00

बोली दस्तावेज या बिड डाकूमेन्ट तथा अन्य विवरण हेतु http://ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति इकाई, गुण्टकल

ई-निविदा सूचना सं. जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-आरसी-03-2025 दि.5-7-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं। बंद करने की तिथि व समयः 28-07-2025 के 11.00 बजे

क्रम सं. 01 निविदा सं.- जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-आरसी-03-2025 कार्य विवरणः गुण्टकल डिवीजन-रायचूर स्टेशन डीवाय.सीइ/जीएसयु/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत-अमृत भारत स्टेशन योजना फेज-।। के तहत स्टेशनों का पुनर्विकास करने के साथ साथ प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग युनियन आफिस, आरपीएफ आफिस, स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-।।, रेलवे इंस्टिट्यूट, एप्रोच रोड सहित बुकिंग आफिस, परिसंचरण क्षेत्र या सर्कुलेटिंग एरिया व कवर ओवर प्लैटफार्म का निर्माण तथा अन्य तत्संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.129729503.60 पूर्व धरोहर राशिःरु.798700.00

बोली दस्तावेज या बिड डाकूमेन्ट तथा अन्य विवरण हेतु http://ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति इकाई, गुण्टकल

ई-निविदा सूचना सं. जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-वायजी-04-2025 दि. 5-7-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 28-07-2025 के 11.00 बजे

क्रम सं. -01 निविदा सं.-जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-वायजी-04-2025 कार्य विवरणः गुण्टकल डिवीजन-यादगिर-स्टेशन डीवाय. सीइ/जीएसयु/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत-अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-।।, बुकिंग आफिस निर्माण सहित एप्रोच रोड, इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन, परिसंचरण क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया, कवर ओवर प्लैटफार्म निर्माण तथा अन्य तत्संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्य रु. 128123788.26 पूर्व धरोहर राशिःरु. 790600.00

बोली दस्तावेज या बिड डाकूमेन्ट तथा अन्य विवरण हेतु http://ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति इकाई, गुण्टकल

ई-निविदा सूचना सं. जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-एचएक्स-05-2025 दि. 5-7-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 28-07-2025 के 11.00 बजे

क्रम सं. -01 निविदा सं.-जीएसयु-जीटीएल-एबीएसएस-एचएक्स-05-2025 कार्य विवरणः गुण्टकल डिवीजन- कडप्पा-स्टेशन डीवाय. सीइ/जीएसयु/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत-अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का पुनर्विकास करने के साथ साथ प्रस्तावित प्रतीक्षालय या वेटिंग हाल के निर्माण सहित एसी/नान एसी रिटायरिंग रूम्स, परिसंचरण क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया, कवर ओवर प्लैटफार्म, स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-IV तथा अन्य तत्संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्य रु107271442.71 पूर्व धरोहर राशिःरु.686400.00

बोली दस्तावेज या बिड डाकूमेन्ट तथा अन्य विवरण हेतु http://ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति इकाई, गुण्टकल

A1068

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

कर्मयोग बंद तालों को खोल सकता है : ललित प्रभ जी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ जी महाराज ने कहा कि दो अक्षर का लक, ढाई अक्षर का भाग्य, तीन अक्षर का नसीब और साढ़े तीन अक्षर का किस्मत तभी परिणाम देता है जब उसके साथ चार अक्षर का शब्द मेहनत जुड़ जाता है। उन्होंने कहा कि इस दुनिया में दस प्रतिशत लोग ही अपने साथ किस्मत लेकर आते हैं, नब्बे प्रतिशत लोगों को तो पुरुषार्थ करके अपनी किस्मत को जगाना पड़ता है। हम भाग्य के भरोसे न बैठे रहें, दुर्भाग्य के अंधेरे को कोसने की बजाय मेहनत की मोमबत्ती जलाएं। अगर कर्मफूटा आदमी भी भरपूर कर्मयोग करना शुरू कर दे तो वह किस्मत के बंद तालों को खोल सकता है। महावीर को मालूम था कि वे जन्मजात तीर्थंकर हैं। फिर भी उन्होंने साढ़े बारह वर्ष लगातार कठोर संघर्ष और कठोर साधना करके तीर्थंकरत्व को हासिल किया। हम भी अगर कठोर मेहनत करना शुरू कर दें तो आज भले ही सड़क पर क्यों न खड़े हों, पर आने वाले कल में सफलता का आसमान छूने में सफल हो जाएंगे।

वे शनिवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित प्रवचनमाला में कैसे खोलें बंद किस्मत के ताले विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे हाथों का उपयोग मेहंदी लगाने के लिए नहीं वरन् मेहनत करने के लिए करें। मेहंदी का रंग तो सात दिन में उतर जाएगा, पर मेहनत का रंग जिंदगी भर रंग देता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में जितने भी शिखर पर पहुंचे लोग हैं उनमें से सत्तर प्रतिशत लोग गरीब, कमजोर और फटेहाल तबके से थे, पर उन्होंने भाग्य के भरोसे रहना कबूल न किया, खुद का निर्माण किया, खुद को आगे बढ़ाया और मेहनत के बलबूते सफलता के झंडे गाड़े। लाल बहादुर शास्त्री, डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, नेत्रहीन रविंद्र जैन, नई पावापुरी तीर्थ के मालिक के.पी.संघवी, निरमा कंपनी के मालिक करसन भाई पटेल, टी सीरिज के मालिक गुलशन कुमार जैसे लोग हम सबके लिए आदर्श हैं।

संतप्रवर ने कहा कि सफलता का पहला सूत्र मेहनत है। याद रखें, गुनगुना पानी कभी भाप नहीं बनता। भाप बनने के लिए पानी को खौलना पड़ेगा तभी वह आकाश तक पहुंच पाएगा ठीक वैसे ही गुनगुने प्रयास से हम आगे नहीं बढ़ सकते। चुटकी लेते हुए संतप्रवर ने कहा कि अगर आपके पीछे कुत्ता काटने के लिए दौड़े तो क्या आप उस समय भी यही कहेंगे कि अभी तो मेरा दौडने का मूड नहीं है।

संतप्रवर ने कहा कि धरती पर जितने भी लोग हैं सबको भगवान ने समान योग्यताएँ देकर भेजा है, फर्क केवल उन योग्यताओं का उपयोग करने न करने का है। इसलिए स्वयं को कभी भी कम और कमजोर न समझें। पिछले 2500 वर्षों तक महिलाएँ पुरुषों के पीछे-पीछे चली, पर जब से उन्हें आगे बढने का मौका मिला है वे भी कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों का साथ दे रही हैं। भाग्य के सितारे चमकाने के टिप्स देते हुए संतप्रवर ने कहा कि जिंदगी का कोई न कोई लक्ष्य जरूर बनाएं, लक्ष्य को पाने की योजना बनाएं, योजना के अनुरूप निरंतर प्रयास करें और आत्मविश्वास के साथ तब तक लगे रहें जब तक वह हासिल न हो जाए। याद रखें, बिना लक्ष्य की जिंदगी कार के पीछे दौडने वाले कुत्ते जैसी हुआ करती है जो दौड़ तो खूब लगाता है, पर प्राप्त कुछ नहीं कर पाता। उन्होंने कहा कि छोटा काम करने में संकोच न करें वरन् खोटा काम करने से बचें। गलत तरीकों से धन न कमाएं। दया के दूध से मेहनत का पानी ज्यादा अच्छा होता है। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

टूर्नामेंट में मंचेरियल के लड़के ने किया शानदार प्रदर्शन

मंचेरियल, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे के रहने वाले अर्जुन रेड्डी अलुगुवेल्ली ने 14 से 18 जुलाई तक महाराष्ट्र के नांदेड़ में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-19 (एकल) बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। हैदराबाद से आए कोच भास्कर राजू ने बताया कि अर्जुन रेड्डी ने टूर्नामेंट जीतकर सितंबर में होने वाली जोनल स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन किया है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी मुंबई के आर्यन तलवार को 21-6 और 21-16 से हराया। नांदेड़ के एसपी अविनाश कुमार ने उन्हें बधाई दी। अर्जुन रेड्डी को उनके दादा-दादी तिरुपति रेड्डी और हेमलथा, परिवार के सदस्यों और शहर के हाई-टेक सिटी कॉलोनी में रहने वाले मित्रों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और जिले का नाम रोशन करने पर बधाई दी।

भारत 2025 तक पहली व्यावसायिक चिप का करेगा उत्पादन : अश्विनी वैष्णव

आईआईटी-एच के 14वें दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों को किया संबोधित

संगारेड्डी, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तकनीकी परिवर्तन, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन में भारत की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। शनिवार को संगारेड्डी जिले के कंडी परिसर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-हैदराबाद (आईआईटी-एच) के 14वें दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने घोषणा की कि भारत 2025 में अपना पहला व्यावसायिक पैमाने का सेमीकंडक्टर चिप बनाने के लिए तैयार है।

मंत्री ने बताया कि देश भर में छह सेमीकंडक्टर इकाइयां निर्माणाधीन हैं, जिनमें डिज़ाइन और प्रतिभा विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि छात्रों द्वारा डिज़ाइन किए गए 20 सेमीकंडक्टर चिप्स में से आठ, जिनमें से कई आईआईटी हैदराबाद के हैं, पहले ही सफलतापूर्वक तैयार हो चुके हैं। वैष्णव ने भारत के एआई मिशन के बारे में भी बात की और दूरसंचार क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में हुई प्रगति का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने बताया कि भारत ने मात्र साढ़े तीन वर्षों में अपना स्वयं का 4जी प्रौद्योगिकी स्टैक विकसित कर लिया है, जिसे 5जी में अपग्रेड किया जा सकता है।

रेलवे आधुनिकीकरण पर उन्होंने हैदराबाद में विकसित भारत की स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच के स्वदेशी नवाचार पर प्रकाश डाला, जिसे अब पूरे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क में लागू किया जा रहा है। समारोह में कुल 1,273 डिग्रियाँ प्रदान की गईं, जिनमें 134 पीएचडी डिग्रियाँ शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि एमटेक स्नातकों की संख्या बीटेक उत्तीर्ण छात्रों से अधिक थी। जहां एकीकृत पाठ्यक्रमों सहित 511 एमटेक छात्रों को डिग्रियां प्राप्त हुईं, वहीं इस वर्ष 460 बीटेक छात्र स्नातक हुए। चार छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक और 44 अन्य को रजत पदक प्रदान किए गए। मेदक के सांसद एम रघुनंदन राव, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष बीवीआर मोहन रेड्डी, निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कोत्तागुडेम में बिजली गिरने से किसान की मौत

कोत्तागुडेम, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चंद्रगोंडा मंडल के वेंकटैया थांडा में शनिवार को बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। शाम के समय अचानक शुरू हुए तूफ़ान के कारण कपास के खेत में काम कर रहे बनोथु रवि (38) पर बिजली गिर गई। साथी किसान और गांववाले उन्हें चंद्रुगोंडा के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

टीजी ईएपीसीईटी : 16,800 से अधिक इंजीनियरिंग अभ्यर्थी सीटें पाने में असफल

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2025 के पहले चरण के सीट आवंटन की शुक्रवार को जारी होने के बाद भी हजारों इंजीनियरिंग अभ्यर्थी सीटें पाने में असफल रहे, जबकि कई सीटें अभी भी खाली थीं। वेब विकल्प देने के बावजूद 16,793 उम्मीदवारों को सीट आवंटन नहीं मिला। हालांकि, 5,493 सीटें खाली रहीं, जिनमें से 2,058 इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल शाखाओं में और 1,700 सीएसई और संबद्ध शाखाओं में थीं। यहां तक कि मॉक अलॉटमेंट में भी, जो पहली बार छात्रों को अपनी संभावित सीट और कॉलेज अलॉटमेंट देखने का मौका देने के लिए किया गया था, 16,905 उम्मीदवारों को सीट नहीं मिल पाई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित शर्मा और विराट कोहली कब खेलेंगे वनडे मैच?

बीसीसीआई बैठक में होगा फैसला

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के मैदान में वापसी का इंतजार क्रिकेट फैंस बेसब्री से कर रहे हैं, लेकिन उनका इंतजार बढ़ता ही जा रहा है. टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके ये दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे मैचों में ही खेलते हुए नजर आएंगे, लेकिन टीम इंडिया वनडे सीरीज कब खेलेगी? इसका फैसला अभी तक नहीं हो पाया है. हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस मामले में जल्द ही कुछ निर्णय ले सकती है. दो दिन के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की वार्षिक मीटिंग में बीसीसी?आई और श्रीलंका क्रिकेट के अधिकारी मिलने वाले हैं. इसमें वनडे सीरीज को लेकर कुछ फैसला हो सकता है.

बीसीसीआई और एसएलसी की बैठक में होगा फैसला

टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने में व्यस्त है. 2 अगस्त को ये सीरीज खत्म होगी. इसके बाद भारतीय टीम बांग्लादेश का दौरा करने वाली थी, लेकिन अब इस दौरे को अगले साल तक के लिए टाल दिया गया है. इसके बाद श्रीलंका ने बीसीसीआई से सामने तीन वनडे और तीन टी20आई सीरीज खेलने का प्रस्ताव रखा. हालांकि इस पर भी कोई निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन श्रीलंका क्रिकेट को उम्मीद है कि सिंगापुर में दो दिन के बाद होने वाली आईसीसी की बैठक के दौरान दोनों बोर्ड के बीच सीरीज को लेकर कुछ फैसला हो सकता है.

एसएलसी के एक सीनियर अधिकारी ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया कि हमें पॉजिटिव रिस्पांस मिला है. हमें दो या तीन दिनों के अंदर इस पर कुछ फैसला होने की उम्मीद है. रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई के एक अधिकारी का कहना है कि हम श्रीलंका से सीरीज खेलने के बारे में जल्द ही फैसला करेंगे, लेकिन सीरीज होना मुश्किल लग रहा है.

रोहित और विराट की कब होगी वापसी?

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने आखिरी वनडे मैच 9 मार्च 2025 को खेला था. ये मैच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल था, जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर 12 साल के बाद इस खिताब को जीता था. इसके बाद टीम इंडिया ने कोई वनडे मैच नहीं खेला है.

इससे पहले पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद इन दोनों खिलाड़ियों ने टी20आई से रिटायरमेंट ले ली थी. इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के दौरान ही रोहित और विराट ने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था. ऐसे में वो केवल वनडे मैच खेलने के लिए ही मैदान में उतरेंगे.

इस साल 6 वनडे मैच खेलेगा भारत

टीम इंडिया इस साल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन वनडे मैच खेलेगा. इससे पहले बांग्लादेश का दौरा स्थगित होने के बाद श्रीलंका टीम इंडिया से वनडे और टी20 सीरीज खेलना चाहता है, लेकिन अभी इस संशय के बादल मंडरा रहे हैं. ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान में देखने का इंतजार और बढ़ सकता है.

इंग्लैंड से लौट रहा टीम इंडिया का खिलाड़ी

निजी कारणों से खेलने से किया इनकार

लंदन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कई खिलाड़ी इस समय इंग्लैंड में क्रिकेट खेल रहे हैं. इसमें से ही एक खिलाड़ी ने निजी कारणों से भारत लौटने का फैसला किया है. इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलने वाला ये बल्लेबाज अब इंग्लैंड में होने वाली काउंटी चैंपियनशिप में खेलते हुए नजर नहीं आएगा. टीम इंडिया के इस बल्लेबाज ने यॉर्कशर के साथ 5 मैच की डील साइन की थी और वो 22 जुलाई को काउंटी चैंपियनशिप में डेब्यू भी करने वाले थे. हालांकि अब उन्होंने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है. सीएसके के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने अपने नाम वापस लेने की वजह निजी कारणों को बताया है. उनके इस फैसले से यॉर्कशर को तगड़ा झटका लगा है.

ऋतुराज के न खेलने की क्या है वजह?

यॉर्कशर के हेड कोच एंथोनी मैकग्रा ने बताया कि ऋतुराज गायकवाड़ निजी कारणों से अब मैच नहीं खेलेंगे. हम उन्हें स्कारबोरो या बाकी सीजन के लिए टीम में नहीं रख पाएंगे. ये निराशाजनक बात है. मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब ठीक होगा. हमें अभी-अभी पता चला है.

उन्होंने आगे कहा कि चैंपियनशिप शुरू होने में अब बस दो या तीन दिन ही बचे हैं, इसलिए मुझे नहीं पता कि हम इस समय क्या कर सकते हैं? हम एक संभावित रिप्लेसमेंट की तलाश में लगे हैं, लेकिन हमारे पास समय कम है. मैं इस समय इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकता. ऋतुराज का प्रदर्शन फर्स्ट क्लास क्रिकेट में हमेशा ही काफी अच्छा रहा है और यॉर्कशर के लिए भी उनसे दमदार प्रदर्शन की उम्मीद थी. हालांकि अब वो इस टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे.

यॉर्कशर को लगा बड़ा झटका

ऋतुराज के टीम में ना रहने से यॉर्कशर को बड़ा झटका लगा है. इस समय टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज खेल रही है. ऋतुराज को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली थी. यही नहीं इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में भी ऋतुराज ने सिर्फ 5 मैच खेले थे और चोटिल होने की वजह से टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था. अब ये देखना अहम होगा कि यॉर्कशर ऋतुराज की जगह किस खिलाड़ी को रिप्लेसमेंट के रूप में अपनी टीम में शामिल करता है.

मोहम्मद शमी डोमेस्टिक सीजन 2025-26 खेल सकते हैं

दलीप ट्रॉफी से वापसी हो सकती है

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी क्रिकेट मैदान पर वापसी को तैयार हैं। लंबे समय से चोट से जूझ रहे शमी को आगामी घरेलू सीजन के लिए बंगाल क्रिकेट के 50 संभावितों में जगह मिली है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वे दलीप ट्रॉफी 2025, जो 28 अगस्त से शुरू हो रही है, में ईस्ट ज़ोन से खेलते हुए नज़र आ सकते हैं।

शमी पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछली बार भारत के लिए 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था, जिसमें भारत ने न्यूज़ीलैंड को फाइनल में हराकर खिताब जीता था।

इस टूर्नामेंट में शमी ने 5 मैचों में 9 विकेट हासिल किए थे, जो टीम के लिए वरुण चक्रवर्ती के साथ सबसे ज़्यादा थे।

हालांकि, उनका इकॉनमी रेट 5.68 रहा, जो थोड़ा महंगा साबित हुआ।

इसके बाद आईपीएल 2025 में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से उतरे थे लेकिन प्रदर्शन खास नहीं रहा। उन्होंने 9 मैच में सिर्फ 6 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 11.23 रहा। टीम भी पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर रही। शमी ने इससे पहले टखने की सर्जरी कराई थी और फिर घुटने की दिक्कतों से भी जूझे। उन्होंने वापसी की शुरुआत जनवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू T20I सीरीज से की थी। इससे पहले वो पिछली बार वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारत के लिए खेले थे।

डोमेस्टिक लेवल पर उनकी पिछली वापसी 2024 के अंत में बंगाल की ओर से हुई थी। अब जब बंगाल की संभावित टीम घोषित हुई है, उसमें शमी के साथ-साथ अभिमन्यु ईश्वरन, मुकेश कुमार, शाहबाज़ अहमद, आकाश दीप और अभिषेक पोरेल जैसे नियमित नाम भी शामिल हैं।

इस बार दलीप ट्रॉफी का फॉर्मेट पुराने इंटर-ज़ोनल फॉर्मेट में लौट आया है, जिससे खिलाड़ियों को टीम इंडिया में वापसी का बेहतर मंच मिलेगा। शमी के लिए यह एक सुनहरा मौका है, खुद को फिर से साबित करने का और टीम इंडिया में वापसी करने का।

चार भारतीय महिला खिलाड़ी फाइड वर्ल्डकप क्वार्टर फाइनल में

हम्पी-वैशाली चीनी खिलाड़ी से भिड़ेंगी; दिव्या-हरिका का आपस में मुकाबला

बटुमी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने फाइड महिला विश्व कप ने बड़ी कामयाबी हासिल कर देश को खुशी से झूमने का मौका दिया है. दिव्या देशमुख, कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावली और आर. वैशाली ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है. जॉर्जिया के बटुमी में आयोजित फाइड महिला विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर इन सभी खिलाड़ियों ने बड़ी कामयाबी हासिल की. भारत ने इतिहास रचते हुए पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में चार खिलाड़ियों को उतारा है.

दिव्या ने प्री-क्वार्टरफाइनल में दूसरे वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी झू जिनर को 1.5-0.5 से हराकर सबको चौंका दिया. उन्होंने पहले गेम में काले मोहरों से जीत हासिल की और दूसरे गेम में सफेद मोहरों से ड्रॉ किया. अनुभवी हम्पी ने भी स्विट्जरलैंड की एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक्स में 1.5-0.5 से हराया. हम्पी सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीन की युशिन सॉन्ग से भिड़ेंगी.

हरिका ने रूस की कतेरीना लागनो के खिलाफ 15+10 रैपिड टाईब्रेक्स के पहले गेम में हार का सामना किया, लेकिन दूसरे गेम में वापसी करते हुए जीत हासिल की. मुकाबला फिर 10+10 रैपिड टाईब्रेक्स में चला गया, जहां हरिका ने पहले गेम में काले मोहरों से ड्रॉ किया और दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की.

हरिका का सामना क्वार्टरफाइनल में दिव्या से होगा जिससे यह मुकाबला पूरी तरह से भारतीय होगा. यहां जीत किसी की भी हो जश्न भारत में ही होगा. आर. वैषाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा के खिलाफ 15+10 और 10+10 रैपिड टाईब्रेक्स में गेम्स को बांटा. मुकाबला ब्लिट्ज टाईब्रेक्स में चला गया, जहां प्रत्येक खिलाड़ी को प्रति गेम तीन सेकंड की वृद्धि के साथ पांच मिनट मिले. वैशाली ने पहले गेम में काले मोहरों से ड्रॉ किया और दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत हासिल की.

किसी ने मामा की लड़की से की शादी तो कोई चाचा की बेटी से प्यार कर बैठा, क्रिकेटर जिसने अपने ही रिश्तेदार संग बसाया घर

वैशाली का क्वार्टरफाइनल मुकाबला चीन की तान झोंगयी से होगा. इस साल की शुरुआत में महिला विश्व चैम्पियनशिप में उन्होंने अपनी हमवतन जू वेनजुन से हार का सामना किया था. विश्व कप तीन स्थानों की पेशकश करता है जो 2026 के पहले छमाही में होने वाले फाइड महिला उम्मीदवार टूर्नामेंट के लिए हैं.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में खूबसूरत सुपरस्टार की वापसी

खेल डेस्क, 19 जुलाई (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में हाल ही में एक खूबसूरत सुपरस्टार ने वापसी की है। उन्होंने स्मैक डाउन के हाल ही में हुए एपिसोड से पहले रिंग में आकर जलवा बिखेरा। एक साल से वो इन-रिंग एक्शन में नजर आईं लेकिन उन्हें बड़ी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, फैंस उन्हें फिर से लड़ते हुए देखकर बेहद खुश हैं। कियाना जेम्स ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपना आखिरी मैच 17 जून 2024 को आरएडब्ल्यू के एपिसोड में लड़ा था, जहां उन्हें ट्रिपल थ्रेट मैच में इयो स्काई के खिलाफ हार मिली थी। इसके बाद अचानक कियाना टीवी से दूर हो गईं और फिर पता चला कि उन्हें चोट आई है। इसी वजह से वो बाहर हो गईं। कियाना ने एनएक्सटी में अपने अनोखे कैरेक्टर द्वारा खूब नाम बनाया।

न्यूजीलैंड के कॉन्वे को किस्मत का सहारा, आठ जीवनदान मिले

हरारे, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे ने कई जीवनदान का फायदा उठाते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जिससे न्यूजीलैंड ने तीन देशों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में रविवार को 37 गेंद शेष रहते जिम्बाब्वे को आठ विकेट से शिकस्त दी। मैट हेनरी (26 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से जिम्बाब्वे की पारी को सात विकेट पर 120 रन पर रोकने के बाद न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर प्रभावशाली जीत दर्ज की। कॉन्वे ने टिम सिफर्ट (तीन) के जल्दी आउट होने के बाद 40 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। उन्हें मैच में कम से कम आठ जीवनदान मिले। एक रन के स्कोर पर उनका कैच छूटा फिर वह जब 34 रन पर थे तब रन आउट से बचे और पगबाधा की करीबी अपील उनके पक्ष में रही। इसके अलावा उनके कई शॉट हवा में लहराने के बाद क्षेत्ररक्षकों से दूर गिरे। कॉन्वे ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 17 महीने में अपना पहला अर्धशतक जड़ने के अलावा रचिन रविंद्र (19 गेंद में 30 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 और डेरिल मिचेल (19 गेंद में नाबाद 26 रन) के साथ 58 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को आसानी से लक्ष्य के पार पहुंचाया। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाजों वेस्ली मधेवेरे (32 गेंद में 36 रन) और ब्रायन बेनेट (19 गेंद में 20 रन) ने आक्रामक तरीके से न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना किया। बेनेट हालांकि पावरप्ले के अंत में हेनरी का शिकार बन गए।

अर्जुन एरिगैसी सेमीफाइनल से बाहर

फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अरोनियन से हारे

लास वेगास, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी का फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में स्वप्निल सफर सेमीफाइनल में आर्मेनिया के पूर्व खिलाड़ी और अब अमेरिका की तरफ से खेल रहे लेवोन अरोनियन से 0-2 से हार के साथ समाप्त हो गया। एरिगैसी ने प्रतियोगिता में इससे पहले शानदार प्रदर्शन किया था तथा वह फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। अरोनियन के खिलाफ वह अपनी जादुई लय बरकरार नहीं रख पाए और उन्हें दोनों बाजियों में हार का सामना करना पड़ा।

इस भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए प्रारंभिक दौर के प्ले-ऑफ में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को तथा क्वार्टर फाइनल में हिकारू नाकामुरा को हराया था। अरोनियन के खिलाफ भी पहली बाजी में वह अच्छी स्थिति में दिख रहे थे लेकिन मौकों को भुनाने में असफल रहे।

अरोनियन ने मुश्किल स्थिति में होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी और जब अर्जुन अपनी बढ़त का फायदा नहीं उठा सके तो उन्हें इसका लाभ मिला। अरोनियन को फाइनल में जगह बनाने के लिए दूसरी बाजी में केवल ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने शुरू से बाजी बराबर करने के प्रयास किए और एक समय ऐसा लग भी रहा था कि मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है, लेकिन अर्जुन को मुकाबले में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी और ऐसे में उन्होंने अनावश्यक जोखिम उठाया जिसकी उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी। अमेरिका के हंस मोके नीमन फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी थे। उन्होंने हमवतन फैबियानो कारुआना को हराया। खिताब की दौड़ से बाहर हो चुके भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा ने तीसरे से आठवें स्थान के लिए हुए प्लेऑफ़ में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को 1.5-0.5 से हराया। नॉर्वे के खिलाड़ी कार्लसन ने भी उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ इसी अंतर से जीत दर्ज की। अन्य मैचों में अमेरिका के वेस्ली सो ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 3-1 से, जबकि अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने हमवतन लीनियर डोमिन्गुएज़ पेरेज़ को 2-0 से हराया।

आखिरी ओवर के 3 छक्के पाकिस्तान के आए काम

रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को दी 5 रनों से मात

लंदन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 की शुरुआत पाकिस्तान ने जीत के साथ की है. पहले मुकाबले में उसने इंग्लैंड को 5 रनों से हराकर इस टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की है. बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए इस मुकाबले के दौरान पाकिस्तान की पारी के आखिरी ओवर में लगे तीन छक्के उसके काफी काम आए और रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड की टीम को अपने घर में हार झेलनी पड़ी. इस मुकाबले में पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी नहीं खेले थे. पाकिस्तान का अगला मुकाबला 20 जुलाई को भारत से होगा. इससे पहले उसने मोहम्मद हफीज की अगुवाई में शानदार शुरुआत करके टीम इंडिया को कड़ी चेतावनी दे दी है. डब्ल्यूसीएल 2025 के पहले मुकाबले में पाकिस्तान चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान मोहम्मद हफीज के अर्धशतक और आमेर यामीन की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 161 रन बनाए. पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके दो विकेट केवल 27 रन पर गिए गए थे. ओपनर कामरान अकमल (8 रन) और शरजील खान (12) 5 ओवर के अंदर ही पवेलियन लौट गए. शोएब मलिक भी एक रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन इसके बाद मोहम्मद हफीज ने 34 गेंदों में 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को संभाला. उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके लगाए. पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड चैंपियंस ने 19 ओवर तक कसी हुई गेंदबाजी की, लेकिन आखिरी ओवर में पासा पूरी तरह से बदल गया.

डब्ल्यूयूजी में श्रीहरि नटराज का जलवा, 200 मीटर फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तैराक श्रीहरि नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल में अपने 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' को बेहतर करते हुए जर्मनी में विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के दूसरे दिन सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने नीदरलैंड को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। बैडमिंटन खिलाड़ियों को हालांकि मिश्रित टीम स्पर्धा हांगकांग के खिलाफ निराशा मिली।

दो बार के ओलंपियन 24 साल के श्रीहरि नटराज (24 वर्षीय) ने अपनी हीट में 1:48.22 सेकेंड का समय निकालकर शीर्ष स्थान हासिल किया। बेंगलुरु के इस तैराक ने पिछले महीने सिंगापुर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड 1:48.66 सेकेंड को पीछे छोड़ दिया। नटराज ने कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

सायली वानी, तनीषा कोटेचा और प्रीथा वर्तिकर की भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने ग्रुप पांच में नीदरलैंड पर 3-1 से जीत दर्ज की तो वहीं देवर्ष वाघेला, अयाज मुराद और हरकुंवर सिंह की पुरुष टीम ने कोलंबिया को 3-2 से शिकस्त दी। पुरुष टीम के सामने अब अंतिम 16 में चीन की चुनौती होगी। बैडमिंटन मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत ने हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ ग्रुप एफ में कड़ा संघर्ष किया। टीम को हालांकि 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले गुरुवार को इस भारतीय टीम ने मकाऊ को 5-0 से हराया था।

टेनिस के महिला एकल में अंजलि राठी और वैष्णवी अडकर ने अंतिम 32 में जगह बनाई। अंजलि ने युगांडा की क्रिस्टियाना ओवोमुहांगी को 6-0, 6-0 से जबकि वैष्णवी ने नीदरलैंड की जोलीन मारिया जेनिया गील्स को

टी20 ब्लास्ट 2025 में इंग्लैंड में 17 साल के गेंदबाज ने ली हैट्रिक

लंदन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। टी20 ब्लास्ट 2025 में पाकिस्तानी मूल के 17 साल के स्पिनर ने कमाल कर दिया. उसने लंकाशर के खिलाफ शानदार हैट्रिक लेकर अपनी टीम नॉटिंघमशर को जीत दिला दी. उसकी फिरकी गेंदों को बल्लेबाज समझ नहीं पाए और एक के बाद एक पवेलियन लौटते गए. ये खिलाड़ी टी20 क्रिकेट में नॉटिंघमशर के लिए हैट्रिक लेने वाला पहला खिलाड़ी बन गया है. लंकाशर के खिलाफ इस मुकाबले में फरहान अहमद ने पांच विकेट लेकर अपनी टीम को 4 विकेट से शानदार जीत दिला दी. फरहान अहमद इंग्लैंड के उभरते हुए स्टार स्पिनर रेहान अहमद के छोटे भाई हैं. फरहान ने 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था.

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंकाशर 20 ओवर में 126 रन पर ढेर हो गई. टीम की ओर से क्रिस ग्रीन ने 29 रन बनाए जबकि मैथ्यू हर्स्ट ने 36 रन का योगदान दिया. नॉटिंघमशर ओर से सभी गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की, लेकिन फरहान अहमद की फिरकी ने लंकाशर के बल्लेबाजी लाइनअप को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया. लंकाशर की पारी के आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर फरहान ने ल्यूक वुड को आउट किया. इसी की अगली गेंद पर उन्होंने थॉमस एस्पिनवॉल को भी अपना शिकार बनाया. वो पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए. आखिरी गेंद पर मिचेल स्टेनले बड़ा शॉट खेलने के लिए क्रीज के आगे बढ़े और वो टॉम मूर्स ने उन्हें स्टंप आउट कर दिया. इन तीन विकेट के अलावा अहमद ने क्रिस ग्रीन और कप्तान कीटन जेनिंग्स को भी आउट किया. इस तरह उन्होंने इस मैच में 4 ओवर में 25 रन देकर पांच विकेट हासिल किए.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉटिंघमशर ने इस मैच को 16 ओवर के भीतर ही चार विकेट रहते हुए जीत लिया. टीम की शुरुआत इतनी अच्छी नहीं हुई थी और उन्होंने 14 रन पर अपने चार विकेट खो दिए थे. हालांकि टीम की ओर से टॉम मूर्स ने 75 रन की धमाकेदार पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई.

न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

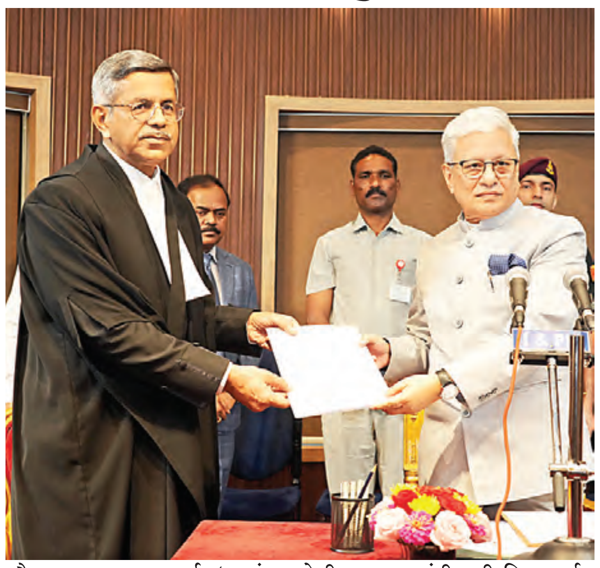

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शनिवार को राजभवन में उन्हें पद की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, मंत्री और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और ए.के. सिंह को नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में देश के पांच उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के तबादले और पांच उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

तेलंगाना के साथ-साथ त्रिपुरा, मद्रास और राजस्थान उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों का भी तबादला किया गया है, जबकि मध्य प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, गुवाहाटी और पटना उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह, वकीलों के एक परिवार की तीसरी पीढ़ी के सदस्य, का जन्म 7 जुलाई 1965 को डॉ. राम गोपाल सिंह और डॉ. श्रद्धा सिंह के घर हुआ था।

उनके नाना, न्यायमूर्ति बी.पी. सिन्हा, सर्वोच्च न्यायालय के छठे मुख्य न्यायाधीश रहे, और उनके दूसरे दादा, न्यायमूर्ति शंभू प्रसाद सिंह, पटना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रहे। उनके निकट संबंधी, न्यायमूर्ति बिस्वेश्वर प्रसाद और न्यायमूर्ति शिवकीर्ति सिंह, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे। दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए ऑनर्स और कानून की डिग्री प्राप्त एके सिंह 1990 में संयुक्त पटना उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए थे। उन्होंने 1990 से 2000 तक पटना उच्च न्यायालय और 2001 से 2012 तक झारखंड उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कई महत्वपूर्ण मुकदमों की पैरवी की। उन्होंने 2012 में झारखंड उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश और 2014 में स्थायी न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने 2022 में झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया और 2023 में उन्हें त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। अब उन्हें तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित किया जाएगा।

इंटरमीडिएट का छात्र कॉलेज से भागा, बाद में पकड़ा गया

पेद्दापल्ली, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार आवासीय जूनियर कॉलेज (टीजीआरजेसी), नंदीमेदरम, धर्माराम मंडल से इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष का छात्र इम्मादी मेगावर्षित शनिवार तड़के भाग गया, जिससे कॉलेज अधिकारियों और उसके माता-पिता में दहशत फैल गई। अंततः छात्र का पता लगा लिया गया और उसे दोपहर तक कॉलेज वापस लाया गया, जिससे सभी संबंधित लोगों को राहत मिली। कॉलेज स्टाफ के अनुसार, मेघवर्षित सुबह करीब 4.30 बजे गायब मिला, जब पीडी शिक्षक सुरेश सुबह की सभा के लिए छात्रों को इकट्ठा कर रहे थे।

उन्होंने तुरंत प्रिंसिपल विद्यासागर को सूचित किया, जिसके बाद तलाश शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि छात्र सुबह करीब 4.23 बजे मुख्य प्रवेश द्वार फांदकर परिसर से बाहर निकल गया था। कॉलेज प्रशासन ने तुरंत उसके माता-पिता को सूचित किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। रिश्तेदारों से पूछताछ के बाद, उसके माता-पिता परिसर पहुंचे।

कांग्रेस विधायक ने रेवंत की 10 साल तक मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा कुल 10 साल के लिए दूसरा कार्यकाल पूरा करने की घोषणा से कांग्रेस पार्टी में कुछ असहमति पैदा हो गई है, और कई नेताओं ने खुलकर अपनी आपत्तियां व्यक्त की हैं। कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनका बयान कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों के विपरीत है। इस प्रतिक्रिया ने काफ़ी ध्यान आकर्षित किया है। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में, राजगोपाल रेड्डी ने कहा, रेवंत रेड्डी का अगले दस साल तक मुख्यमंत्री बने रहने का दावा कांग्रेस पार्टी की नीतियों के साथ समझौता करता है। हमारी राष्ट्रीय पार्टी, कांग्रेस में, मुख्यमंत्री का चुनाव आलाकमान के निर्देशों के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए। पार्टी के नेता और सदस्य तेलंगाना कांग्रेस को निजी दायरे में बदलने के प्रयासों को स्वीकार नहीं करेंगे। शुक्रवार

को कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान, मुख्यमंत्री ने 2034 तक पद पर बने रहने की अपनी इच्छा व्यक्त की। हालांकि, इन टिप्पणियों की कांग्रेस विधायकों ने आलोचना की है, जिनमें से कुछ ने इन्हें अनुचित माना है। मुनुगोड़े के विधायक राजगोपाल रेड्डी तेलंगाना सरकार में कैबिनेट मंत्री पद पाने के इच्छुक थे, लेकिन हाल ही में हुए मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान विभिन्न राजनीतिक समीकरणों के कारण उन्हें यह पद नहीं दिया गया। तब से, उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति असंतोष व्यक्त किया है और मंत्री पद न मिलने पर अपनी निराशा सार्वजनिक रूप से व्यक्त की है। अब, मुख्यमंत्री के बारे में राजगोपाल रेड्डी की टिप्पणियों ने राजनीतिक हलकों और कांग्रेस पार्टी में काफ़ी हलचल मचा दी है।

उप्पल स्टेडियम में विरोध प्रदर्शन, कई हिरासत में

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना क्रिकेट संयुक्त कार्रवाई समिति के बैनर तले लोगों के एक समूह द्वारा विरोध प्रदर्शन शुरू करने के बाद शनिवार को उप्पल स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में कुछ देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया। समिति के सदस्य मांग कर रहे थे कि हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में सभी जिलों के सदस्य हों और सभी क्रिकेट क्लबों को समान अवसर दिया जाना चाहिए। स्टेडियम के बाहर भारी संख्या में तैनात पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें उप्पल पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया।

स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की बैठक के मद्देनजर शनिवार को उप्पल स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध 173 क्लबों के सदस्य इस बैठक में शामिल होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन मोहन राव और चार अन्य के खिलाफ कथित तौर पर धन की हेराफेरी के मामले सहित हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए, भारी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस ने निर्णय लिया है कि वह ऐसे किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं देगी जिसे एचसीए ने कथित अवैध गतिविधियों के लिए निलंबित किया हो। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू स्टेडियम में गए और व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं।

केटीआर की मानसिक हालत ठीक नहीं : हनुमंत राव

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता मैनमपल्ली हनुमंत राव ने आरोप लगाया है कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव नशे की लत के कारण मानसिक रूप से ठीक नहीं हैं और तर्कहीन व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केटी रामाराव अपना रवैया नहीं बदलते हैं, तो कांग्रेस समर्थक उचित कार्रवाई करेंगे और उनसे सीधे भिड़ने में संकोच नहीं करेंगे। शनिवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पूर्व विधायक हनुमंत राव ने केटी रामाराव पर पिछली बीआरएस सरकार के दौरान छाया मुख्यमंत्री के रूप में काम करने और कई अनियमितताओं में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, केटीआर हाल ही में श्वेता नाम की एक महिला पत्रकार की आत्महत्या के लिए ज़िम्मेदार हैं। वह नशे के आदी हैं और उनका व्यवहार अपरिवर्तित है। कई लोग आरोप लगा रहे हैं कि केटीआर फ़ोन टैपिंग के ज़रिए जोड़ों को अलग कर रहे हैं। मैं केटीआर के दुर्व्यवहार पर एक किताब लिखने की योजना बना रहा हूं और इसे हर घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। कांग्रेस नेता ने ग्रेटर हैदराबाद में बीआरएस को 24 विधानसभा सीटें दिलाने वाले प्रवासियों के प्रति केटीआर की गहरी निराशा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने लोगों में स्थानीय और गैर-स्थानीय लोगों के बीच विभाजन की भावना को बढ़ावा देने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ने यह भी कहा कि केटी रामाराव अपने जीवनकाल में कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, और भविष्यवाणी की कि अंततः एक दिन ऐसा आएगा जब केटीआर जेल जाएंगे।

विधायक विवेकानन्द गौड़ ने रेवंत, मयनामपल्ली को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और हैदराबाद शहर के मलकाजगिरी जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़ते तनाव के लिए कांग्रेस सरकार और उसके नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए, बीआरएस नेता और कुतबुल्लापुर के विधायक केपी विवेकानंद गौड़ ने कहा कि शांति और सद्भाव जो बीआरएस शासन की पहचान थी, अब पहले जैसी नहीं रही। तेलंगाना भवन में पार्टी एमएलसी शंभीपुर राजू के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के प्रभाव में काम कर रहे म्यान्पल्ली हनुमंत राव व्यक्तिगत हमले और भड़काऊ बयानबाजी कर रहे हैं।

सीपीआई नेता के खिलाफ दायर किया आरोपपत्र

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भारत विरोधी साजिश के एक मामले में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के वरिष्ठ नेता सीपी मोइदीन उर्फ गिरीश के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। हैदराबाद स्थित एनआईए की विशेष अदालत में पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया। एनआईए ने गिरीश के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

एनआईए के अनुसार, मोइदीन भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की माओवादी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि जाँच के दौरान मिले सबूतों से सीपीआई (माओवादी) की पश्चिमी घाट विशेष क्षेत्रीय समिति (डब्ल्यूजीएसजेडसी) के भीतर माओवादी अभियानों में उसकी केंद्रीय भूमिका की पुष्टि हुई है। यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया और बाद में सितंबर 2023 में केंद्रीय समिति के सदस्य संजय दीपक राव की गिरफ्तारी के बाद डब्ल्यूजीएसजेडसी के सचिव का पद संभाला।

मोइदीन ने डब्ल्यूजीएसजेडसी क्षेत्र में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) दस्तों की देखरेख की, भर्ती अभियानों का नेतृत्व किया, माओवादी विचारधारा का प्रसार किया और केरल-कर्नाटक-तमिलनाडु त्रि-जंक्शन पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हिंसक गतिविधियों की योजना बनाई। उन्हें पहली बार अगस्त 2024 में केरल पुलिस ने हिरासत में लिया था और जनवरी 2025 में एनआईए ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया था। यह मामला पहली बार तेलंगाना पुलिस ने सितंबर 2023 में संजय दीपक राव की गिरफ्तारी के बाद दर्ज किया था, जिन्हें हथियार, गोला-बारूद और माओवादी साहित्य ले जाते हुए पकड़ा गया था। इसके बाद एनआईए ने जांच अपने हाथ में ले ली, राव के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया और सीपीआई (माओवादी) की पुनरुद्धार योजनाओं को विफल करने तथा उसके शहरी और सशस्त्र नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से व्यापक जांच शुरू की।

अधिक योग्यता बाद भी सीटें कम

इंजीनियरिंग प्रवेश में लड़कियां लड़कों से पीछे

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2025 में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

हालांकि, जब इंजीनियरिंग प्रवेश की बात आती है, तो काउंसलिंग में लड़कियों की तुलना में अधिक लड़कों ने सीटें हासिल की हैं। शुक्रवार को जारी पहले चरण के सीट आवंटन के अनुसार, लड़के और लड़कियों के बीच 8 प्रतिशत से ज़्यादा का अंतर था, क्योंकि प्रवेश परीक्षा में लड़कों की तुलना में एक प्रतिशत से ज़्यादा उच्च योग्यता हासिल करने के बावजूद लड़कियों को कम सीटें मिलीं। इंजीनियरिंग सीट आवंटन पाने वाले 77,561 छात्रों में से 41,924 (54.1 प्रतिशत) लड़के थे, जबकि 35,637 (45.9 प्रतिशत) लड़कियां थीं।

इसके अलावा, प्रवेशों के विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले छह वर्षों में छात्रों और अभिभावकों के बीच स्नातक इंजीनियरिंग कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। यह उस अवधि के दौरान हुए प्रवेशों की संख्या से स्पष्ट है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले छह वर्षों में इंजीनियरिंग में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में रिकॉर्ड 31,427 की वृद्धि हुई है। 2019 में जहाँ केवल 46,134 छात्रों ने नामांकन कराया था, वहीं टीजी ईएपीसीईटी 2025 के पहले चरण की वेब-आधारित काउंसलिंग में ही विभिन्न इंजीनियरिंग शाखाओं में 77,561 सीटें आवंटित की गईं। पिछले वर्षों में कुल सीटों में से 60 प्रतिशत भी नहीं भरी गई थीं। लेकिन इस बार पहले चरण में 83,054 सीटों में से 93.39 प्रतिशत सीटें पहले ही आवंटित हो चुकी हैं, जिससे केवल 5,493 सीटें खाली रह गई हैं।

स्नातक इंजीनियरिंग प्रवेशों में वृद्धि का एक प्रमुख कारण आईटी क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों और करियर के अवसरों का विकास है। इसके कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी है। इस मांग के अनुरूप, इंजीनियरिंग कॉलेजों - विश्वविद्यालय और निजी दोनों - ने उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कि एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान और इंटरनेट ऑफ थिंग्स में पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया। इसके अलावा, अतीत में, कई निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों ने छात्रों और अभिभावकों की भारी मांग के कारण सिविल और मैकेनिकल जैसी मुख्य इंजीनियरिंग शाखाओं की सीटों को सीएसई में परिवर्तित कर दिया था। पिछले छह वर्षों में, संयोजक कोटे के अंतर्गत 17,489 नई सीटें जोड़ी गई हैं। 2019 में, संयोजक कोटे की केवल 65,000 सीटें थीं, जो इस शैक्षणिक वर्ष में बढ़कर 83,054 हो गई हैं।

पंजागुट्टा में प्याज से भरा ट्रक पलटने से यातायात ठप

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। व्यस्त पंजागुट्टा रोड पर शनिवार सुबह एक ट्रक के पलट जाने से यातायात ठप हो गया। प्याज से भरा ट्रक शहर की ओर जा रहा था, तभी पंजागुट्टा मेट्रो स्टेशन के पास यह पलट गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क किनारे कराया। यातायात पुलिस ने कुछ देर के लिए यातायात डायवर्ट किया।

आवासीय विद्यालय में एक और छात्र ने की आत्महत्या

निजामाबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वेलपुर सोशल वेलफेयर बॉयज रेसिडेंशियल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के इंटरमीडिएट छात्र की शनिवार को अरमूर के बाहरी इलाके में आत्महत्या कर ली गई, जिससे राज्य में सरकारी आवासीय संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। निज़ामसागर मंडल के अरेपल्ली निवासी जी संतोष नाम का यह छात्र कॉलेज में बीआईपीसी की पढ़ाई कर रहा था। खबरों के मुताबिक, वह सुबह करीब 6.30 बजे नियमित अभ्यास के लिए कॉलेज ग्राउंड में आया था। कुछ देर बाद वह ग्राउंड से चला गया और वापस नहीं लौटा।

जब वह छात्रावास में नहीं पहुंचा तो उसके दोस्तों ने उसकी तलाश शुरू की और अंततः उसे कॉलेज परिसर के बाहर एक पेड़ से लटका हुआ पाया। वेलपुर और अरमूर आवासीय कॉलेज वर्तमान में एक ही परिसर में संचालित होते हैं। छात्रों और कर्मचारियों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि संतोष बिना किसी की नज़र में आए परिसर से कैसे निकल गया, जिससे सुरक्षा में संभावित चूक का संकेत मिलता है। कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को सूचित किया, जिसने मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जाँच जारी है।

भारी बारिश के बाद उस्मानसागर और हिमायतसागर में नया जलस्तर दर्ज

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को चेवेल्ला, विकाराबाद, शंकरपल्ली, मोमिनपल्ली और डोबी पेटा सहित गांवों के गंडिपेट जलाशय के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद, शनिवार तड़के से ही उस्मानसागर और हिमायतसागर, दोनों जलाशयों में नए पानी का प्रवाह शुरू हो गया। यह पानी मूसी नदी के माध्यम से जलाशयों में प्रवेश करता है। इसी तरह, शुक्रवार रात हुई भारी बारिश के कारण, चेवेल्ला, अंदापुर, कोटवाल पेटा, नारकुडा, तंदूर और मोइनाबाद सहित ऊपरी इलाकों से हिमायतसागर में पानी का प्रवाह शुरू हो गया है। यह पानी एसी नदी के रास्ते हिमायतसागर जलाशय तक पहुँच रहा है।

हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के अधिकारी आस-पास के समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। जल बोर्ड के अधिकारियों ने आसपास के इलाकों के निवासियों को भी आगाह किया है कि वे सरकार द्वारा जारी किसी भी अपडेट या चेतावनी के बारे में जानकारी रखें।

बीआरएस ने रेवंत रेड्डी पर पलामुरु से किए गए वादे पूरे न करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस निरंजन रेड्डी और वी श्रीनिवास गौड़ ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की राजनीतिक टिप्पणियों और पलामुरु में विकास की कमी के लिए आलोचना की। तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वह शासन के बजाय राजनीतिक आलोचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक मुख्यमंत्री के लिए अनुचित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने कोल्लापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए 40 मिनट में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का नाम 38 बार लिया था। पलामुरु क्षेत्र के विकास में रेवंत रेड्डी के अब तक के योगदान पर सवाल उठाते हुए, उन्होंने कहा कि पिछड़े पलामुरु क्षेत्र के लाभ के लिए कांग्रेस सरकार ने अब तक कोई उल्लेखनीय परियोजना लागू नहीं की है। निरंजन रेड्डी ने बताया कि रेवंत रेड्डी ने छह महीने पहले एक यंग इंडिया स्कूल की आधारशिला रखी थी, लेकिन कोई प्रगति नहीं हुई, और हाल ही में बिना किसी अनुवर्ती कार्रवाई के एक और स्कूल की नींव रखी गई।

श्रीनिवास गौड़ ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिन्होंने तेलंगाना के हितों में बाधा

डाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और टीडीपी सरकारों ने जुराला और कलवाकुर्थी जैसी परियोजनाओं में देरी का हवाला देते हुए तेलंगाना की ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा की है। गौड़ ने दावा किया कि कांग्रेस ने जुराला के निर्माण में चार दशक लगा दिए और आरडीएस नहर की सिंचाई क्षमता 87,500 एकड़ से घटाकर 8,000 एकड़ कर दी। चंद्रशेखर राव ने कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए 40 टीएमसी पानी आवंटित किया था, लेकिन नायडू ने इसे रोक दिया, जिससे जलाशयों की क्षमता केवल 4 टीएमसी रह गई।

गौड़ ने चंद्रशेखर राव को पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना के 90 प्रतिशत पूरा होने, 32,000 करोड़ रुपये खर्च करने और 27,000 एकड़ ज़मीन अधिग्रहण का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि पाँच जलाशय, पंपिंग स्टेशन और नहरें बनाई गईं, जिनमें से एक पंप नरलापुर में शुरू हो गया। हालाँकि, रेवंत रेड्डी की सरकार ने 19 महीनों में बाकी बचे काम में कोई प्रगति नहीं दिखाई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में पाँच मेडिकल कॉलेज स्थापित किए थे। उन्होंने यह भी बताया कि रेवंत रेड्डी ने एक मेडिकल कॉलेज को कोडंगल स्थानांतरित कर दिया और दिल्ली से नए कॉलेज हासिल करने में विफल रहे। गौड़ ने यह भी आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के ठेकेदार कोडंगल में सरकारी काम संभाल रहे थे।

कई इलाकों में गरज के साथ छींटे पड़े

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रात भर कुछ घंटों के विराम के बाद शनिवार को हैदराबाद और उपनगरों में गरज के साथ छींटे पड़े। बीरमगुडा, आरसी पुरम, मियापुर, सेरिलिंगमपल्ली, चंद्रायणगुट्टा, हयातनगर, बंडलागुडा, घाटकेसर, बालापुर, शमशाबाद, राजेंद्रनगर में मध्यम गरज के साथ छिटपुट बारिश हुई। दोपहर के आसपास जारी पूर्वानुमान में बारिश की संभावना जताई गई थी। दोपहर 2.30 बजे के बाद, गरज के साथ बारिश हुई।

पुलिस ने 109 खोए हुए मोबाइल फोन मालिकों को लौटाए

आदिलाबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने जनता से आग्रह किया कि वे केंद्र सरकार के समर्पित पोर्टल पर तुरंत अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की सूचना दें । उन्होंने शनिवार को यहाँ आयोजित एक कार्यक्रम में पोर्टल और जिला पुलिस की एक विशेष रिकवरी टीम के माध्यम से बरामद किए गए 109 मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे।

एसपी ने फोन उपयोगकर्ताओं को सलाह दी कि अगर उनका डिवाइस गुम हो जाए तो तुरंत पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि 2023 से अब तक इस पोर्टल और जिला पुलिस की रिकवरी टीम के सहयोग से 900 से ज़्यादा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से कई फोन महाराष्ट्र और हरियाणा में पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रिकवरी का काम एक सतत प्रक्रिया है।

उन्होंने मोबाइल रिपेयर शॉप मालिकों को भी आगाह किया कि वे मरम्मत से पहले फ़ोन मालिकों की सहमति ज़रूर लें। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना वैध दस्तावेज़ों के मोबाइल फ़ोन खरीदते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मोबाइल चोरी या गुम होने पर पीड़ितों को सलाह दी गई कि वे मदद के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.